खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 19 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-76

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ 2025 की भव्यता की सराहना, बोले

महाकुंभ आयोजन भगीरथ प्रयास दुनिया ने देखी विविधता में एकता

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज में हुए महाकुंभ पर वक्तव्य देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज मैं सदन के माध्यम से देशवासियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। यह जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए, जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था...महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था। इन घटनाओं ने देश को

एक नया मोड़ दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ

पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए

से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है। आज पूरे विश्व में जब बिखराव की स्थितियां हैं, उस दौर में एकजुटता का ये विराट प्रदर्शन हमारी ताकत है। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है, ये हम हमेशा कहते आए हैं और इसी के विराट रूप का अनुभव हमने प्रयागराज महाकुंभ में किया है। हमारा दायित्व है, अनेकता में एकता की इसी विशेषता को हम निरंतर समृद्ध करते रहें।

पीएम मोदी ने कहा कि ये उमंग, उत्साह यहीं तक सीमित नहीं था। बीते सप्ताह मैं मॉरीशस में था, मैं त्रिवेणी से महाकुंभ के समय का पावन जल लेकर गया था। जब उस पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तलाब में अर्पित किया गया, तब वहां जो श्रद्धा का, आस्था का, उत्सव का माहौल था, वो देखते ही बनता था । ये दिखाता है कि हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की भावना कितनी प्रबल हो रही है। ▶10 पर

प्रधानमंत्री के भाषण का विपक्ष ने किया बहिष्कार

प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा में प्रयागराज में महाकुंभ पर भाषण को लेकर विपक्ष ने विरोध जताया और सदन से वॉकआउट कर लिया। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि प्रधानमंत्री ने एकतरफा बयान दिया और सदन से चले गए। बेहतर होता कि महाकुंभ पर बड़ी चर्चा होती... नेताजी की सरकार में महाकुंभ हुआ, अखिलेश यादव के नेतृत्व में भी हुआ और इन सरकारों में महाकुंभ का आयोजन बहुत अच्छे और भव्य तरीके से हुआ। दुख की बात है कि इस बार महाकुंभ में भगदड़ मची, लोगों की जान गई। ▶10 पर

पहली बार कोई प्रधानमंत्री करेगा आरएसएस मुख्यालय का दौरा!

भाजपा अध्यक्ष के चुनाव से पहले मोदी-भागवत बैठक पर सबकी नजर

नागपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा और संघ के रिश्तों में एक बार फिर मधुरता देखने को मिल रही है। पिछले एक महीने में कई बार आरएसएस की तारीफ कर चुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब नागपुर स्थित संघ मुख्यालय जाने वाले हैं। यह किसी भी प्रधानमंत्री की ओर से संघ मुख्यालय का पहला दौरा होगा। प्रधानमंत्री के संघ मुख्यालय के प्रस्तावित दौरे के कई राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ होने वाली मुलाकात ऐसे समय पर हो रही है ▶10 पर

नागपुर हिंसा : 5 एफआईआर, 50 गिरफ्तार

सदन में फडणवीस ने दंगाइयों को कर दिया चैलेंज, जात-धर्म नहीं देखेंगे...

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। नागपुर में हुई हिंसा को लेकर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। इस हिंसा में 30 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हिंसा की योजना बनाई गई थी, जबकि विपक्ष ने सरकार की ओर से विफलता का आरोप लगाया है। मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को महाराष्ट्र से बाहर ले जाने की मांग को लेकर सोमवार शाम को हिंसा भड़कने के बाद नागपुर के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। नागपुर हिंसा पर विधानसभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पुलिस पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे, सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागपुर हिंसा पर विधानसभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नागपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। अफ़वाह फैलाई गई कि धार्मिक सामग्री वाली चीज़ें जला दी गईं। यह एक सुनियोजित हमला लगता है। किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की इजाज़त नहीं है।

नागपुर हिंसा पर विधानसभा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह हिंसक घटना और दंगे पूर्व नियोजित प्रतीत होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि छावा फिल्म ने औरंगजेब के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़का दिया है, फिर भी सभी को महाराष्ट्र में शांति बनाए रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस हिंसा में 12 दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और घटना स्थल पर 80 से 100 लोगों का जमावड़ा था। हिंसा की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक क्रेन और दो जेसीबी समेत चार पहिया वाहनों को जलाया गया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नागपुर हिंसा पर कहा कि जिन्होंने पुलिस, समाज, आम लोगों पर हमला किया है। उनको बिल्कुल माफ नहीं किया जाएगा। ये हमारी महाराष्ट्र की भूमिका है। महाराष्ट्र में आप लोग अभी अमन शांति बनाए

रखें। मैं जनता से अपील करता हूं कि पुलिस अपना काम कर रही है पुलिस आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नागपुर हिंसा पर कहा, कल नागपुर में जो घटना हुई वह दुर्भाग्यपूर्ण है। जो आगजनी हुई, जिसमें 2-4 हज़ार लोग एकत्र हुए और कई घरों को निशाना बनाया, पथराव किया, ▶10 पर

नागपुर हिंसा पर तेज हुई सियासत

नितेश राणे ने अबू आज़मी को ठहराया जिम्मेदार

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को भाजपा शासित महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद का फायदा उठाकर विकास संबंधी अपनी

उद्धव ने बीजेपी के हिंदुत्व के दावों को दी चुनौती

उपलब्धियों से लोगों का ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के निष्क्रिय रहने के फैसले पर सवाल उठाया और कहा कि जब उनके पास ताकत है तो वे कब्र को हटाने में असमर्थ हैं। ठाकरे ने भाजपा के हिंदुत्व के रुख पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि ▶10 पर

जॉर्ज सोरोस की ओएसएफ पर ईडी का बड़ा एक्शन

बेंगलुरु में छापेमारी, फेमा उल्लंघन का सनसनीखेज खुलासा..!

नई दिल्ली/बेंगलुरु, 18 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस की संस्था ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) के बेंगलुरु स्थित कार्यालयों और कई संबद्ध संस्थाओं पर छापेमारी की है।

यह छापेमारी विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (फेमा) कानून के उल्लंघन से संबंधित जांच के सिलसिले में की गई है। फिलहाल ईडी ओएसएफ और कुछ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के परिसरों की तलाशी ले रही है।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ईडी की तलाशी में ओएसएफ के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन भी शामिल हैं। ईडी की यह जांच इस आरोप पर केंद्रित है कि ओएसएफ ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल करके कई संगठनों को फंडिंग की, जिससे फेमा कानून के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन हुआ। ईडी की यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा विनियमन के कथित उल्लंघन की जांच का भी हिस्सा है। हालांकि, अभी तक ईडी की कार्रवाई पर ओएसएफ ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

उल्लेखनीय है कि हंगरी मूल के अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और उनके संगठन ओएसएफ पर भारत के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है।

अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में भी जॉर्ज सोरोस की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। जॉर्ज सोरोस ने साल 1999 में ओएसएफ की शुरुआत की थी।

दुश्मनों की नींद उड़ी

भारतीय नौसेना की ताकत में होगा इजाफा

कोलकाता, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना को जल्द ही दो और आधुनिक युद्धपोत मिलने वाले हैं। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट

आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस अंद्रोथ ने पास किया कठिन टेस्ट

आईएनएस हिमगिरि और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अंद्रोथ का समुद्री परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा की है। दोनों युद्धपोतों ने तीन मार्च को कॉन्ट्रैक्टर सी ट्रायल (सीएसटी) पूरा किया, जो किसी भी जहाज के निर्माण की अंतिम प्रक्रिया मानी जाती है।

आईएनएस हिमगिरि, प्रोजेक्ट 17-ए के तहत बनाए जा रहे युद्धपोतों में से एक है। ▶10 पर

मणिपुर के लिए 51,463 करोड़ का बजट पास

वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- पटरी पर लाएंगे व्यवस्था

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। संसद ने मंगलवार को मणिपुर के बजट और राज्य से संबंधित अनुदान की अनुपूरक मांगों को मंजूरी दे दी है। इसमें चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 51,463 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर का बजट शामिल है। मणिपुर में वर्तमान में राष्ट्रपति शासन लागू है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के राज्यसभा में इन पर चर्चा और जवाब के बाद इन्हें ध्वनिमत से पारित कर लोकसभा को लौटा दिया। संसद ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1,291 करोड़ रुपये की अतिरिक्त अनुदान मांगों और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में मणिपुर के लिए 1,861 करोड़ रुपये की अनुपूरक अनुदान मांगों को भी मंजूरी दी। इसके साथ राज्यसभा ने चार विधेयकों को लोकसभा को वापस भेज दिया है। सीतारमण के चार विधेयकों पर चर्चा के जवाब के बाद राज्यसभा ने विनियोग विधेयक, 2025; विनियोग (सं. 2) विधेयक, 2025; मणिपुर विनियोग (लेखानुदान) विधेयक, 2025; और मणिपुर विनियोग विधेयक, 2025 को वापस कर दिया। लोकसभा ने पिछले हफ्ते ही 11 मार्च को अनुदानों की अनुपूरक मांगों और मणिपुर बजट 2025-26 को पारित कर दिया था।

वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान सदन को बताया कि अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच में सरकार द्वारा मांगे गए सकल अतिरिक्त व्यय की राशि 6.78 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें से 6.27 लाख करोड़ रुपये बचत और प्राप्तियों से पूरा किया जाएगा। अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सरकार द्वारा शुद्ध अतिरिक्त व्यय 51,462.86 करोड़ रुपये होगा।

उन्होंने बताया कि अनुदान की मांगों में 5.54 लाख करोड़ रुपये का तकनीकी अनुपूरक शामिल है, जो कर्ज की अदायगी के लिए जाता है। मणिपुर बजट में कुल 35,368 करोड़ रुपये की प्राप्तियां हैं, जबकि कुल व्यय 35,104 करोड़ रुपये अनुमानित है। राज्य का अपना कर करीब 2,634 करोड़ रुपये और गैर-कर लगभग 400 करोड़ रुपये है। यह एक लेखानुदान है, जिसमें 6 महीने का समय मांगा गया है और इस स्तर पर 17,947 करोड़ रुपये की राशि मांगी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि लेखानुदान में मणिपुर के लिए आकस्मिक ▶10 पर

दिहुली नरसंहार में 4 दशक बाद आया मैनपुरी कोर्ट का फैसला

3 दोषियों को फांसी की सजा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। न्याय के लिए 44 साल के इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक विशेष डकैती अदालत ने सनसनीखेज डिहुली गांव नरसंहार मामले में तीन दोषियों को मौत की सजा सुनाई, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित 24 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जबकि एक दोषी फरार है, पुलिस हिरासत में दो अन्य आज पहले अदालत में पेश हुए, और खुद को निर्दोष बताया। कथित तौर पर, 18 नवंबर 1981 की दुर्भाग्यपूर्ण शाम को, फिरोजाबाद के जसराना थाना क्षेत्र के अंतर्गत डिहुली गांव की एससी कॉलोनी में सशस्त्र बदमाशों के एक समूह ने धावा बोल दिया और घरों में मौजूद पुरुषों, महिलाओं और यहां तक कि बच्चों पर गोलियां चला दीं। गोलीबारी तीन घंटे तक लगातार जारी रही, जिसमें 23 लोग मौके पर ही मारे गए। एक अन्य पीड़ित ने फिरोजाबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हत्याकांड के बाद स्थानीय निवासी लायक सिंह ने 19 नवंबर को जसराना थाने में तहरीर देकर राधेश्याम उर्फ राधे, संतोष चौहान उर्फ संतोषा, रामसेवक, रविंद्र सिंह, रामपाल सिंह, वेदराम सिंह, मिठ्ठू, भूपराम, मानिक चंद्र, लटूरी, राम सिंह, चुन्नीलाल, होरीलाल, सोनपाल, लायक सिंह, बनवारी, जगदीश, रेवती देवी, फूल देवी, कप्तान सिंह, कमरुद्दीन, श्यामवीर, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 23^0

गाजा में 400 से अधिक लोगों की मौत, इजरायली हमलों ने मचाई तबाही

गाजा, 18 मार्च (एजेंसियां)। गाजा में इजरायली हवाई हमलों ने भारी तबाही मचाई है। घातक बमबारी में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इस बीच इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) और इजरायल सुरक्षा एजेंसी (शिन बेट) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि गाजा पट्टी में आतंकवादी ठिकानों पर उनके हमले जारी है। यहूदी राष्ट्र की इस मिलिट्री कार्रवाई से युद्धविराम समझौते के पूरी तरह टूटने का खतरा पैदा हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजा के हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक एक दिन में सबसे बड़ी संख्या में 404 लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय ने कहा कि मरने वालों में कई बच्चे शामिल हैं। हमलों में 562 लोग घायल हुए हैं। हमलें शुरू होने के बाद आईडीएफ ने नए निकासी आदेश जारी किए। लोगों को बेत हनून, खुज़ा, और अबासन अल-कबीरा और अल-जदीदा के क्षेत्रों को छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। एक आईडीएफ प्रवक्ता ने एक्स पर कहा, उन्हें पश्चिमी गाजा शहर और खान यूनिस में शेल्टर में तुरंत चले जाना चाहिए। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजरायल हमास के खिलाफ सैन्य ताकत बढ़ाकर कार्रवाई करेगा।' बयान में उस पर बंधकों को रिहा करने से इनकार करने और युद्धविराम को आगे बढ़ाने के प्रस्तावों को अस्वीकार करने का आरोप लगाया।वहीं हमास ने इजरायल पर रक्षाहीन नागरिकों पर हमला करने का आरोप लगाया। फिलिस्तीनी ग्रुप ने कहा कि मध्यस्थों को युद्धविराम का उल्लंघन करने और उसे पलटने' के लिए इजरायल को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चश्मदीदों ने बताया कि हवाई हमलों में गाजा पट्टी के उत्तर से दक्षिण तक के नागरिकों के घर और शिविरों को नुकसान पहुंचा और इजरायली टैंकों ने सीमा रेखा पार कर क्षेत्र में गोलाबारी की। ▶10 पर

आखिरकार अंतरिक्ष से पृथ्वी के लिए रवाना हुईं सुनीता विलियम्स

पीएम मोदी ने पत्र लिख भारत आने का दिया न्योता

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। अंतरिक्ष वैज्ञानिक सुनीता विलियम्स 9 महीने के बाद धरती पर वापस होने के लिए रवाना हो चुकी हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक पत्र सामने आया है। यह पत्र उन्होंने विलियम्स को 1 मार्च, 2025 को लिखा था। इस पत्र में पीएम मोदी ने सुनीता विलियम्स को भारत की शानदार बेटियों में से एक बताया। यह पत्र पीएमओ में मंत्री जितेन्द्र सिंह ने साझा किया है।

पीएम मोदी ने अपने पत्र में लिखा, मैं आपको भारत के लोगों की ओर से शुभकामनाएँ देता हूँ। आज एक कार्यक्रम में मेरी मुलाकात प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री श्री माइक मैसिमिनो से हुई। हमारी बातचीत के दौरान आपका नाम आया और हमने चर्चा की कि हमें आप पर और आपके काम पर कितना गर्व है। इस बातचीत के बाद, मैं खुद को आपको पत्र लिखने से नहीं रोक पाया।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में नहीं रुक रहे हमले 24 घंटे में छह आतंकी ढेर, एक पुलिसकर्मी की मौत

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकी हमले नहीं रुक रहे। पिछले 24 घंटों में ऐसे ही एक हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और छह आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने बन्नू में मीरामशाह रोड पर हेड कांस्टेबल अरमान खान को निशाना बनाया। पुलिसकर्मी न्यायिक परिसर में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था।

खबर में यह भी बताया गया है कि लक्की मरवात पुलिस ने रविवार देर रात सेराई गाम्बिला कस्बे में एक पुलिस स्टेशन पर हुए आतंकवादी हमले को विफल कर दिया। आतंकवादियों से करीब 15 मिनट तक चली मुठभेड़ में सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। पुलिस ने दो दिन के अभियान के बाद कुर्रम पार इलाके में आतंकवादियों के पहाड़ी ठिकानों को नष्ट करने का दावा किया है। आतंकवादियों ने दादिवाला पुलिस स्टेशन और अब्बास खट्टक पुलिस चौकी पर हमला किया था। इसके बाद यह अभियान शुरू किया गया। इस दौरान भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। इसके अलावा पुलिस और सीटीडी कमांडो ने बन्नू में मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में एक पुलिस कर्मचारी अरमान खान की जान चली गई। पुलिस के अनुसार पेशावर के पास चमकनी इलाके में हुए एक हमले में एएसआई तारिक खान घायल हो गया। खान को अस्पताल ले जाया गया है। वह स्कूल ऑफ इन्वेस्टिगेशन मेरा कचोरी में तैनात थे। सेना ने कहा कि सोमवार को खैबर जिले में सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी में तीन आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों ने तीनों को तोर दर्रा इलाके में ढेर कर दिया। इसके अलावा सोमवार को ही खुजदार में सिटी पुलिस स्टेशन के एसएचओ अब्दुल कादिर शेख के घर पर किए गए ग्रेनेड हमले में उनके परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में मोस्ट वांटेड एमएस-13 गिरोह का सरगना रोमन-बार्डेल्स मेक्सिको में पकड़ा गया

मैक्सिको सिटी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के 10 सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल फ्रांसिस्को जेवियर रोमन-बार्डेल्स को मैक्सिको में गिरफ्तार किया गया है। एमएस-13 गिरोह के कथित सरगना फ्रांसिस्को जेवियर रोमन-बार्डेल्स को वेटरनो डी ट्राइबस के नाम से भी जाना जाता है। वह संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और अल साल्वाडोर में गिरोह की आपराधिक गतिविधियों के लिए जिम्मेदार हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार मैक्सिको के अधिकारियों ने दो दिसंबर, 1977 को जन्मे फ्रांसिस्को जेवियर रोमन-बार्डेल्स को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। उसका नाम एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में है। एफबीआई ने उसकी सूचना देने वाले को 250,000 डॉलर का इनाम घोषित किया था। अटॉर्नी जनरल, राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय और नेशनल गार्ड के संयुक्त बयान के अनुसार रोमन-बार्डेल्स को वेराक्रूज में टेओसेलो-बैक्सटला राजमार्ग पर गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों का कहना है कि उसे जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया जाएगा। एफबीआई के अनुसार रोमान-बार्डेल्स का गिरोह कथित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और अल साल्वाडोर में आपराधिक गतिविधियों में शामिल है। वह नशीली दवाओं का बड़ा आपूर्तिकर्ता है। वह जबरन वसूली भी करता है। रोमन-बार्डेल्स पर अमेरिका में आतंकवादियों संसाधन प्रदान करने और उन्हें संरक्षण देने का आरोप है। अमेरिका में एमएस-13 गिरोह को एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया है।

काठमांडू से चीन भेजे जा रहे 25 करोड़ के अमेरिकी डॉलर और यूरो बरामद

काठमांडू। नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने काठमांडू से चीन भेजी जा रही 25 करोड़ की अमेरिकी और यूरो रकम बरामद की है। इस संबंध में पुलिस ने कंटेनर चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। नेपाल पुलिस की क्राइम ब्रांच ने काठमांडू से करूंग़ की तरफ जा रहे एक कंटेनर की जांच के बाद अमेरिकी डॉलर, यूरो और भारी मात्रा में नेपाली करेंसी बरामद किया गया है। काठमांडू क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने इस बारे में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कंटेनर की जांच करने पर इतने बड़े पैमाने पर रकम बरामद हुई है। एसएसपी बस्नेत के मुताबिक कंटेनर में रखी रकम की गिनती के लिए नोट गिनने वाली मशीनें मांगनी पड़ी। ना. 1 ख 1632 नम्बर के नेपाली कंटेनर से 3,20,385 अमेरिकी डॉलर, 13,75,000 यूरो बरामद किए जाने की जानकारी एसएपी बस्नेत ने दी है। नेपाली नोटों की गिनती की जा रही है। उन्होंने बताया कि विदेशी मुद्रा की नेपाली कीमत 25 करोड़ 21 लाख 44 हजार रुपये है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने अब तक गिरफ्तार लोगों की पहचान नहीं बताई है। एसएसपी बस्नेत ने कहा कि पूछताछ जारी है और इतनी बड़ी रकम काठमांडू से चीन की तरफ भेजने के पीछे की कारणों का पता लगाया जा रहा है।

डोमिनिकन में लापता भारतीय मूल की अमेरिकी छात्रा को मृत घोषित करने की अपील

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी छात्रा सुदीक्षा कोनांकी के माता-पिता ने डोमिनिकन गणराज्य की पुलिस से अनुरोध किया है कि उनकी बेटी को मृत घोषित कर दिया जाए। दरअसल सुदीक्षा पिछले हफ्ते गुरुवार, 6 मार्च से लापता है और माना जा रहा है कि उसकी समुद्र में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सुदीक्षा को आखिरी बार पुंटा काना के रिउ रिपब्लिक रिसॉर्ट में देखा गया था। जांच में शामिल तीन अधिकारियों ने बताया कि 5 मार्च को वह अपने छह दोस्तों के साथ समुद्र तट पर टहल रही थी। माना जा रहा है कि वह रात को समुद्र में तैरने गई और डूब गई। हालांकि, अब तक उसका शव बरामद नहीं हुआ है, लेकिन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इसे देखते हुए अब परिवार ने पुलिस से अनुरोध किया है कि वे कानूनी प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाते हुए सुदीक्षा को आधिकारिक रूप से मृत घोषित करें ताकि वे आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर सकें। पुलिस अब भी मामले की जांच कर रही है और संभावित साक्ष्यों की तलाश जारी है।

अफगान शरणार्थी : पाकिस्तान ने निर्वासन की समयसीमा बढ़ाने का काबुल का अनुरोध ठुकराया

इस्लामाबाद, 18 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के निर्वासन की समय सीमा बढ़ाने के अफगान तालिबान के अनुरोध को खारिज कर दिया। इस्लामाबाद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह 1 अप्रैल से सभी अवैध और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को निर्वासित करने की योजना के साथ आगे बढ़ेगा।

7 मार्च को घोषित एक प्रमुख नीतिगत निर्णय में, पाकिस्तान सरकार ने कहा था कि देश में अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) रखने वाले सभी अफगान नागरिकों को देश छोड़ना होगा या निर्वासन का सामना करना होगा क्योंकि 31 मार्च के बाद उन्हें अवैध विदेशी माना जाएगा।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा, अवैध विदेशियों के प्रत्यावर्तन कार्यक्रम (आईएफआरपी) को 1 नवंबर, 2023 से लागू किया गया है। सभी अवैध विदेशियों को वापस भेजने के सरकार के फैसले के क्रम में, राष्ट्रीय नेतृत्व ने अब एसीसी धारकों को भी वापस भेजने का फैसला किया है।

बयान में कहा गया, सभी अवैध विदेशियों और एसीसी धारकों को 31 मार्च, 2025 से पहले स्वेच्छा से देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। इसके बाद, 1 अप्रैल, 2025 से निर्वासन शुरू हो जाएगा।

शहबाज शरीफ सरकार के इस फैसले से 8,00,000 से अधिक एसीसी धारक अफगान नागरिकों का भाग्य खतरे में पड़ गया है।

सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान ने अफगान तालिबान को सूचित कर दिया है कि उसका फैसला अंतिम है और इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने संबंधित अधिकारियों और सभी प्रांतों को अफगान शरणार्थियों की वापसी की व्यवस्था करने का निर्देश दे चुकी है।

पाकिस्तान ने नवंबर 2023 से शुरू किए गए अपने प्रत्यावर्तन अभियान के तहत पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे 8,00,000 से अधिक अफगान नागरिकों को पहले ही निर्वासित कर दिया है।

सरकार का दावा है कि पाकिस्तान में लगभग 1.7 मिलियन अवैध लोग रह रहे हैं, जिनमें से अधिकांश अफगान हैं।

अफगान तालिबान ने सैंकड़ों हजारों अफगानों को वापस भेजने के एकतरफा फैसले के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और इस्लामाबाद से अपनी नीति की समीक्षा करने की अपील की जिसे शरीफ सरकार ने खारिज कर दिया।

शुरुआती चरण में, केवल उन अफगानों को निर्वासित किया गया, जिनके पास पाकिस्तान में कोई कानूनी दर्जा नहीं था।

लेकिन अब, इस्लामाबाद ने कहा है कि वह एसीसी धारकों सहित सभी अफगानों को निर्वासित करना शुरू कर देगा।

आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में कम से कम तीन मिलियन अफगान नागरिक रहते हैं।

नेपाल में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह की आंदोलन समिति में शामिल किए गए कई नेता हुए अलग

काठमांडू, 18 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल में आमजन की राजतंत्र की पुनर्बहाली की मांग के बीच पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने सोमवार को एक आंदोलन समिति का गठन किया। समिति की बागडोर राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के बहुत पुराने नेता नवराज सुवेदी को सौंपी गई। इसमें कई नेताओं को भी शामिल किया गया। इनमें से कइयों ने एक दिन बाद ही खुद को समिति से अलग कर लिया।

इस समिति में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन, राप्रपा नेपाल के अध्यक्ष कमल थापा, विश्व हिंदू महासंघ की अध्यक्ष अस्मिता भंडारी, राप्रपा के वरिष्ठ नेता पशुपति शमशेर राणा, केशर बहादुर विष्ट, धवल शमशेर राणा, पूर्व पत्रकार रमा सिंह तथा राजसंस्था पुनर्स्थापना राष्ट्रीय अभियान के संयोजक दुर्गा प्रसाई को सदस्य बनाया गया है। साथ ही राप्रपा के उपाध्यक्ष रवीन्द्र मिश्र को सदस्य सचिव बनाने की घोषणा की गई।

राप्रपा के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन और राप्रपा नेपाल के अध्यक्ष कमल थापा ने ही खुद को समिति से अलग करने की घोषणा की है। लिंगदेन का कहना है कि न तो उनसे विचार-विमर्श किया गया और न ही उन्हें समिति में रखने पर उनकी सहमति ली गई। कुछ ऐसी ही बात कमल थापा ने की है। मगर थापा ने कहा कि वह इस अभियान का समर्थन करेंगे। केशर बहादुर विष्ट ने भी बयान जारी कर समिति में रहने से इनकार कर दिया है। हालांकि उन्होंने भी इस अभियान का समर्थन किया है।।

सदस्य सचिव बनाए गए रवीन्द्र मिश्र ने कहा कि पूर्व राजा को इस राजनीति में सीधे नहीं पड़ना चाहिए था। मिश्र का मानना है कि जब पूरी राप्रपा पार्टी इस आंदोलन का नेतृत्व कर रही थी तो ऐसे में किसी एक व्यक्ति को आंदोलन का नेतृत्व देकर पार्टी के प्रमुखों को उसके नीचे सदस्य बनाने से आंदोलन विवादित हो गया है और इसका प्रभाव आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

दुर्घटनग्रस्त विमान के समुद्र में गिरा

होंडुरास में एक छोटे विमान के समुद्र में दुर्घटनग्रस्त होने के बाद पुलिस अधिकारी और राहत टीम के सदस्य बचाव का काम करते हुए।

भारत से नेपाल को बिजली आपूर्ति में कमी, 8-10 घंटों की हो रही है कटौती

काठमांडू, 18 मार्च (एजेंसियां)।

भारत की तरफ से नेपाल को आपूर्ति की जाने वाली बिजली में कमी के कारण देशभर में 8-10 घंटों की बिजली कटौती शुरू हो गई है, जिसका सबसे अधिक असर उद्योग कल कारखानों पर दिखाई दे रहा है। भारत की तरफ से रविवार से ही बिजली की सप्लाई को कम कर दी गई है। इस समय भारत से सिर्फ दिन में ही बिजली की सप्लाई की जा रही है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग ने मंगलवार को कहा कि भारत की तरफ से इस समय सिर्फ सुबह 6 बजे से शाम को 6 बजे तक ही बिजली की आपूर्ति हो रही है, जिसके कारण नेपाल में 8-10 घंटे तक की बिजली कटौती शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत से सिर्फ 654 मेगावाट तक अपनी बिजली आपूर्ति हो रही है। घीसिंग ने कहा कि भारत में गर्मी का महीना शुरू होने के साथ ही पीक आवर में बिजली की सप्लाई बंद कर दी गई है। नेपाल में सर्दी के मौसम में बिजली का उत्पादन बिलकुल ही कम हो जाता है और हर वर्ष नवंबर से लेकर अप्रैल तक बिजली के लिए भारत पर निर्भर रहना पड़ता है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग ने कहा कि भारत के एनर्जी एक्सचेंज बोर्ड से

लगातार बातचीत हो रही है और नेपाल में पीक आवर यानि शाम को 6 बजे से सुबह 6 बजे तक कुछ और बिजली के आयात के लिए अनुरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच राजनीतिक संबंधों का असर भी एक कारण है। घीसिंग ने सरकार पर समय पर ही इसके राजनीतिक समाधान के लिए प्रयास नहीं किए जाने के कारण भी बिजली कटौती करने पर मजबूर होने की बात कही। ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने कहा कि बिजली के आयात को लेकर वो भारतीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से संपर्क करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार से राजनीतिक स्तर पर बातचीत कर इस मामले को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है।

सीरिया और लेबनान 10 लोगों की जान जाने के बाद संघर्ष विराम पर सहमत

दमिश्क, 18 मार्च (एजेंसियां)।

सीरिया और लेबनान गोलीबारी में 10 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा के घायल होने के बाद अंततः संघर्ष विराम पर सहमत हो गए। दोनों देश आपसी सहयोग बढ़ाने पर भी राजी हुए हैं। यह समझौता बेरूत और दमिश्क के बीच तनाव बढ़ने के बाद हुआ है।

सीएनएन की सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी साना के हवाले से दी गई खबर के अनुसार, सीमा पार से हुए हमलों में 10 लोगों की मौत और 50 से अधिक लोगों के घायल होने के बाद सीरिया और लेबनान के रक्षामंत्रियों ने सोमवार को संघर्ष विराम पर सहमति जताई।

इसके अलावा दोनों देशों के अधिकारियों ने अपने देशों के बीच समन्वय और सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति जताई। यह समझौता लेबनान और सीरिया की नई इस्लामिस्ट नेतृत्व वाली सरकार के बीच तनाव बढ़ने के बाद हुआ है। दोनों देशों की सरकारों के अनुसार, पिछले दो दिनों में सीमा पार से हुए हमलों में तीन सीरियाई

और सात लेबनानी मारे गए हैं, जबकि लेबनान की तरफ से 52 लोग घायल हुए हैं।

लेबनान की सेना के अनुसार, सोमवार को सीरिया ने उत्तरी लेबनान के कसर शहर में तीन सीरियाई लोगों की मौत के बाद सीमा पर लेबनान के गांवों पर गोलाबारी की। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने कहा कि सीरियाई गोलाबारी ने कसर को भी निशाना बनाया। रविवार को सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने ईरान समर्थित लेबनानी समूह हिजबुल्लाह पर सीरियाई क्षेत्र से तीन सीरियाई सैनिकों का अपहरण करने का आरोप लगाया था। साना के अनुसार उन्हें लेबनानी क्षेत्र में ले जाया गया और मौके पर ही मार दिया गया।

इसके अलावा सीरिया-लेबनान सीमा पर एक फोटोग्राफर और रिपोर्टर हिजबुल्लाह की मिसाइल से घायल हो गए। लेबनान की सेना ने कहा कि सीमा पर दो सीरियाई मारे गए और एक अन्य की अस्पताल में मौत हो गई, और तीनों शव सीरिया को सौंप दिए गए। लेबनान की राज्य समाचार एजेंसी एनएनए ने बताया कि हिजबुल्लाह ने सीमा पर संघर्ष में शामिल होने से इनकार किया है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि सीरिया के साथ देश की सीमा पर तनाव नहीं होना चाहिए। सीरिया के नेता अहमद अल-शरा ने बार-बार कहा है कि वह अपने पड़ोसियों के साथ स्थिरता बनाए रखना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि सीरिया की नई सरकार का नेतृत्व पूर्व सुन्नी-इस्लामी उग्रवादी कर रहे हैं। इन लोगों ने पिछले साल के अंत में ईरान सहयोगी बशर अल-असद के शासन का अंतकर राज करना शुरू कर दिया है। शिया हिजबुल्लाह ने सीरिया में हस्तक्षेप किया था ताकि असद को सुन्नी उग्रवादियों से लड़ने में मदद मिल सके।

शेयर बाजार में प्रभावित निवेशकों को राहत देने के लिए कदम उठाये सरकार: प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)।

पीठासीन : उपसभापति, श्री हरिवंश

शेयर बाजार में अप्रत्याशित गिरावट का मुद्दा मंगलवार को राज्यसभा में उठा और सरकार से बुरी तरह प्रभावित छोटे निवेशकों को राहत पहुंचाने के लिए हस्तक्षेप करने तथा कदम उठाने की मांग की गयी।

कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने शून्यकाल के दौरान सदन में यह विषय रखते हुए कहा कि शेयर बाजार में अप्रत्याशित गिरावट से 95 लाख करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों को अब भारतीय बाजार पसंद नहीं आ रहा है और उन्होंने भारी मात्रा में अपना पैसा निकाल लिया है । इससे भारतीय बाजार में 12 प्रतिशत की गिरावट आयी है और सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अधिक प्रभाव छोटे निवेशकों पर हो रहा है। देश में आर्थिक मंदी की चिंता के कारण लोग आशंकित हैं ।

उन्होंने कहा कि अनेक छोटे निवेशकों ने एसआईपी बंद कर दी है। उन्होंने मांग की कि सरकार को इन लोगों को राहत पहुंचाने के लिए कदम उठाने चाहिए।

कांग्रेस के ही इमरान प्रतापगढी ने मुंबई में हज हाऊस में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा के लिए कोचिंग सेंटर को फिर से शुरू करने की मांग की। यह कोचिंग सेंटर अल्पसंख्यकों , अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए यूपीए के कार्यकाल में शुरू किया गया था। इस सेंटर को कोरोना के समय बंद कर दिया गया था। यह सेंटर हाजियों के पंजीकरण से मिलने वाली राशि से चलाया जाता है।

राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढाये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ये कार्यकर्ता सरकारों की स्वास्थ्य योजनाओं को देश भर में चलाने में मदद कर रही हैं। उन्होंने इनका मानदेय कम से कम 21 हजार रूपये प्रति महीने हर राज्य में किये जाने की मांग की। उन्होंने संसद की स्थायी समिति ने भी इस संबंध में सिफारिश की थी।

तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी एन शेषन देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि श्री शेषन ने निर्वाचन आयोग को देश में एक नया आयाम दिया था और इसकी अलग छवि बनायी थी।

कांग्रेस की सोनिया गांधी ने मनरेगा योजना की उपेक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने चरणबद्ध तरीके से इस योजना को कमतर कर दिया है और इसका बजट 86 हजार करोड रूपये पर स्थिर है। उन्होंने कहा कि सरकार इस योजना को बढावा नहीं दे रही है जिससे इसके सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गयी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि इस योजना के लिए पर्याप्त धन राशि की व्यवस्था की जाये। उन्होंने इस योजना के तहत प्रतिदिन की आय को 400 रूपये से बढाए जाने, समय पर भुगतान किये जाने और रोजगार के दिनों की संख्या 100 से अधिक बढाये जाने की मांग की।

भाजपा की माया नारोलिया ने मध्य प्रदेश में वन स्टोप सेंटर की संख्या बढाये जाने की मांग की। उन्होंने इन सेंटरों के बारे में महिलाओं को जागरूक तथा शिक्षित बनाये जाने की भी मांग की।

बीजू जनता दल के सस्मित पात्रा ने ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ओडिशा पिछले दो दशक से यह न्यायोचित मांग कर रहा है लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। केन्द्र सरकार ओडिशा के संसाधनों का फायदा उठा रही है। ओडिशा देश के खजाने के लिए आपदाओं का सामना कर बलिदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह मांग केन्द्र सरकार की सहकारी संघवाद की प्रतिबद्धता के तहत की जा रही है।

भाकपा के संदोष कुमार पी ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कर्मचारियों की कमी और उनके वेतन तथा सेवा शर्तों का विषय उठाया। उन्होंने कहा कि बैंकों ने अगले कुछ दिनों में हड़ताल करने का आह्वान किया है। उन्होंने वित्त मंत्री से बैंक कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने की मांग की।

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने विमानन क्षेत्र की उडान योजना का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लोगों को इसका फायदा नहीं मिल रहा। उन्होंने विमान यात्रा को बेहद महंगी बताते हुए कहा कि आम आदमी विमान में सफर करने से हिचकिचा रहा है। उन्होंने यात्रा के दौरान मिलने सुविधाओं में कमी का भी मुद्दा उठाया।

इससे पहले सभापति ने आम आदमी पार्टी के संजय सिंह के डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र के विषय पर और तृणमूल कांग्रेस के सामिक भट्टाचार्य के प्रधानमंत्री आदिवासी योजना पर नियम 267 के तहत चर्चा करने नोटिसों को नियमों के अनुरूप नहीं पाये जाने पर अस्वीकार कर दिया।

जयशंकर ने रायसीना डॉयलाग के दूसरे दिन पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रायसीना डॉयलाग के दूसरे दिन पाकिस्तान का बिना नाम लिए जमकर निशाना साधा। उन्होंने सबसे पहले पीओके का जिक्र किया और बताया कि कैसे कुछ बड़े देशों ने पाकिस्तान की ओर से किए गए आक्रमण को विवाद में बदल दिया। जयशंकर ने कहा कि हम सभी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की बात करते हैं। हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि ये एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। ये वैश्विक नियमों का आधार है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी अन्य देश द्वारा सबसे लंबे समय तक चलने वाला अवैध मैं कहूंगा कि उपस्थिति किसी क्षेत्र पर कब्जा भारत से संबंधित है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि हमने कश्मीर में जो देखा है। हम संयुक्त राष्ट्र तक गए। जो आक्रमण था उसे विवाद में बदल दिया गया। हमलावर और पीड़ित को बराबर रखा गया। एस जयशंकर ने सवाल उठाते हुए पूछा कि इसके दोषी कौन थे? ब्रिटेन, कनाडा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका। एस जयशंकर ने माफी के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि उस पुराने आदेश पर मेरे पास कुछ सवाल हैं। अब, मैं आपको और भी बहुत कुछ बता सकता हूँ। आज हम राजनीतिक हस्तक्षेप की बात कर रहे हैं। जब पश्चिम दूसरे देशों में जाता है, तो जाहिर तौर पर यह लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की दृढ़ता के लिए होता है। जब दूसरे देश पश्चिम में आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनका इरादा बहुत ही बुरा है। एक मजबूत और निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र का आह्वान करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा इसलिए मुझे लगता है कि हमें एक व्यवस्था की आवश्यकता है, निष्पक्षता होनी चाहिए। हमें एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है, लेकिन एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र के लिए एक निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता होती है।

जब उनसे उनकी पिछली टिप्पणियों के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था, यदि आपके पास कोई व्यवस्था नहीं है, तो आप एक बहुत ही अराजक दुनिया को देख रहे हैं, तो जयशंकर ने जवाब दिया, देखिए, मुझे लगता है कि हमें एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आवश्यकता है, जैसे हमें एक घरेलू व्यवस्था की आवश्यकता है। जैसे आपको किसी देश में समाज की आवश्यकता होती है, वैसे ही आपको उसका एक अंतरराष्ट्रीय संस्करण भी चाहिए और अगर कोई व्यवस्था नहीं होगी तो केवल बड़े देशों को ही लाभ नहीं होगा। मैं तर्क दूंगा कि कोई भी देश जो जोखिम उठाएगा, जो चरमपंथी रुख अपनाएगा, जो व्यवस्था का परीक्षण करेगा, वास्तव में अव्यवस्था का अपने लाभ के लिए उपयोग करेगा। मेरा मतलब है कि हमने अपने पड़ोस में देखा है। जोखिम भरा देश बनने के लिए आपको एक बड़े देश की आवश्यकता नहीं है। मेरे छोटे पड़ोसी हैं जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसलिए, सबसे पहले, हम सभी को एक व्यवस्था के महत्व को समझना चाहिए।

नीदरलैंड के साथ रक्षा साझेदारी बढ़ाने के लिए तत्पर है भारत: राजनाथ

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत नीदरलैंड के साथ रक्षा साझेदारी को और अधिक बढ़ाने के लिए तत्पर है।

श्री सिंह ने मंगलवार को यहां नीदरलैंड के रक्षा मंत्री रूबेन ब्रेकेलमैन्स के साथ बैठक के बाद यह बात कही।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा , नई दिल्ली में नीदरलैंड के युवा और गतिशील रक्षा मंत्री रूबेन बर्केलमैन्स से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमने भारत-नीदरलैंड रक्षा सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की। हम अपनी रक्षा साझेदारी को और भी गहरा और उन्नत करने के लिए तत्पर हैं। हमारी चर्चा के क्षेत्रों में रक्षा, साइबर सुरक्षा, इंडो-पैसिफिक और एआई जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ शामिल थीं। इस बीच रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों रक्षा मंत्रियों ने रक्षा, सुरक्षा, सूचना आदान-प्रदान, हिन्द प्रशांत और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने जहाज निर्माण, उपकरण और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जिससे दोनों देशों के कौशल, प्रौद्योगिकी और मानकों को एक दूसरे का पूरक बनाया जा सके। उन्होंने संबंधित रक्षा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थानों और संगठनों को जोड़ने के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और संबंधित प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर भी चर्चा की।

पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर के क्षेत्र को खाली करे: भारत

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)।

भारत ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की बयानबाजी की मंगलवार को कड़ी आलोचना की और कहा कि पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को तुरंत खाली करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा,हमारे संज्ञान में आया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं। दुनिया जानती है कि असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सक्रिय रूप से और सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजन है।

श्री जायसवाल ने कहा कि वास्तव में, यह क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। झूठ फैलाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे के तहत भारतीय क्षेत्र को खाली करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि,पाकिस्तान के साथ शांति को बढ़ावा देने का हर प्रयास का जवाब शत्रुता और विश्वासघात के साथ मिला। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए पाकिस्तान के नेतृत्व को सद्बुद्धि आएगी।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने श्री मोदी की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और कहा,भारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणी भ्रामक और एकतरफा है। वह आसानी से जम्मू-कश्मीर विवाद को छोड़ देते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र, पाकिस्तान और कश्मीरी लोगों को भारत के गंभीर आश्वासन के बावजूद पिछले सात दशकों से अनसुलझा है।

विदेश कार्यालय ने यह भी आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तानी धरती पर परेशानी पैदा करने में शामिल है और भारत 'विदेशी क्षेत्रों में लक्षित हत्याओं, विध्वंस और आतंकवाद को अंजाम देने' में लिप्त है।

मोदी ने विशेष ओलंपिक पदक विजेता एथलीटों से की मुलाकात

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों से संसद भवन में मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। श्री मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे अपने एथलीटों पर बहुत गर्व है जिन्होंने इटली के ट्यूरिन में आयोजित विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में 33 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने संसद में भारतीय एथलीट दल से मुलाकात की और उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी। विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों के पदक विजेता एथलीटों से मुलाकात करने की फोटो साझा करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की है।

उल्लेखनीय है कि इटली के ट्यूरिन हुए विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों में भारतीय दल ने आठ स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य सहित कुल 33 पदक जीते है।

कश्मीर में जश्ने बहार : ट्यूलिप गार्डन और बादामबाड़ी गुलजार

खिलने लगे लाखों ट्यूलिप, बादाम के पेड़ों पर फूल ही फूल

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 18 मार्च।

एशिया के दूसरे नंबर के ट्यूलिप गार्डन में लाखों की संख्या में ट्यूलिप फूल खिलने लगे हैं, जिन्हें निहारने के लिए इस रविवार से पर्यटकों तथा स्थानीय लोगों की लाइन लगने वाली है। यही हालत बादामबाड़ी की है जहां बादाम के पेड़ों पर आई बहार के मौसम को कश्मीर में जश्ने बहार का मौसम कहा जाता है।

बादामबाड़ी में बादामों के पेड़ों पर फूल मार्च के शुरू में ही आने लगते हैं और ट्यूलिप गार्डन में मार्च के अंतिम सप्ताह में। दोनों ही जगह सिर्फ स्थानीय कश्मीरियों की ही नहीं बल्कि आने वाले पर्यटकों की भरमार होने लगती है। हालांकि कोरोना के दौरे के बाद जश्ने बहार को सामान्य से अधिक का तापमान भी नहीं रोक पाया है।

डल झील का इतिहास तो सदियों पुराना है। पर ट्यूलिप गार्डन का मात्र 17 साल पुराना। मात्र 17 साल में ही यह उद्यान अपनी पहचान को कश्मीर के साथ यूं जोड़ लेगा कोई सोच भी नहीं सकता था। डल झील के सामने के इलाके में सिराजबाग में बने ट्यूलिप गार्डन में ट्यूलिप की 75 से अधिक किस्में आने-जाने वालों को अपनी ओर आकर्षित किए बिना नहीं रहती हैं। यह आकर्षण ही तो है कि लोग बाग की सैर को रखी गई फीस देने में भी आनाकानी नहीं करते। पिछले साल जयपुर से आई सुनिता कहती थीं कि किसी बाग को देखने का यह चार्ज ज्यादा है पर भीतर एक बार घूमने के बाद लगता है यह तो कुछ भी नहीं है।

सिराजबाग हरवान-शालीमार और निशात चश्माशाही के बीच की जमीन पर करीब 700 कनाल एरिया में फैला हुआ है। यह तीन चरणों का प्रोजेक्ट है जिसके तहत अगले चरण में इसे 1360 और 460 कनाल भूमि और साथ में जोड़ी जानी है। शुरू-शुरू में इसे शिराजी बाग के नाम से पुकारा जाता था। असल में महाराजा के समय उद्यान विभाग के मुखिया के नाम पर ही इसका नामकरण कर दिया गया था।

एक जमाने में धूम मचाने वाला यह ऐतिहासिक बाग तकरीबन 27 साल तक सही देखरेख न मिलने के कारण अपनी साख खो चुका था, यहां तक कि उस समय की सरकार की गलत नीतियों के कारण बादामबाड़ी जो 32 वर्ष पहले 750 कनाल जमीन पर फैली थी सिमटते-सिमटते केवल 280 कनाल तक ही सीमित रह गई क्योंकि सरकार ने वहां पर तिब्बती कालोनी का निर्माण किया। इसको नए सिरे से सजाने संवारने के लिए जेके बैंक ने इसके निर्माण की जिम्मेदारी संभाली थी। वर्ष 2006 में इसका दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था। तकरीबन 280 कनाल तक फैले हुए इस बाग को बड़ों के साथ-साथ बच्चों के आकर्षण के हर सामान से सजाया गया है। जिसमें एक किमी लंबा जौगर, तकरीबन तीस मीटर ऊंचा बादाम के आकार का फव्वारा भी शामिल है। इस अवसर पर यादें ताजा करते हुए लोगों का कहना है कि बादामवाड़ी केवल एक पर्यटन स्थल ही नहीं, बल्कि इसके साथ हमारा इतिहास भी जुड़ा है। यह जगह हमारी परंपरा का प्रतीक भी है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में तैनात रहेगी सुरक्षाकर्मियों की भारी कुमुक

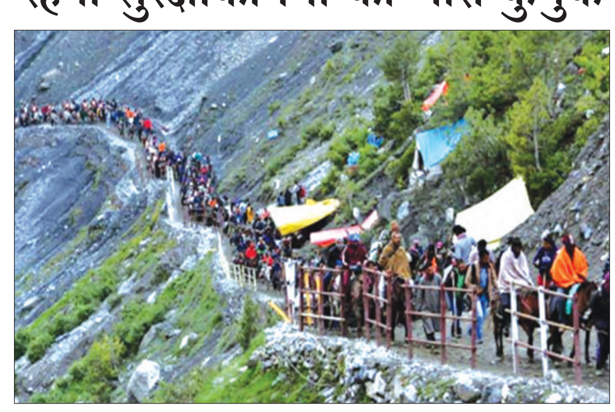

जम्मू, 18 मार्च (ब्यूरो)।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अभी तीन महीने का समय बाकी है पर जो तैयारियां की जा रही हैं, उनमें सुरक्षा का मसला सबसे बड़ा है। कश्मीर की स्थिति में सुधार के बावजूद प्रशासन अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा में कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। यही कारण है कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा की खातिर सुरक्षाकर्मियों की भारी कुमुक जुटाने की कवायद शुरू हो गई है। आधिकारिक तौर पर सुरक्षाबलों की करीब 250 कंपनियां यात्रा की सुरक्षा के लिए केंद्र से मांगी गई हैं। इनमें सीमा सुरक्षाबल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान होंगे जबकि सेना तथा राज्य पुलिस के जवानों को अतिरिक्त तौर पर तैनात किया जाएगा। अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारी कहते हैं कि इस बार अमरनाथ यात्रा में जबरदस्त भीड़ की उम्मीद है। तीन जुलाई से आरंभ होने वाली अमरनाथ यात्रा नौ अगस्त श्रावण पूर्णिमा के दिन तक चलेगी। शामिल होने वालों की कोई संख्या निर्धारित नहीं की गई है। भाग लेने वालों के लिए कोई शर्त भी नहीं है सिवाय स्वस्थ होने के। गैर सरकारी अनुमान के तौर पर 10 लाख से अधिक को शामिल होने का न्यौता दिया गया है।

वहीदा रहमान की पक्की सहेली थी नंदा

अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड एक्ट्रेस की, थोड़ी बड़ी हुई तो फिल्मों में बहन का किरदार मिलने लगा। इसके बाद एक हीरो ने फिल्म में इनकी परफॉरमेंस से इम्प्रेस होकर लीड किरदार ऑफर किया। इस ऑफर के बाद ऐसी पलटी किस्मत कि 60 के दशक में सबको पीछे छोड़ बन गई बॉलीवुड की सबसे मशहूर एक्ट्रेस। इतना ही नहीं ये एक्ट्रेस वहीदा रहमान की करीबी दोस्त भी थीं। बताया जाता है कि दोनों एक दूसरे के साथ बाहर घूमने-फिरने जाया करते थे।

हम बात कर रहे हैं 60 से लेकर 70 के दशक की सबसे ज्यादा कमाने वाली एक्ट्रेस नंदा की, जिन्होंने महज 5 साल की उम्र में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उनकी पहली फिल्म 1948 में आई मंदिर थी। इससे इंडस्ट्री में उन्हें 'बेबी नंदा' के नाम से जाना जाने लगा। बड़ी हुईं तो शांताराम वणकुद्रे ने उन्हें एक शादी के इवेंट में साड़ी पहने

देखा तो फिल्म तूफान और दिया (1956) ऑफर कर दी। इस फिल्म में नंदा चाइल्ड एक्ट्रेस नहीं बल्कि हीरो की बहन किरदार के लिए कास्ट की गई थीं। इसके बाद नंदा को और भी सपोर्टिंग एक्ट्रेस के ऑफर्स आने लगे।

फिल्म काला पत्थर में नंदा हीरो की बहन के किरदार में नजर आईं थी, जहां फिल्म के हीरो देव आनंद और हीरोइन वहीदा रहमान को नंदा की परफॉरमेंस बहुत पसंद आई थी। शूटिंग के बाद वाहिदा रहमान और नंदा दोस्त बन गए थे। कहा जाता है की दोनों बाहर एक साथ पानी पूरी खाने जाया करते थे। इसके अलावा काला बाजार फिल्म पूरी होने के बाद हीरो देव आनंद ने उन्हें अपनी अगली फिल्म में लीड एक्ट्रेस का रोल देने का वादा किया।

इसके बाद नंदा ने हम दोनों, चार दीवार, जब जब फूल खिले, गुमनाम और शोर जैसी सुपरहिट और यादगार फिल्मों में बतौर लीड एक्ट्रेस काम किया और बन गई थीं 60-70 के समय में इंडस्ट्री की पॉपुलर और सबसे ज्यादा कमाने वाली एक्ट्रेस।

क्रिकेट के बाद अब एक्टिंग की दुनिया में दम दिखाने आए डेविड वॉर्नर

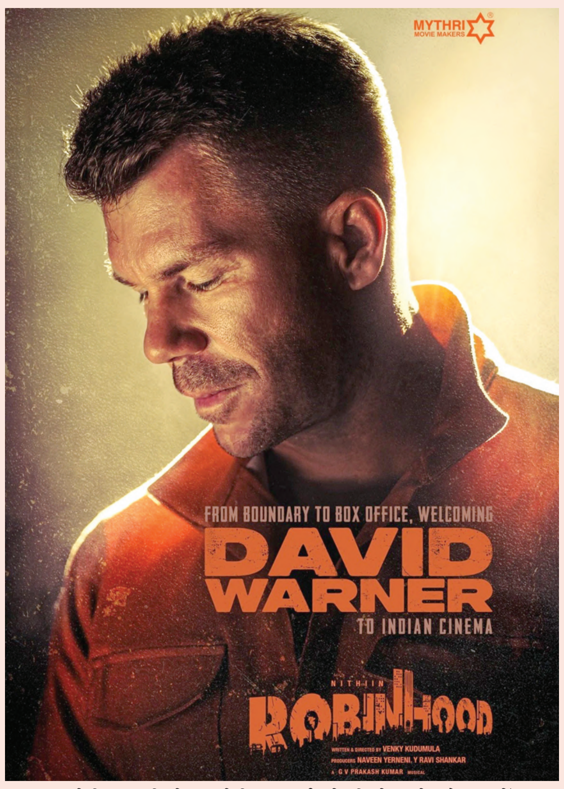

ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने क्रिकेट के मैदान में खूब चौके छक्के जड़े हैं। क्रिकेट फील्ड में दर्शकों को इंप्रेस करने के बाद डेविड वॉर्नर अब दूसरी पारी फिल्मी मैदान में शुरू करने वाले हैं। इस नई पारी के लिए डेविड वॉर्नर ने साउथ इंडियन मूवी को चुना है। वैसे भी साउथ इंडियन मूवीज का क्रेज अब सिर्फ साउथ इंडियन स्टेट तक सीमित नहीं रहा है। इन फिल्मों का जादू देश और दुनिया दोनों जगह खूब देखा जा सकता है। जिससे डेविड वॉर्नर भी नहीं बच सके हैं। साउथ इंडियन मूवी में काम करने के ऐलान के बाद अब मूवी मेकर्स ने फिल्म में उनकी पहली झलक भी रिलीज कर दी है।

मैत्री मूवीज ने अपने ट्विटर हैंडल से डेविड वॉर्नर का पहला लुक रिलीज किया है। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है कि खेल के मैदान में अपनी खास पहचान छोड़ने के बाद डेविड वॉर्नर अब सिल्वर स्क्रीन पर चमकने के लिए तैयार हैं। इंडियन सिनेमा में वो रॉबिन हुड मूवी के जरिए जबरदस्त कैमियो करने वाले हैं। ये फिल्म 28 मार्च को वर्ल्ड वाइड रिलीज होगी। इस पोस्ट में डेविड वॉर्नर का डैशिंग लुक दिख रहा है। वो ओरेंज कलर की टीशर्ट में नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे पर संजीदगी दिख रही है। मैत्री मूवीज के इस पोस्ट को 244.9 से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।

नितिन के साथ श्री लीला

इस मूवी में साउथ इंडियन इंडस्ट्री के सुपर स्टार नितिन के साथ श्री लीला भी नजर आएंगे। डेविड वॉर्नर का कैमियो किस तरह से होगा इस पर तो मेकर्स ने कोई खुलासा नहीं किया है। लेकिन ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि डेविड वॉर्नर निगेटिव रोल में दिख सकते हैं। मेकर्स ने डेविड वॉर्नर के लुक के बेहद डेशिंग रखा है। जिससे ये साफ जाहिर हो रहा है कि फिल्म मेकर्स क्रिकेट प्रेमियों को भी रिझाने का पूरा इंतजाम कर चुके हैं। फिल्म 28 मार्च 2025 को रिलीज होगी।

बाबिल खान ने बताया, वह जसलीन रॉयल संग क्यों करना चाहते थे काम

अभिनेता बाबिल खान ने बताया कि वह गायिका जसलीन रॉयल के म्यूजिक वीडियो 'दस्तूर' में काम करना चाहते थे। बाबिल ने इसके पीछे कि वजह भी बताई और रॉयल के आवाज की खूब तारीफ भी की।

दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल ने इंस्टाग्राम पर 'दस्तूर' म्यूजिक वीडियो के कुछ पलों की तस्वीरें शेयर कीं। बाबिल ने बताया कि रॉयल के साथ म्यूजिक वीडियो मिलने पर हर कोई खुश था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब जसलीन मेरे साथ म्यूजिक वीडियो करना चाहती थीं, तो हर कोई बहुत खुश था। हालांकि, वह एक स्टार हैं और मैं अभी सफर पर हूं।

उन्होंने लिखा, मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह यूट्यूब पर वीडियो बनाती थीं। मुझे उनकी आवाज पसंद है। उनके गाने सुनकर अच्छा लगता है और परेशानियां भी हल्की होती दिखती हैं। मैंने म्यूजिक वीडियो में उनके साथ काम इसलिए किया, क्योंकि जसलीन के पास ऐसी आवाज है, जो बहुत खास है। बाबिल की पोस्ट पर कमेंट करते हुए जसलीन रॉयल ने लिखा, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए शुक्रिया सुपरस्टार। यह हमेशा खास रहेगा।

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद

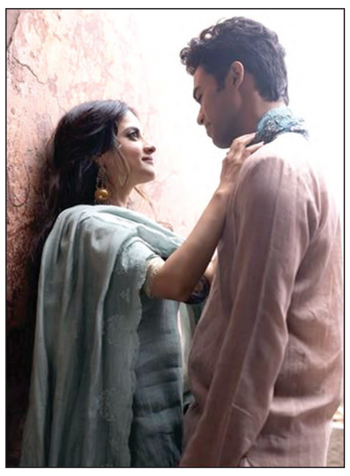

बाबिल ने बॉलीवुड फिल्म 'करीब करीब सिंगल' में कैमरा असिस्टेंट के तौर पर शुरुआत की थी। साल 2022 में उन्होंने तृप्ति डिमरी के साथ अन्विता दत्त की साइको- ड्रामा 'काला' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'फ्राइडे नाइट प्लान' में नजर आए, जिसमें उनके साथ जूही चावला हैं। इसके बाद अभिनेता भोपाल गैस त्रासदी पर आधारित सीरीज 'द रेलवे मेन' में नजर आए। सीरीज में बाबिल के साथ दिव्येंदु शर्मा, केके मेनन और आर. माधवन भी हैं। बाबिल की अपकमिंग फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ शूजित सरकार की 'द उमेश क्रॉनिकल्स है'।

अलका याग्निक का नंबर 1 फैन हुआ करता था ओसामा बिन लादेन...छापे के दौरान आतंकी के कंप्यूटर से मिले थे सबूत

मशहूर गायिका अलका याग्निक 1980-90 के दशक से अपनी आवाज से लोगों के दिलों की धड़कने बढ़ा रही हैं। अलका की आवाज में जादू है। अपनी आवाज के इसी जादू से एक्ट्रेस आज तक फैंस के दिलों पर राज करती हैं। सिंगर ने बहुत कम उम्र में अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्हें असली

पहचान माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर स्टरर फिल्म 'तेजाब' में उनके फेमस सॉन्ग 'एक दो तीन' से मिली थी। उनकी फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। अलका के फैन देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हैं। सरहद पार भी उनके गाने बड़े चाव से सुने जाते हैं। उनके फैंस की लिस्ट में एक नाम आतंकी ओसामा बिन लादेन का भी आता है। सुनकर थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन ये सच है। आतंकी के ठिकाने पर जब छापा पड़ा, तब इस बात के सबूत मिले।

ओसामा बिन लादेन था अलका का फैन

मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि ओसामा बिन लादेन अलका के गानों का फैन हुआ करता था। 2011 में उख- ने एबटाबाद में ओसामा के ठिकाने पर जब छापा मारा, तो वहां उन्हें एक कंप्यूटर भी मिला। उस कंप्यूटर में कई बॉलीवुड हिट सॉन्ग थे। उसकी प्ले लिस्ट में उदित नारायण, कुमार सानू और अलका याग्निक के गाने शामिल थे।

जब अलका याग्निक से पूछा गया सवाल

अनु रंजन के इंटरव्यू में जब अलका को बताया गया कि ओसामा बिन लादेन उनका फैन था, तो सिंगर ने इस पर रिएक्ट करते हुए शानदार जबाव दिया था। पहले अलका काफी हैरान हुईं। अनु रंजन ने उन्हें बताया कि ओसामा आपका फैन है। उसके पास आपके गानों का कलेक्शन मिला था। इस पर सिंगर ने कहा, तो क्या हुआ, इसमें मेरी क्या गलती है? ओसमा बिन लादेन जो भी हो , जैसा भी हो। उसके अंदर एक छोटा सा कलाकार तो होगा ना भई कहीं ना कहीं। पसंद है, तो अच्छा है ना।

ओसामा बिन लादेन के पास थे अलका के ये गाने

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो ओसामा बिन लादेन के कलेक्शन नें अलका के कई हिट गाने थे। उसके पास 'अजनबी मुझको इतना बता', 'दिल तेरा आशिक' और उदित नारायण का 'तू चांद है पूनम का' जैसे कई हिट गानों का कलेक्शन था।

गंदी राजनीति ने छीने कई गाने

अनु रंजन के साथ इसी इंटरव्यू में सिंगर ने बताया कि लोगों की गंदी राजनीति के कारण उनके हाथों से कई गाने चले गए। उन्होंने खुलासा किया कि कई सिंगर्स ने उनके साथ ऐसी गंदी राजनीति की है। हालांकि, उन्होंने खुलकर किसी का नाम नहीं लिया। जब तक वह किसी गाने की रिहर्सल कर रही होती थीं, तब तक उन्हें खबर मिलती थी कि किसी और दिग्गज सिंगर ने वह गाना गा दिया।

पंकज त्रिपाठी की बेटी आशी त्रिपाठी ने रंग डारो से एक्टिंग की दुनिया में रखा कदम

पंकज त्रिपाठी ने बॉलीवुड में फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। अपनी मेहनत और दमदार अदायगी के दम पर उन्होंने बॉलीवुड में एक खास मुकाम बनाया है। लेकिन, फिलहाल पंकज त्रिपाठी नहीं, बल्कि उनकी बेटी आशी त्रिपाठी चर्चा में हैं। आशी यूं तो ज्यादातर सोशल मीडिया से दूर रहती हैं। लेकिन, हाल ही में उनके एक्टिंग डेब्यू ने उन्हें लाइमलाइट में ला दिया है। 18 साल की उम्र में आशी ने म्यूजिक वीडियो 'रंग डारो' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है और सभी की निगाहें मानो उन पर थम गई हैं। उनकी सादगी और खूबसूरती के सभी दीवाने हो रहे हैं और वह तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि खूबसूरती के मामले में जान्हवी कपूर से लेकर राशा थडानी तक, बड़े-बड़े स्टार किड्स को टक्कर दे रही हैं।

पंकज त्रिपाठी की बेटी आशी हो रही हैं वायरल

पंकज त्रिपाठी की बेटा आशी ने म्यूजिक वीडियो 'रंग दारो' से एक्टिंग में कदम रखा है। यह वीडियो 14 मार्च को होली के मौके पर रिलीज हुआ है।

आशी की एक्टिंग और उनकी सादगी फैंस के दिलों को छू रही है। इब्राहिम अली खान, सुहाना खान, जान्हवी कपूर, खुशी कपूर और भी कई स्टार किड्स के डेब्यू के बाद अब इस फेहरिस्त में आशी का नाम भी जुड़ गया है। आशी अभी 18 साल की हैं और मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ाई कर रही हैं। खबरों की मानें तो वह एक्टिंग में ही करियर बनाना चाहती हैं। म्यूजिक कंपोजर अभिनव आर कौशिक ने इस म्यूजिक वीडियो में आशी को लेने के लिए, पंकज त्रिपाठी की पत्नी मृदुला को अप्रोच किया था। पंकज त्रिपाठी ने भी इसके लिए तुरंत हामी भर दी है और इस तरह आशी ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा।

बेटी के डेब्यू पर हुए इमोशनल हुए पंकज त्रिपाठी

आशी के ऑनस्क्रीन डेब्यू पर पंकज त्रिपाठी काफी इमोशनल नजर आए। उन्होंने एक बातचीत के दौरान बताया था कि बेटी को ऑनस्क्रीन देखना, उनके और उनकी पत्नी के लिए काफी इमोशनल और प्राउड मूमेंट है। उन्हें आशी के आगे के सफर का इंतजार है। आशी के म्यूजिक वीडियो को जमकर तारीफें मिल रही हैं। कई लोग उन्हें बड़े-बड़े स्टार किड्स से बेहतर बता रहे हैं और उनकी सादगी और सुंदरता की तारीफ कर रहे हैं।

जब दिग्गत राहत फ़तेह अली खान ने बांधे अखिल सचदेवा की तारीफों के पुल

किसी महान कलाकार के आइकॉनिक गीत का अपना वर्जन गाना एक चुनौतीपूर्ण काम है, लेकिन अपने काम के लिए किसी लीजेंडरी से तारीफ हासिल करना भी एक कलाकार के लिए किसी सपने से कम नहीं होता है। और ऐसा ही एक अनुभव अखिल सचदेवा को राहत फ़तेह अली खान के साथ मिला, जब उन्होंने एक गाने के लिए उनकी सराहना की। जी हाँ, और अपनी जिंदगी के इस सबसे खास पल का जिक्र खुद अखिल सचदेवा ने किया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने म्यूजिकल करियर के शुरुआती दौर में 'मैं तेनु समझावां की' के कवर को अपनी आवाज़ दी थी, जिसे मूल रूप से दिग्गज राहत साहब ने गाया था। यह कवर तुरंत हिट हो गया और ऑनलाइन वायरल हो गया, जिससे वे रातों-रात एक सनसनी बन गए। इसी के चलते उन्हें राहत फ़तेह अली खान के कॉन्सर्ट में ओपनिंग एक्ट परफॉर्म करने का एक मौका मिला।

उन्होंने कहा, यह 2014 की बात है, जब गुरुग्राम में एक म्यूजिकल कॉन्सर्ट था, जहाँ मुझे राहत साहब के लिए ओपनिंग करने का मौका मिला। मैंने अपना सेट 'मैं तेनु समझावां की' के साथ खत्म किया, जो प्रोफेशनली रिकॉर्ड किया गया मेरा पहला गाना था। राहत साहब उस समय बैकस्टेज पर थे और उन्होंने मुझे गाते हुए सुना। इसके बाद फिर जैसे ही वे स्टेज पर आए, उन्होंने मेरी गायकी की तारीफ़ की और यहाँ तक कह दिया कि मैंने यह गाना उनसे भी ज्यादा खूबसूरती से गाया है। उनके मुँह से ये शब्द सुनना मेरे लिए एक अन-ोखा पल और एक बहुत बड़ा आशीर्वाद था। उनके गाए गाने को गाना एक बात थी, लेकिन उसी के लिए उनकी सराहना पाना एक उपलब्धि की तरह था।

आलिया भट्ट से लेकर अनुष्का शर्मा तक...बॉलीवुड की ये हसीनाएं हैं खुद के प्रोडक्शन हाउस की मालकिन

बॉलीवुड इंडस्ट्री के स्टार्स एक्टिंग की दुनिया में अपना अच्छा नाम कमाने के साथ कई साइड बिजनेस भी करते हैं। इस बात को हम सभी जानते हैं। इन सेलेब्स की दुनिया सिर्फ एक्टिंग तक ही सीमित भी है। फिल्मी इंडस्ट्री में कमाई करने के साथ यह स्टार्स और बहुत काम करते हैं। इसके जरिए ये सेलिब्रिटीज काफी मोटी कमाई कर लेते हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड एक्टर्स के साथ एक्ट्रेसेस भी पीछे नहीं हैं। इंडस्ट्री की हसीनाएं भी एक्टिंग के अलावा अपने खुद के बिजनेस चलाकर लाखों-करोड़ों की कमाई करती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों के नाम की लिस्ट बताने जा रहे हैं, जो कि खुद के प्रोडक्शन हाउस की मालकिन हैं। इनके प्रोडक्शन हाउस में कई फिल्में भी रिलीज हो चुकी हैं। ये एक्ट्रेसेस खुद की प्रोडक्शन कंपनी शुरू करके सफलता की नई कहानी लिख चुकी हैं। इस सीरीज में कई टॉप एक्ट्रेसेस के नाम भी शामिल हैं।

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम इंडस्ट्री की सुपरहिट अभिनेत्री आलिया भट्ट का आता है। एक्ट्रेस एक शानदार अभिनेत्री होने के साथ प्रोड्यूसर भी हैं। आलिया के प्रोडक्शन हाउस का नाम 'इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस' है। जिसको उन्होंने साल 2020 में शुरू किया था। आलिया की फिल्म डार्लिंग्स उनके प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म थी।

कृति सेनन – इंडस्ट्री की हिट एक्ट्रेस कृति सेनन एक्टिंग के साथ खुद के प्रोडक्शन हाउस की भी मालकिन हैं। अभिनेत्री ने साल 2023 में ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स नाम का प्रोडक्शन हाउस लांच किया था। उनके प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म 'दो पत्ती' थी।

अनुष्का शर्मा – विराट कोहली की लेडी लव और बॉलीवुड की शानदार अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की एक्टिंग के लाखों दीवाने हैं। अनुष्का शर्मा एक्टिंग के साथ क्लीन स्लेट फिल्म्स का प्रोडक्शन हाउस भी चलाती हैं। जिसकी शुरुआत 2013 में एक्ट्रेस ने अपने भाई कर्णेश शर्मा के साथ मिलकर की थी। डीवा के प्रोडक्शन हाउस से अब तक कला, छक 10, परी, चकदा एक्सप्रेस और बुलबुल जैसी फिल्में और सीरीज रिलीज हो चुकी हैं।

दीपिका पादुकोण – इंडस्ट्री की हाईएस्ट पेड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण का भी 'का प्रोडक्शन्स' नाम का प्रोडक्शन हाउस है। जिसको उन्होंने 2018 में स्थापित किया था। इसके अलावा दीपिका स्किन केयर ब्रांड की भी मालकिन हैं। दीपिका के प्रोडक्शन हाउस से छपाक और 86 जैसी फिल्में प्रोड्यूस हो चुकी हैं।

कंगना रनौत– बॉलीवुड की बेबाक अदाकारा और बीजेपी लीडर कंगना रनौत का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। एक्ट्रेस की प्रोडक्शन कंपनी का नाम 'मणिकर्णिका फिल्म्स' है। हाल में रिलीज हुई फिल्म एमरजेंसी समेत जजमेंटल है क्या, थलाइवी, पंगा और धाकड़ जैसी फिल्में प्रोड्यूस हो चुकी हैं।

भांडीरवन पर हुआ था राधा जी और भगवान कृष्ण का विवाह, हर कोई नहीं कर पाता दर्शन

माना जाता है कि अगर आप भगवान कृष्ण से पहले राधा जी का नाम लेते हैं, तो इससे कान्हा जी जल्दी प्रसन्न होते हैं। आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं, जो राधा-कृष्ण जी के विवाह का साक्षी रहा है, हालांकि इसके बारे में कम ही लोगों को जानकारी है।

मिलता है ये प्रसंग

संहिता में वर्णित प्रसंग के अनुसार, एक बार नन्द बाबा कृष्ण जी को गोद में लिए हुए गाय चरा रहे थे। गाय चराते-चराते वह वन में काफी आगे निकल गए। अचानक से मौसम में बदलाव हुआ और आंधी चलने लगी। तभी नन्द बाबा के समक्ष राधा जी प्रकट हुईं। बाबा ने राधा जी को प्रणाम किया और कहा कि मैं जानता हूं कि मेरी गोद मे साक्षात् प्रभु श्रीहरि हैं और यह रहस्य मुझे गर्ग जी द्वारा बताया गया है।

तब वह भगवान कृष्ण को राधा जी को सौंप कर चले गए। इस दौरान भगवान कृष्ण अपनी युवा में आए। तब वहां ब्रह्मा जी भी प्रकट हुए। विवाह मंडप और विवाह की सारी सामग्री वहां पहले से ही मौजूद थीं। भगवान कृष्ण राधा जी के साथ उस मंडप में विराजमान हुए और ब्रह्मा जी ने वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ विवाह संपन्न कराया।

क्या हैं मान्यताएं

में एकलौता ऐसा मंदिर है, जहां भगवान कृष्ण दूल्हे के रूप में और राधा जी दुल्हन के रूप में नजर आती हैं। यह मंदिर एक विशाल वृक्ष के नीचे बना हुआ है, जहां राधा रानी और भगवान कृष्ण की प्रतिमाएं एक-दूसरे को वरमाला पहनाते हुए नजर आ रही हैं। ब्रह्मा जी की भी मूर्ति स्थापित है, जो विवाह की रस्में निभा रहे हैं। इस स्थान पर एक कुंड भी स्थित है, जिसे भांडीर कुंड के नाम से जाना जाता है। इसी के साथ इस स्थान को लेकर यह मान्यता भी प्रचलित है कि इस स्थान के दर्शन वर्तमान में केवल वही लोग कर सकते हैं, जो उस काल में भी किसी-न-किसी जैसे सखियां, मोर, तोते, गाय और बंदर आदि रूप में उस स्थान पर उपस्थित थे। इसी के साथ भांडीरवन वह स्थान भी है, जहां बलराम दाऊ ने कंस के द्वारा भेजे गए प्रलम्बासुर नामक राक्षस का वध किया था।

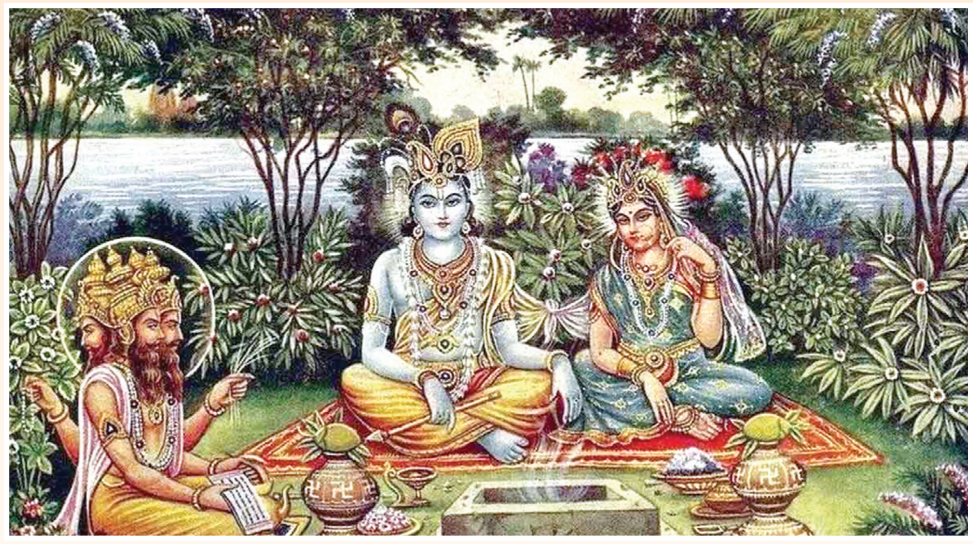

इस पवित्र स्थान को भंडारीवन के नाम से जाना जाता है। यह स्थान वृंदावन से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर है, जो लोग वृंदावन और मथुरा जाते हैं वे लोग इस वन का भ्रमण करना नहीं भूलते।

अद्भुत है राधा-कृष्ण के विवाह की गाथा

वैसे तो यह बात विश्व विख्यात है कि श्रीकृष्ण भगवान विष्णु का स्वरूप थे और श्रीराधा देवी लक्ष्मी का स्वरूप थीं। दोनों ने द्वापर युग में मनुष्य योनी में जन्म लिया था और एक श्राप के चलते दोनों 100 वर्षों के लिए एक दूसरे से विवाह नहीं कर सकते थे।

गर्ग संहिता की माने तो दोनों का विवाह मनुष्य के रूप में बेशक नहीं हो पाया था, मगर श्रीकृष्ण और श्रीराधा ने दिव्य रूप धारण कर विवाह किया था और यह विवाह स्वंय त्रिदेवों में से एक ब्रह्मा जी ने कराया था। राधा-कृष्ण के विवाह में सभी देवी-देवता उपस्थित थे। इस लिहाज से देखा जाए तो श्रीकृष्ण ने सबसे पहले राधा जी से ही विवाह किया था और उसके बार रुकमणी जी उनकी धर्मपत्नी बनी थीं।

आपको यह भी जानकारी दें कि श्रीकृष्ण की 8 रानियां थीं और लाखों पटरानियां थीं, मगर जो 8 रानियां थी वह सभी देवी लक्ष्मी का स्वरूप थीं और श्रीराधा श्रीकृष्ण की शक्ति थीं। श्रीकृष्ण और राधा जी के विवाह के बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है और ऐसी मान्यता है कि असल जीवन में श्रीराधा ने बरसाने के पुरोहित के पुत्र आयन से विवाह किया था। श्रीकृष्ण के मथुरा छोड़ने के बाद राधा दोबारा श्रीकृष्ण से कुरुक्षेत्र में महाभारत के युद्ध के दौरान ही मिली थीं। इसके बाद अपने जीवन के आखिरी वक्त में श्रीराधा द्वारिका श्रीकृष्ण के पास चली गई थीं और वहां उनकी दासी बनकर रहने लगी थीं।

इस वन में है राधा-कृष्ण के विवाह का प्रमाण

भंडारी वन में आपको एक मंदिर दिख जाएगा जहां ब्रह्मा जी राधा-कृष्ण का विवाह कराते हुए आपको नजर आ जाएंगे। इस मंदिर में आज भी राधा-कृष्ण के भक्त आते हैं, इनमें प्रेमी युगल भी होते हैं और वह लोग भी होते हैं जिनके विवाह में बाधाएं आती हैं। यहां वह लोग भी आते हैं, जिन्हें संतान नहीं होती है और यहां आकर उन्हें संतान सुख की प्राप्ति होती है।

क्या कहते हैं पुराण?

वाराह पुराण की माने तो भंडारी वन 11वें नंबर का सबसे बड़ा वन हुआ करता था, जहां पर योगी और साधु निवास किया करते थे। यह वन यमुना के दूसरे पार है और यहां पहुंचने के केसी घाट सबसे नजदीकी स्थान है। यह घाट वृंदावन में है और यहां पर एक फुट ब्रिज बना हुआ है, जिसके माध्यम से यमुना को क्रॉस करके आप इस वन में पहुंच सकते हैं।

क्या है भंडारी वन की खासियत?

आपको देश दुनिया में ढेरों राधा-कृष्ण के मंदिर मिल जाएंगे, मगर भंडारी वन में राधा-कृष्ण का जो मंदिर है वहां श्रीकृष्ण राधा जी की मांग में सिंदूर भर रहे हैं और यह दृश्य बेहद अनोखा है।

उम्मीद है कि आपको हमारा ये आर्टिकल पसंद आया होगा। इसी तरह के अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए आर्टिकल के नीचे आ रहे कमेंट सेक्शन में हमें कमेंट कर जरूर बताएं और जुड़े रहें हमारी वेबसाइट हरजिंदगी के साथ।

सास बहू में होगी लड़ाई या प्यार! जन्म कुंडली से मिनटों में करें पता

व्यक्ति के जीवन में एक सवाल बहुत बड़ा है। शादी के बाद उसका ससुराल या ससुरालीजन कैसे होंगे? खासकर महिलाओं की मन में यह बात बहुत होती है की शादी के बाद उनका ससुराल के लोगों से किस प्रकार का संबंध रहेगा? क्या उन्हें ससुराल में प्यार और सम्मान मिलेगा? क्या उनकी ससुराल आर्थिक रूप से और रूप से मजबूत और संपन्न होगी? ज्योतिष शास्त्र में इसके बारे में जन्म कुंडली से सीधी सीधी पता लगाया जा सकता है कि व्यक्ति की ससुराल किस प्रकार की होगी।

✻ जन्म कुंडली में दसवां भाव करियर सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यवसाय से संबंध रखता है। सामाजिक स्थिति के साथ-साथ व्यक्ति ससुराल किस प्रकार की होगी यह भी इसी भाव से देखा जाता है। दसवें भाव में बैठे शुभ ग्रह या दशम भाव का स्वामी उच्च या वरिष्ठ अवस्था में बैठा हो तो निश्चित रूप से व्यक्ति की ससुराल सम्मानित और आर्थिक रूप से संपन्न होती है।

✻ यदि जन्म कुंडली दसवें भाव में राहु अथवा शनि जैसे पाप ग्रह बैठे होते हैं या किसी भी प्रकार से इनका संबंध बन रहा हो तो ससुराल पक्ष की सामाजिक प्रतिष्ठा कमजोर होती है साथ ही यह लोग आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं।

✻ अगर जन्म कुंडली के चौथे, दसवें और आठवे में गुरु, शुक्र, बुध एवं चंद्र जैसे सौम्य ग्रह बैठे हों या संबंध बना रहे हों तो लड़की को ससुराल में सास से बहुत प्यार मिलता है।

✻ यदि जन्म कुंडली के चौथे, दसवें और अष्टम भाव में शनि, मंगल, राहु, सूर्य जैसी क्रूर ग्रह बैठे हो तो ससुराल से बाकी ससुराली जनों से विशेष कष्ट मिलता है।

✻ यदि किसी जातक को ससुराल से अधिक कष्ट मिल रहे हैं तो ऐसे व्यक्ति को ससुरालीजनों अथवा साले आदि से संबंध मधुर बनाने का प्रयास करना चाहिए। क्योंकि ससुराल से खराब संबंधों से जन्म कुंडली में राहु खराब परिणाम देना शुरू देता है।

✻ यदि जन्म कुंडली में सप्तम भाव के स्वामी अथवा शुक्र ग्रह की स्थिति खराब होती है तो वैवाहिक जीवन में सुख नहीं मिलता है साथ ही विवाहेत्तर संबंध टूट भी जाता है।

अगर ये सपने आएं तो भूलकर भी किसी को ना बताएं, कुछ ही समय में हो जाएंगे मालामाल!

आपने अक्सर देखा होगा कि हम कोई भी सपना देखें, चाहे वह अच्छा हो या बुरा, हम उसे किसी अपने के साथ साझा जरूर करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वप्न शास्त्र में कुछ ऐसे सपनों के बारे में गया है, जिन्हें देखने के बाद किसी के साथ साझा करना उनके प्रभाव को बिल्कुल उलट कर सकता है? ऐसे सपने आपके जीवन में ढेर सारी खुशियां लाने वाले होते हैं, लेकिन अगर आपने इन्हें किसी को बता दिया, तो ये दुख का कारण बन सकते हैं।

चांदी से भरा कलश देखना

अगर सपने में चांदी से भरा हुआ कलश दिखाई दे, तो यह अत्यंत शुभ संकेत है। इसका मतलब है कि निकट भविष्य में आपके घर सुख-समृद्धि और मां लक्ष्मी का वास होने वाला है। लेकिन इस सपने को किसी को भी न बताएं, वरना इसका प्रभाव खत्म हो जाएगा।

फूलों का बगीचा देखना

आप सपने में अगर हरे-भरे फूलों का बगीचा या कोई सुंदर स्थान देखते हैं, तो यह आने वाली खुशखबरी का संकेत लेकिन यदि आपने इस सपने को किसी के साथ साझा किया, तो इसका प्रभाव समाप्त हो सकता है।

माता-पिता द्वारा पानी पिलाना

अगर सपने में आपको अपने माता-पिता पानी पिलाते हुए दिखाई दें, तो यह संकेत करता है कि आपके जीवन में खूब तरक्की होने वाली है। लेकिन इस संकेत को किसी के साथ साझा न करें।

गौ माता की सेवा करना

सपने में अगर आप स्वयं को गौ माता की सेवा करते हुए देखते हैं, तो यह आपके भाग्य के चमकने का संकेत है। सनातन धर्म में गौ माता में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है, यह सपना अत्यंत शुभ होता है।

दरवाजा खोलते हुए देखना

सपने में अगर आप किसी दरवाजे को खोलते हुए देखते हैं, तो यह आपके जीवन में नए अवसरों और खुशियों के आगमन का संकेत है।

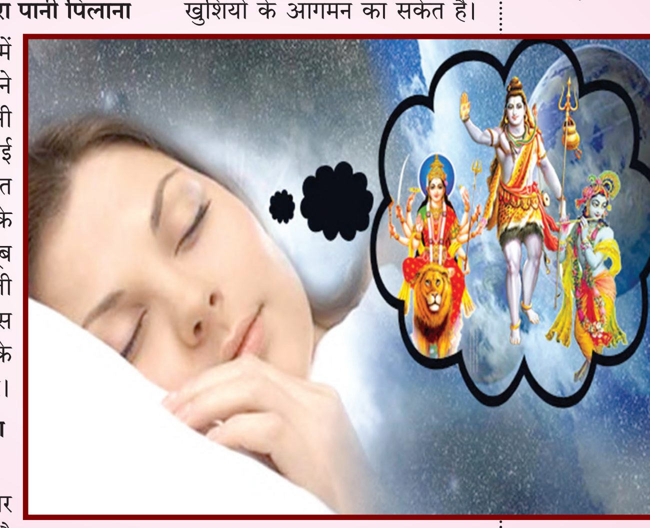

मछली पकड़ते हुए देखना

सपने में मछली देखना या पकड़ना धन लाभ और सफलता संकेत है। यह सपना व्यापार में उन्नति और जीवन में खुशहाली लाता है। लेकिन इसका जिक्र किसी से करने से इसका प्रभाव कम हो जाता है।

बार-बार दिखाई देते हैं ये सपने, तो जल्द मिल सकती है कोई खुशखबरी!

सोते समय सपनों का आना हमें एक आम-सी बात लगती है, लेकिन हमारे कुछ सपने हमें भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में भी आगाह करते हैं। से संबंधित एक शास्त्र है, जिसे स्वप्न शास्त्र के नाम से जाना जाता है। चलिए जानते हैं कि अगर कोई सपना आपको बार-बार दिखाई दे रहा है, तो इसका क्या अर्थ हो सकता है।

मिलती है तरक्की

अगर कोई व्यक्ति को सपने में खुद को ऊंची दीवार पर बैठे का सपना बार-बार देखता है, तो यह काफी शुभ माना जाता है। इस सपने का अर्थ है कि आपको अपने कार्यक्षेत्र में खूब तरक्की मिलने वाली है। साथ ही आपका कोई रुका हुआ काम भी पूरा हो सकता है।

देवी-देवताओं का सपना

स्वप्न शास्त्र में यह माना गया है अगर किसी व्यक्ति को सपने में बार-बार देवी-देवताओं दिखाई देते हैं, तो यह एक बहुत ही शुभ सपना माना जाता है। वहीं अगर किसी व्यक्ति को सपने में भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बजाते हुए देखते हैं, तो आपके आने वाले जीवन के लिए एक शुभ संकेत है। स्वप्न शास्त्र अनुसार, इस सपने का अर्थ है कि आपके जीवन में खुशियां आने वाली हैं।

घर पर हमेशा हंसते हुए लाफिंग बुद्धा क्यों रखे जाते हैं? जानें कुछ रोचक तथ्य

लाफिंग बुद्धा को फेंगशुई परंपराओं में खुशी, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। उनका सदैव मुस्कुराता हुआ चेहरा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और उनकी प्रसन्न मुद्रा घर एवं कार्यस्थल में शुभता लाने का संकेत देती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसता हुआ क्यों रखना चाहिए? क्यों हैं? उनकी हंसी केवल एक भाव नहीं हैं, बल्कि गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक प्रतीकात्मकता रखती है। उनकी मुस्कान संतोष और आंतरिक शांति का प्रतीक है, जो यह दिखाती है कि सच्चा आनंद भौतिक सुखों पर निर्भर नहीं होता, बल्कि आत्मिक संतुष्टि में निहित होता है। फेंगशुई के अनुसार, उनका हंसमुख चेहरा नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता और सौभाग्य को आमंत्रित करता है।

इसके अलावा, मान्यता है कि उनके पेट से सौभाग्य और समृद्धि प्राप्त होती है। इस तरह लाफिंग बुद्धा न केवल खुशी का प्रतीक माना जाता है, बल्कि हमें जीवन को हल्केपन और प्रसन्नता से जीने की प्रेरणा भी देते हैं। यही नहीं लाफिंग बुद्धा को घर की सही दिशा में रखने से जीवन में सदैव समृद्धि बनी रहती है। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें इसके बारे में कि घर पर हमेशा ऐसा लाफिंग बुद्धा क्यों रखना चाहिए जो हंसता हुआ दिखाई दे।

लाफिंग बुद्धा का क्या है इतिहास

लाफिंग बुद्धा का इतिहास एक चीनी बौद्ध भिक्षु बुदाई से जुड़ा है जो 10वीं शताब्दी में लियांग वंश के दौरान प्रसिद्ध हुए। बुदाई अपनी अनोखी जीवनशैली, दयालुता और सदा मुस्कुराते रहने के स्वभाव के कारण लोगों के बीच सम्मानित थे। उनकी हंसी और हंसमुख व्यक्तित्व ने उन्हें एक विशेष पहचान दिलाई। बुदाई हमेशा एक बड़े कपड़े के थैले के साथ चलते थे, जिसमें वे भोजन और उपहार रखते थे। वे इसे जरूरतमंदों में बांटते थे, जिससे वे उदारता और परोपकार के प्रतीक बन गए। उनका यह व्यवहार आत्मिक संतोष और त्याग का संदेश देता था। समय के साथ, उनकी छवि सिर्फ एक साधारण भिक्षु तक सीमित नहीं रही, बल्कि आनंद, समृद्धि और ज्ञान के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी। आज, लाफिंग बुद्धा की मूर्तियों को सकारात्मक ऊर्जा, खुशहाली और सौभाग्य के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उनकी छवि यह सिखाती है कि जीवन में सच्चा आनंद केवल भौतिक सुखों में नहीं, बल्कि संतोष, करुणा और दूसरों की भलाई में निहित होता है।

लाफिंग बुद्धा हमेशा हंसते क्यों रहते हैं?

लाफिंग बुद्धा की मुस्कान केवल खुशी का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसमें गहरी आध्यात्मिक और दार्शनिक मान्यताएं छिपी हुई हैं। लाफिंग बुद्धा को आंतरिक शांति और संतोष का प्रतिनिधित्व करते हुए देखा जाता है। उनकी हंसी पूर्ण आत्मसंतोष को दर्शाती है, जो भौतिक इच्छाओं और चिंताओं से मुक्त होती है। फेंगशुई सिद्धांतों के अनुसार, लाफिंग बुद्धा की उपस्थिति नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर व कार्यस्थल में सकारात्मकता का संचार करती है।

उनकी मुस्कान इस बात की याद दिलाती है कि सच्ची खुशी बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। हंसी और आनंद को ज्ञान प्राप्ति का एक आवश्यक तत्व माना गया है। लाफिंग बुद्धा की हमेशा प्रसन्न मुद्रा इस बात को दिखाती है कि वास्तविक आनंद बाहरी भोगों में नहीं, बल्कि मानसिक शांति में होता है।

घर पर लाफिंग बुद्धा रखने का महत्व

फेंगशुई के अनुसार, लाफिंग बुद्धा का सही स्थान पर रखना सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य को आकर्षित कर सकता है। घर पर लाफिंग बुद्धा रखने के कई फायदे हैं। फेंगशुई के अनुसार, घर में लाफिंग बुद्धा को सही दिशा में रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और सौभाग्य आकर्षित होता है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक शांति और पारिवारिक सौहार्द भी बनाए रखता है। लाफिंग बुद्धा की मुस्कुराती हुई मूर्ति घर के माहौल को हल्का और आनंदमय बनाती है, जिससे नकारात्मकता दूर होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है।

मान्यता है कि लाफिंग बुद्धा का स्थान जितना उपयुक्त होगा, उतना ही अधिक प्रभावशाली होगा। उदाहरण के लिए, इसे घर के मुख्य दरवाजे के पास रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव कम होता है। वहीं, इसे ड्राइंग रूम या कार्यस्थल में रखने से सफलता और उन्नति के मार्ग खुलते हैं।

इसके अलावा, लाफिंग बुद्धा का हंसमुख स्वरूप हमें जीवन को प्रसन्नता और संतोष के साथ जीने की प्रेरणा देता है। यह मूर्ति केवल सौभाग्य का प्रतीक नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और आत्मिक संतोष की ओर भी संकेत करती है, जिससे जीवन अधिक सुखद और संतुलित बनता है।

घर की किस दिशा में रखें लाफिंग बुद्धा

घर या कार्यालय के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में लाफिंग बुद्धा की मूर्ति रखने से आपको आर्थिक सफलता मिल सकती है। यदि आप घर के लिविंग रूम में लाफिंग बुद्धा रखते हैं तो आपके परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। कार्यस्थल या ऑफिस डेस्क पर इसे रखने से करियर में उन्नति होती है और बाधाएं दूर होती हैं।

घर या ऑफिस के प्रवेश द्वार के पास लाफिंग बुद्धा रखने से नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है।

अलग लाफिंग बुद्धा का अलग है महत्व

यदि आप घर पर लाफिंग बुद्धा थैला लिए हुए हुए रखते हैं तो वो यात्रा, धन संग्रह और चिंताओं को दूर करने का प्रतीक माने जाते हैं। कटोरा लिए हुए लाफिंग बुद्धा हमेशा भौतिकवाद से मुक्ति और आध्यात्मिक मार्ग का संकेत होते हैं। सोने के सिक्कों के साथ लाफिंग बुद्धा आर्थिक समृद्धि और धन प्राप्ति का प्रतीक माने जाते हैं। बच्चों के साथ लाफिंग बुद्धा पारिवारिक सुख और संतान सुख का प्रतीक माने जाते हैं। हाथ में पंखा लिए लाफिंग बुद्धा नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सौभाग्य लाने का प्रतीक मानी जाती है। कछुए पर बैठे लाफिंग बुद्धा करियर में सफलता और स्थिरता प्राप्ति का संकेत देता है। यदि आप घर पर लाफिंग बुद्धा रखते हैं तो इसे फेंगशुई के अनुसार सही स्थान पर रखने की सलाह दी जाती है। आपकी इस बारे में क्या राय है, हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। आपको यह स्टोरी अच्छी लगी हो तो इसे फेसबुक पर शेयर और लाइक जरूर करें। इसी तरह और भी आर्टिकल पढ़ने के लिए जुड़े रहें हरजिंदगी से।

संपादकीय

वादों का बजट

बजट के मापतोल में सुक्खू सरकार ने अपनी खिड़कियों से दूर तक देखने की कोशिश की है, लेकिन आर्थिक संरचना के मुहावरों में वित्तीय परेशानियां हर द्वार पर खड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने एक लंबे भाषण में बजट का ढांचा विकसित किया, जहां कुछ अपेक्षाएं पूरी हुईं तो कुछ नई पहल के मजमून नजर आए। अपनी ओर से सरकार ने ग्रामीण आर्थिकी का संबल बनते हुए भैंस के दूध की खरीद को 61 रुपए, गाय के दूध को 51 रुपए प्रति किलो पहुंचा दिया है, जबकि परिवहन सबसिडी के रूप में प्रति किलोग्राम दो रुपए का प्रावधान भी किया गया है। प्राकृतिक खेती के संदर्भों को मक्की व गेहूं की खरीद में दर्शाया गया है, तो किसानों पर चढ़े ऋण से राहत देने का संकल्प सामने आया है। मनरेगा और सामान्य दिहाड़ी में बढ़ोतरी की जा रही है। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 12750 रुपए हो रहा है, जबकि पंचायत से नगर निकाय प्रतिनिधियों का पारिश्रमिक बढ़ गया। ग्रीन प्रदेश से प्राकृतिक खेती तक की राह पर सरकार की वचनबद्धता अब स्थायी नगमे सुना रही है। यहां घोषणाओं की अपनी संस्कृति है और महत्त्वाकांक्षा के अपने पांव, फिर भी आकाश तक पहुंचने की ख्वाहिश में सुक्खू कहीं सुधार कर रहे हैं, तो कहीं संघर्ष कर रहे हैं। पिछले और इस बजट के फैसलों में रास्ते तो नहीं बदले, इरादे जरूर बदल गए। यानी अब अगर डे बोर्डिंग स्कूल को बसाना है तो कई शहरी स्कूलों की छत को खोलकर इस परियोजना को प्रवेश कराया जा रहा है। इस तरह इन इमारतों की प्रासंगिकता में ताजगी आएगी। सरकार खेती के मायने बदलती हुई कच्ची हल्दी का टीका लगा रही है। क्या इसे अपनाकर बंदर भाग जाएंगे या हमारा वन महकमा नए पौधारोपण से इन्हें वापस जंगल में ले जाएगा। यह दीगर है कि ऊना में आलू प्रोसेसिंग यूनिट की घोषणा से खेती का लक्ष्य और उत्पादन की वजह बढ़ सकती है। कमोबेश इसी तर्ज पर नादौन में स्पाइस पार्क की अनुगूंज से बजट को मसालेदार बनाया गया है। पर्वतीय मसालों तथा जड़ी-बूटियों के उत्पादन में स्पाइस पार्क की बाहें अगर योगदान कर पाईं, तो यह एक खुशखबर है। बजट कई विधानसभा क्षेत्रों तथा विभिन्न वर्गों को खुशखबर देने का मंतव्य रखता है। स्वरोजगार और निजी निवेश के लिए युवाओं को अगर पहले ई-टैक्सी पर बैठाया था, तो अब बेरोजगारों को मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्टअप योजना का खाका सौंपा जा रहा है। होटल व होम स्टे निर्माण में युवाओं को ऋण के ब्याज में चार से पांच प्रतिशत की सबसिडी सरकार देगी। इसी तरह छोटे एवं लघु व्यापारियों, ढाबा मालिकों, रेहड़ी-फड़ी वालों को लेकर मुख्यमंत्री लघु दुकानदार योजना कुछ नया आश्वासन दे रही है। कुल मिलाकर 58514 करोड़ के बजट में एक ओर सरकार को वेतन और पेंशन, उधार पर ब्याज और किश्त अदायगी में ही 76 प्रतिशत देना ही देना है, तो शेष बचे 24 प्रतिशत बजट से उम्मीदों का प्रकाश बनाए रखना कठिन कसौटी है। हालांकि इस बीच पेंशनरों के एरियर भुगतान की समय सीमा 15 मई तय हो रही है और विधायक निधि को 200 करोड़ की अदायगी भी की जा रही है। बजट बूढ़े लोगों को घर में उपचार देने का वादा कर रहा है, तो ड्रोन टैक्सी चलाने के लिए कांगड़ा, मंडी और हमीरपुर में स्टेशन बना रहा है। बजट को चांशल, पौंग डैम और कई नए पर्यटक डेस्टिनेशन विकसित करने हैं, तो नादौन में वेलनेस व राफ्टिंग सेंटर भी खोलने हैं। बजट सजधज के पुनः कांगड़ा में पर्यटन राजधानी की राह आसान करने के लिए गगल एयरपोर्ट विस्तार के थैले में तीन हजार करोड़ रुपए उंडेलने का प्रयास कर रहा है। ईको टूरिज्म की दो सौ इकाइयां रेखांकित हो रही हैं, शिमला में लग्जरी बसें तथा दो सौ नए होटलों में निजी निवेश की आशा से पुलकित बजट पर्यटन की जड़ें खोज रहा है। तकनीकी शिक्षा में नवाचार, धार्मिक पर्यटन पर नजर, टी टूरिज्म में क्रांति के उद्घोष, जाहिर तौर पर नई परिकल्पना हैं।

मुख्यमंत्री ने एक लंबे भाषण में बजट का ढांचा विकसित किया, जहां कुछ अपेक्षाएं पूरी हुईं तो कुछ नई पहल के मजमून नजर आए। अपनी ओर से सरकार ने ग्रामीण आर्थिकी का संबल बनते हुए भैंस के दूध की खरीद को 61 रुपए, गाय के दूध को 51 रुपए प्रति किलो पहुंचा दिया है, जबकि परिवहन सबसिडी के रूप में प्रति किलोग्राम दो रुपए का प्रावधान भी किया गया है। प्राकृतिक खेती के संदर्भों को मक्की व गेहूं की खरीद में दर्शाया गया है, तो किसानों पर चढ़े ऋण से राहत देने का संकल्प सामने आया है। मनरेगा और सामान्य दिहाड़ी में बढ़ोतरी की जा रही है। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 12750 रुपए हो रहा है, जबकि पंचायत से नगर निकाय प्रतिनिधियों का पारिश्रमिक बढ़ गया। ग्रीन प्रदेश से प्राकृतिक खेती तक की राह पर सरकार की वचनबद्धता अब स्थायी नगमे सुना रही है। यहां घोषणाओं की अपनी संस्कृति है और महत्त्वाकांक्षा के अपने पांव, फिर भी आकाश तक पहुंचने की ख्वाहिश में सुक्खू कहीं सुधार कर रहे हैं, तो कहीं संघर्ष कर रहे हैं। पिछले और इस बजट के फैसलों में रास्ते तो नहीं बदले, इरादे जरूर बदल गए। यानी अब अगर डे बोर्डिंग स्कूल को बसाना है तो कई शहरी स्कूलों की छत को खोलकर इस परियोजना को प्रवेश कराया जा रहा है।

पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है

कर्नाटक में 'अल्पसंख्यकों' को सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत कोटा क्यों? बताए कांग्रेस

कमलेश पांडे

कांग्रेस शासित कर्नाटक की सरकार ने अल्पसंख्यक ठेकेदारों को सरकारी खरीद के ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया है, उससे मुस्लिम सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। हालांकि, राज्य सरकार का यह निर्णय वैधानिक दृष्टि से न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। ऐसा इसलिए कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश तो है, लेकिन यह हिंदुओं के हिस्से वाला हिंदुस्तान भी है। जबकि हमारे राजनेता और उनके 'चमचे बुद्धिजीवी' वोट बैंक की लालच में इस कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज करते हैं, जिससे देश में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सियासत को मजबूती मिलती है। चूंकि इसका सर्वाधिक लाभ मुस्लिम ठेकेदारों को मिलेगा, इसलिए कांग्रेस के इस फैसले की प्रवृति और प्रकृति पर कतिपय सवाल उठना लाजिमी है। पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना-कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जुड़े गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं?किसानों-मजदूरों-कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं? खैर, सवालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं। पहले समाजवादियों और फिर राष्ट्रवादियों की राजनीतिक सफलता का राज भी यही है। इतिहास गवाह है कि अपनी घोर तुष्टिकरण की सियासत के चलते भारत और अधिकांश राज्यों की सत्ता से बाहर है। 2014 और 2019 के आम चुनावों में उसकी हैसियत विपक्ष का नेता बनने लायक भी नहीं रही थी। 2024 में उसे जो अप्रत्याशित उछाल मिला, उसके उत्साह में वो फिर अतिरेक भरे फैसले कर रही है, जिससे साफ है कि कांग्रेस अब सत्ता प्राप्ति और राष्ट्र निर्माण नहीं बल्कि 'पार्टी ध्वंस' और 'देश-समाज विध्वंस' को गति देने की राजनीति पर आमादा है। उसकी गलत

नीतियों का ही तकाजा है कि पहले भारत टूटा, फिर पाकिस्तान टूटा और कांग्रेस भी कई बार टूटी। यदि सही कहा जाए तो 'कांग्रेस' की असली नेता ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की चार बार से मुख्यमंत्री) हैं, न कि नेहरू-गांधी परिवार के सियासी जमींदार, जो सौभाग्य से नेता प्रतिपक्ष तो हैं, लेकिन वैचारिक और रणनीतिक तौर पर उसके 'नाकाबिल' हैं! तभी तो खुद इंडिया गठबंधन के उनके साथी भी उन्हें अपना नेता मानने को लेकर किंतु परन्तु करते रहते हैं! मेरी बात उन्हें बुरी लग सकती है, लेकिन इसके मर्म को आत्मसात कर लिए तो उनकी पार्टी की सियासी किस्मत भी बदल सकती है, क्योंकि जिस पार्टी ने देश को आजादी दिलाई, सर्वाधिक समय तक देश-प्रदेश पर राज किया, उसकी मौजूदा दुर्दशा पर हर कोई तरस खाएगा। चर्चा के मुताबिक, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कैबिनेट ने कर्नाटक ट्रांसपैरेंसी इन पब्लिक प्रक्योरमेंट (केटीपीपी) ऐक्ट में बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। खबर है कि इस ऐक्ट में बदलाव का यह बिल विधानसभा के इसी बजट सत्र में आएगा, जिसके पारित होने के बाद कर्नाटक के सरकारी टेंडर में मुस्लिमों सहित सभी अल्पसंख्यक वर्ग के सरकारी ठेकेदारों को 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा। वहीं, डिप्टी सीएम ने कहा कि, टेंडर में कोटा सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़े वर्ग के लिए तय किया गया है, जिसकी प्रतिशतता सम्बन्धी विस्तृत जानकारी उन्होंने नहीं दी है। वहीं, बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के इस फैसले को असंवैधानिक बताया और कहा कि कांग्रेस मुस्लिम सहित अल्पसंख्यक तुष्टीकरण में नए पैमाने गढ़ रही है। यह देश के लिए खतरा है। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमारी पार्टी इसके खिलाफ है और विरोध करती रहेगी। बाद में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने कहा कि 4 प्रतिशत कोटा सिर्फ मुस्लिमों के लिए नहीं, बल्कि सभी अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के लिए है। वहीं, कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिम आरक्षण पर एक सेवानिवृत्त नौकरशाह ने कहा है कि राज्य सरकार को अख्तियार है कि वह रिजर्वेशन दे सकती है। इसी नजरिए से कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल आदि राज्यों में मुस्लिम आदि अल्पसंख्यकों को ओबीसी कैटिगरी में रखकर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया गया है। जबकि यहां मसला सरकारी टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन का है। हालांकि, इस पर जिसे ऐतराज है, वह संवैधानिक अदालत में इसे चुनौती दे सकता है। क्योंकि यहां नया सिर्फ यह है कि टेंडर प्रक्रिया में रिजर्वेशन दिया गया है। कैबिनेट फैसला ले सकती है जिसमें कोई शक नहीं है। यह अलग बात है कि इस फैसले को संवैधानिक कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। आम तौर पर संसद या विधानसभा से पास किसी भी कानून को संवैधानिक अदालत में चुनौती दी जा सकती है। तब अदालत स्क्रूटनी करती है और यह देखती है कि कानून या सरकार का फैसला संविधान के दायरे में है या नहीं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के एक एडवोकेट की प्रतिक्रिया आई है कि संविधान में अनुच्छेद 15 और 16 में पढ़ाई-नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान है, लेकिन सरकारी ठेकों में आरक्षण का जिक्र सविधान में नहीं है। चूंकि शीर्ष अदालत में कर्नाटक में सरकारी नौकरी में मुस्लिम रिजर्वेशन का मसला आ चुका है। पर मौजूदा मामला टेंडर से संबंधित है। इसलिए संवैधानिक तौर पर यह रिजर्वेशन शायद ही कोर्ट में टिक पाए। क्योंकि संविधान में आर्टिकल 15 व 16 में रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। एजुकेशनल इंस्टिट्यूट में दाखिले के लिए आर्टिकल 15 के तहत प्रावधान है और सरकारी नौकरी में रिजर्वेशन का प्रावधान आर्टिकल 16 में है। जबकि कर्नाटक सरकार ने टेंडर में रिजर्वेशन दिया है और वह भी रिलिजन के आधार पर दिया है। वहीं यह संविधान के तहत वर्णित परिभाषा पब्लिक एंप्लायमेंट के तहत नहीं आता है। लिहाजा रिजर्वेशन सिर्फ सरकारी नौकरी और शैक्षणिक संस्थान में दाखिले के लिए हो सकता है। कानूनी जानकार बताते हैं कि कैबिनेट रिजर्वेशन दे सकती है।

पहला, अल्पसंख्यक वर्ग में यह आरक्षण मुस्लिमों, ईसाइयों, सिखों, जैनों, बौद्धों आदि को 4 फीसदी में से कितना-कितना प्रतिशत मिलेगा या फिर पिछले दरवाजे से सिर्फ मुस्लिमों को ही वरीयता दी जाएगी? दूसरा, जब दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सरकारी ठेकों में आरक्षण मिलेगा तो फिर ईडब्ल्यूएस से जुड़े गरीब सवर्णों को क्यों नहीं मिलेगा? तीसरा, महिलाओं और युवाओं को क्यों नहीं?किसानों-मजदूरों-कारीगरों को क्यों नहीं? सिर्फ सरकारी ठेकों में ही क्यों, प्राइवेट ठेकों और ग्लोबल ठेकों में क्यों नहीं? चतुर्थ, सिर्फ कर्नाटक में ही क्यों, हिमाचल प्रदेश आदि कांग्रेस या इंडिया गठबंधन शासित राज्यों में क्यों नहीं? खैर, सवालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी हो सकती है और जवाब सिर्फ यही कि कांग्रेस की कमान बैकडोर से वैसे लोगों के हाथों में जा चुकी है जो इस पार्टी को जनमानस में अलोकप्रिय बनाने पर आमादा हैं।

दृष्टि कोण

देशहित में है राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का निर्धारण

रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की पुरजोर सिफारिश करने वाले एन.एन. वोहरा एक समय रक्षा सचिव और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। 'भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां' नामक किताब वोहरा द्वारा संपादित निबंधों का एक मौलिक संग्रह है, जिसको लेकर उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में दिवंगत जनरल बिपिन रावत और जनरल अनिल चौहान -दोनों चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ- के साथ चर्चा की थी और कई सार्वजनिक व्याख्यान भी दिए हैं। गत 28 फरवरी को हुई नवीनतम चर्चा में, उन्होंने दो मुद्दों पर जोर दिया : राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का अभाव; और राष्ट्रीय सुरक्षा वार्ता में पारदर्शिता की कमी। उन्होंने कई समस्याओं को सूचीबद्ध किया : एकल मंच दृष्टिकोण, अपर्याप्त उच्च रक्षा प्रबंधन, क्रॉस-डोमेन संपर्क की कमी और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों के साथ आंतरिक सुरक्षा को मिलाकर देखने में विफलता। उन्होंने आंतरिक सुरक्षा के लिए अलग से मंत्रालय बनाए जाने पर सुझाव दिया। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन के साथ, उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के तीन मसौदे तैयार किए गए थे, जिनमें से एक तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने अनुमोदित भी कर दिया था, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही तय होने के डर से कोई एक भी सार्वजनिक नहीं हुआ। चौथा मसौदा संभवतः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के पास अटका धूल फांक रहा है। पिछले साल जनरल चौहान के साथ आमने-सामने की बातचीत के दौरान वोहरा उन्हें सहमत कर पाए कि राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत की असल में जरूरत है और 'कुछ लिखा जा रहा है।' हालांकि, इससे पहले, 29 मई, 2024 को लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम दास (से.नि.) की पुस्तक 'इंडियन आर्ट ऑफ वॉर फॉर फ्यूचर चैलेंजेज' के विमोचन के दौरान, जब राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के बारे में पूछा गया, तो जनरल चौहान ने जवाब दिया था : ' लिखित नीति की आवश्यकता नहीं है...हमने बीते 70 वर्षों में कई युद्ध लड़े हैं और प्रबंधन बढ़िया ढंग से किया...।' उसी वर्ष बाद में, जनरल चौहान के समान विचार वाले, एक 'अक्लमंद' जनरल ने सुरक्षा नीति को कलमबद्ध न किए जाने का अनुमोदन यह कहकर किया : 'यह हमारे दिमाग में है।' आधुनिक शासन कला में राष्ट्रीय हितों का प्रबंधन और सुरक्षा हेतु विभिन्न संस्थानों के काम का निष्पादन लिखित योजनाओं एवं आकस्मिकता पर क्रियान्वयन करने पर टिका है। सुरक्षा रणनीति समग्र रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा की समीक्षा कर बनाई जानी चाहिए, इससे जीडीपी के प्रतिशत आधारित संसाधन आवंटन, उच्च रक्षा संगठन और अनिश्चितताओं एवं बड़े पैमाने की व्यवधानों के युग में अंतर्निहित लचीलेपन के साथ रक्षा और सुरक्षा नियोजन में सकल क्षमता का निर्माण हो सकेगा। निवारण उपायों, कूटनीति और विकास को परिवर्तनों के अनुकूल ढलना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पेश करके खलबली मचा दी है। अचानक, यूरोप और नाटो, जो संभवतः अमेरिका से अलग हो जाएंगे, अपने रक्षा बजट को न केवल 2 प्रतिशत, बल्कि 5 प्रतिशत तक बढ़ाने को हाथ-पैर मार रहे हैं। रूस दुश्मन है, लेकिन लगता है अब अमेरिका के लिए नहीं रहा। 1991 में, सोवियत संघ के विघटन के बाद, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ फील्ड मार्शल लॉर्ड ब्रैमल ने इस लेखक से कहा था कि ब्रिटेन का अब कोई दुश्मन नहीं रहा। उन्होंने कहा : 'हम कोई ढूंढ़ रहे हैं'। और उन्हें एक मिल गया। दीर्घकालिक रक्षा नियोजन न होने ने भयावह परिचालन स्थितियों को जन्म दिया। इनमें से एक, जो पिछले दो दशकों से भारत के सामने मुंह बाए खड़ी थी, अब विस्फोटक रूप धर चुकी है : भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान स्कवाड्रनों की संख्या घटकर 31 से भी कम रह गई, जबकि प्रावधान 42 स्क्वाड्रन बनाए रखने का है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अभूतपूर्व कड़ाई से एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हाल ही में कहा : 'हल्के लड़ाकू विमानों की जो संख्या देने का एचएएल ने वादा किया, वह उनकी आपूर्ति देने में विफल रहा है', उन्होंने आगे कहा : 'मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं रहा। वह मिशन मोड में नहीं है।' भारतीय वायुसेना को हर साल 35-40 नए लड़ाकू विमान चाहिये, एचएएल ने 2025 में 24 एलसीए एमके-1ए देने का वादा किया है। एपी सिंह कहते हैं कि बाकी निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए जा सकते हैं। लेकिन 114 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों पर 'आवश्यकता की स्वीकार्यता' वाली स्थिति की अनदेखी और पिछले महीने ट्रम्प-मोदी के संयुक्त बयान में जीई-414 इंजन का उल्लेख नहीं होने के साथ, भारतीय वायु सेना को विकट परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जैसा कि वायुसेना के एक पूर्व प्रमुख ने गत सप्ताह इस लेखक को बताया कि इससे भारतीय वायुसेना दो मोर्चों पर एक साथ भिड़ने की क्षमता रखने में असमर्थ हो जाती है।

कुछ अलग

... ताकि सेफ रहे सेब

दुनिया को नये टैरिफ युद्ध में धकेलने वाले ट्रंप प्रशासन के दबाव की आंच हिमाचल के सेब उत्पादकों तक भी पहुंच रही है। भारत पर सेब आदि उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने के दबाव ने हिमाचल के सेब उत्पादकों के माथे पर चिंता की लकीरें उकेर दी हैं। वे केंद्र सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि किसी भी कीमत पर अमेरिकी सेब पर टैरिफ कम न किया जाए, अन्यथा लाखों उत्पादकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ जाएगी। वे तब से फिक्रमंद हैं जब वर्ष 2023 में आयात शुल्क सत्तर फीसदी से घटाकर पचास फीसदी कर दिया गया था। उनको फिक्र है कि यदि फिर टैरिफ में कमी की गई तो भारतीय बाजार अमेरिका के उच्च गुणवत्ता वाले सस्ते सेब से पट जाएगा। जिससे घरेलू सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आंकड़े इस गंभीर स्थिति को बयां करते हैं कि वर्ष 2018 में जब टैरिफ बढ़ाए गए तो वर्ष 2022-23 तक अमेरिकी सेब का आयात 1.28 लाख मीट्रिक टन से घटकर सिर्फ 4,486 मीट्रिक टन रह गया था। मौद्रिक संदर्भ में देखें तो यह 145 मिलियन डॉलर से घटकर मात्र 5.27 मिलियन डॉलर रह गया था। सेब उत्पादक इस बात को लेकर चिंतित है कि जब वर्ष 2023 में टैरिफ को फिर से वापस पचास फीसदी पर लाया गया तो आयात में करीब 20 गुना वृद्धि हो गई थी। ऐसे में यदि किसी भी तरह की कमी फिर आयात शुल्क में की जाएगी तो भारतीय बाजार वाशिंगटन सेब से पट जाएंगे। फिर भारतीय प्रीमियम सेब से बहुत कम कीमत पर मिलने के कारण गुणवत्ता का विदेशी सेब उपभोक्ताओं की प्राथमिकता बन जाएगा। खासकर संपन्न तबके की पहली पसंद बन जाएगा। इस चिंता ने घरेलू सेब उत्पादकों की नींद उड़ा दी है। उन्हें डर कि पौष्टिकता व रस की गुणवत्ता में भारतीय सामान्य सेब अमेरिकी सेब का मुकाबला नहीं कर पायेगा। लोगो में आम धारणा रहती है कि विदेशी सेब ज्यादा अच्छा होगा। बहरहाल, अमेरिकी सेब पर टैरिफ घटाने की आशंका से सात लाख सेब उत्पादकों की आजीविका पर खतरा मंडराने लगा है। इसकी वजह यह भी कि अमेरिकी व्यापार वार्ता में कृषि टैरिफ घटाना मुख्य मुद्दा है। हालांकि, भारत जो उच्च आयात शुल्क लगाता है वह सोयाबीन पर 45 फीसदी, मक्का पर 50 फीसदी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 150 फीसदी है। अमेरिकी मांग है कि उसके कृषि निर्यात के लिये अवरोध कम किए जाएं। लेकिन निर्विवाद रूप से व्यापार एकतरफा नहीं हो सकता। अगर भारत को रियायतें देनी ही हैं तो उसे अपने उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के लिये पारस्परिक बाजारों में पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेब उत्पादक पहले ही सस्ते ईरानी आयातों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। ईरानी सेब भारतीय बाजार में पचास-साठ रुपये कम कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से गैर-प्रीमियम गुणवत्ता वाले सेबों का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद मुश्किल है। स्थानीय सेब उस दर पर आयातित सेबों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, क्योंकि राज्य में उत्पादन व परिवहन लागत ज्यादा है। यह बात जगजाहिर है कि हिमालय के पहाड़ी इलाकों के कारण उच्च उत्पादन लागत से किसान जूझ रहे हैं। जिसमें मशीनीकरण असंभव हो जाता है। इसके विपरीत, अमेरिकी सेब उत्पादक अत्यधिक मशीनीकृत खेती और बड़े पैमाने पर सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं। यही असंतुलन भारत में सेब उद्योग को अनियमित आयातों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनाता है। भारतीय उत्पादकों के लिये सुरक्षात्मक उपाय किए बिना किसी भी तरह की टैरिफ कटौती पहले से ही संकट में पड़े फल उद्योग को पंगु बना देगी। वहीं दूसरी ओर 'वोकल फॉर लोकल' को एक नारे से अधिक व्यवहार में लाना है तो भारत को आंख मूंदकर आयात शुल्क कम करने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

देश दुनिया से

आजीविका : वानिकी में समाधान

हिमालयी राज्यों में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की समस्या विकट बनती जा रही है। विकास की दिशा और तरीका या मॉडल समस्या को समझ कर संतुलित रास्ता तलाशने के बजाय मुख्यधारा मॉडल पर ही आगे बढ़ रहा है, जिससे समस्या और बढ़ती जा रही है। एक ओर पूंजी का दबाव है, दूसरी ओर आम आदमी की बढ़ती अपेक्षाएं हैं। कोई रुक कर सोचने को तैयार नहीं है कि हमारे तौर तरीकों का प्रकृति पर क्या असर पडने वाला है। सब जल्दबाजी में हैं कि कब करोड़पति बन जाएं। इस अंधी होड़ में प्रकृति लगातार जख्मी होकर संदेश दे रही है कि बहुत हो गया, थोड़ा आसपास के प्रकृति के नुकसान को देख कर सोचने का प्रयास कर लो कि इसका हमारी अपनी ही जिंदगी पर आने वाले समय में क्या असर पडने वाला है। सारा उत्पादन का तरीका 'प्रयोग करो और फैंको' पर आधारित है। इससे एक ओर जहां कचरे के अंबार लगते जा रहे हैं, तो दूसरी ओर जिन जरूरतों को पूरा करने के लिए एक इकाई कच्चे माल की जरूरत थी, उसके बजाय दस गुणा दोहन प्राकृतिक संसाधनों का किया जा रहा है। इससे संसाधनों की कमी तो आएगी ही, साथ ही प्रकृति के संतुलन के बिगड़ जाने का खतरा भी बढ़ता ही जा रहा है। प्रकृति संकेत दे रही है। बेमौसमी बाढ़-सूखा, घटते ग्लेशियर, सूखता पानी, भूस्खलन, प्लास्टिक कचरे का प्रदूषण, जिससे फैलती बीमारियां, जहरीले स्प्रे से फैलती बीमारियां, प्रदूषित पानी, वायु, मिट्टी, जहां नजर डालो वहां जीवनदायी तत्वों का विघटन दिखाई देता है। सुख-सुविधाएं तो बढ़ी हैं, पर किस कीमत पर, यह देखना जरूरी है। इसलिए संतुलन और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए प्रकृति मित्र विकास के मॉडल की बात बार-बार सामने आ रही है, किन्तु सुनता कोई नहीं। पर्वतीय क्षेत्रों की दूसरी बड़ी चुनौती है यहां के आदमी को टिकाऊ आजीविका उपलब्ध कराना। यहां खेती की जमीन तो केवल 10 फीसदी है। उसमें भी केवल चौथा भाग ही सिंचित है। मैदानों में इसके मुकाबले 85 फीसदी जमीनें खेती के अंतर्गत आती हैं। 67 फीसदी वन भूमि है। उसमें से भी 40 फीसदी के लगभग चट्टानें, स्थायी बर्फ वाले क्षेत्र, और वनस्पति-रेखा से ऊपर के क्षेत्र हैं जिनमें घास भी पैदा नहीं होता। ऐसी भौगोलिक परिस्थिति में जिंदा रहने का संघर्ष काफी कठिन हो जाता है। अगर खेती की जमीनों के विस्तार की बात करें तो उसकी संभावना भी मामूली है, क्योंकि जो खेती योग्य थीं, वे पहले ही कृषि कार्य में परिवर्तित हो चुकी हैं। अब बहुत थोड़ा उसमें बढ़ोतरी की गुंजाईश है। उसमें भी वन क्षेत्र खोने का खतरा है, जिसकी इजाजत न तो भारत का कानून देता है और न ही भौगोलिक हालात और पर्यावरणीय चुनौतियां। सरकारें भी दीर्घकालीन सोच से किनारा करके तात्कालिक समाधानों तक सीमित होती जा रही हैं। यहां का मुख्य संसाधन पानी है, किन्तु जलविद्युत से भी पूरा लाभ पर्वतीय राज्यों को नहीं मिल पा रहा है। ज्यादातर बिजली परियोजनाओं से 12 फीसदी मुफ्त बिजली प्रदेश को मिल रही है, जबकि यह हिस्सा कम से कम 25 फीसदी होना चाहिए। क्या ही अच्छा होता यदि खुद पर्वतीय सरकारों को ही नर्म शर्तों पर ऋण देकर उनसे ही परियोजनाएं लगवाई जाती, तो सारी कमाई संसाधनहीन पर्वतीय राज्यों को मिलती और पर्वतीय राज्य कर्जदार न बनते। यहां उद्योगीकरण की संभावना भी उन उद्योगों के लिए है जिनमें 'उच्च मूल्य और कम मात्रात्मक विस्तार' वाला उत्पादन हो। जैसे कि दवाइयों के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ है। या सुगन्धित बूटियों के अर्क आदि निकाल कर कुछ रोजगार खड़े किए जा सकते हैं। फलों के प्रसंस्करण का भी काम बढ़ाया जा सकता है। किन्तु जिन उद्योगों का कच्चा माल भी बाहर से आएगा और बिक्री के लिए भी तैयार माल को बाहर भेजना पड़ेगा, उन उद्योगों के लिए हालात प्रतिस्पर्धा योग्य नहीं रहते। अब जो बड़ा भूभाग वनों के अधीन है, उसके उपयोग को आजीविका की दिशा में मोड़ कर आने वाले समय के लिए टिकाऊ आजीविका के आधार खड़े किए जा सकते हैं। उसके लिए ऐसे वन खड़े करने होंगे जिनको बिना काटे रोजी पैदा की जा सके। इसके लिए चिपको आंदोलन के समय से मांग की जा रही है। एक नारा दिया गया था कि 'रहे सहे वृक्ष बचाओ, पंच जीवन वृक्ष लगाओ'। जीवन वृक्ष ऐसे वृक्ष हैं जो फल, चारा, ईंधन, खाद, रेशा और दवाई देने वाले हों। उनको बिना काटे ही जीवनयापन के लिए आजीविका खड़ी की जा सकती है। ऐसे फलदार वृक्ष जो जंगल के हालात में भी कीमती फल दे सकते हैं, जैसे कागजी अखरोट, जंगली खुमानी, चिलगोजा आदि। हिमालय में 67 फीसदी जंगल होने के बावजूद चारे का अकाल है। चारे के वृक्ष, और विविध प्रकार के घास लगा कर पशुपालन, भेड़ बकरी पालन को लाभदायक बनाया जा सकता है। निचले क्षेत्रों में देसी आम, बेर आदि उगाए जा सकते हैं। कुछ जंगली फल भी उगा कर फसलों में बंदरों द्वारा नुकसान कम किया जा सकता है। भूमिहीन लोगों को यदि भूमि देनी हो और वृक्ष संख्या कम किए बिना यह काम करना हो तो वृक्ष खेती एक बेहतर विकल्प है। इससे लोगों को आजीविका भी मिल जाएगी और पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष आच्छादन भी बना रहेगा। निचले क्षेत्र विशेषकर बाहरी हिमालय और शिवालिक विभिन्न प्रकार के खरपतवारों से अनुत्पादक हो चुके हैं। उनमें यदि उच्च सेलुलोस वाले बांस का बड़े पैमाने पर रोपण किया जाए तो 10 वर्षों के भीतर अच्छा आर्थिक लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। बांस को एथनोल उत्पादन में यदि प्रयोग किया जाए तो इसमें गन्ने के मुकाबले दस गुणा एथनोल बन सकता है। एथनोल की मांग असीमित होगी। यदि ग्रामवन के पुराने या एफआरए के नए प्रावधानों के अंतर्गत ग्राम समुदाय को जोड़ कर ये वन लगाए जाएं तो गांव में अच्छा खासा आजीविका खड़ी की जा सकती है। भटियात के सुहार बीट में कागजी अखरोट के पौधे लगाने का काम सराहनीय है।

विकास की दिशा और तरीका या मॉडल समस्या को समझ कर संतुलित रास्ता तलाशने के बजाय मुख्यधारा मॉडल पर ही आगे बढ़ रहा है, जिससे समस्या और बढ़ती जा रही है। एक ओर पूंजी का दबाव है, दूसरी ओर आम आदमी की बढ़ती अपेक्षाएं हैं।

आप का नजरिया

शीर्षता की सूची में

भारत के प्रमुख शैक्षिक, प्रौद्योगिकी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए बेहद अच्छी खबर है। अब भारत भी शीर्षता की वैश्विक सूची में उपस्थित है। देश के 9 संस्थान शीर्ष 50 संस्थानों की जमात में शामिल हैं और 79 भारतीय विश्वविद्यालयों को भी शीर्षता के तौर पर चिह्नित किया गया है। बीते साल यह संख्या 69 थी। एक दौर ऐसा भी था, जब हमारे संस्थान और विश्वविद्यालय 500 शीर्ष की सूची में भी नहीं आते थे। उसमें भी कोई राजनीतिक और भारत को 'पिछड़े देश' के तौर पर आंकने की मानसिकता रही होगी, क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में भारत शीर्ष देशों की श्रेणी में रहा है। नालंदा, तक्षशिला इसके सांस्कृतिक उदाहरण रहे हैं, लेकिन वक्त के मुताबिक, शिक्षा के आयाम और क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। आज कृत्रिम बौद्धिकता, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग का बिल्कुल परिवर्तित युग है, लिहाजा रोजगार की अपेक्षाएं भी बदली हैं। सुखद और प्रोत्साहित खबर यह है कि भारतीय विश्वविद्यालयों के 24 इंजीनियरिंग संस्थान, सोशल साइंस के 20 और प्राकृतिक विज्ञान के 19 संस्थान शीर्षता की सूची में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह उपलब्धि ऐसे समय हासिल हुई है, जब बहुधा रपटों और सर्वेक्षणों के निष्कर्ष सामने आ रहे थे कि भारतीय स्नातकों में कौशल, हुनरमंदी का घोर अभाव है। अब क्यूएस रैंकिंग सूची में विश्वविद्यालयों और संस्थानों के कौशल संबंधी प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है, नतीजतन स्नातकों की वरीयता में नियोक्ताओं (एंप्लायर) की अपेक्षाओं और दृष्टिकोण में भी काफी सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी हालिया साक्षात्कार में कहा है कि दुनिया कुछ भी कर ले, लेकिन भारत के बिना 'एआई' (कृत्रिम बौद्धिकता) अधूरी है। हालांकि भारत सरकार में कौशल मंत्रालय का गठन प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र रूप से किया था, लेकिन कौशल के नाम पर कुछ भाषण देना या सुनना के अलावा हम ठोस और व्यावहारिक तौर पर इसे आंदोलन नहीं बना सके हैं, लिहाजा हमारे युवा वैश्विक ही नहीं, घरेलू आधार पर भी पिछड़े हैं। बहरहाल हम शीर्षता की जमात में शामिल हो गए हैं, लेकिन क्यूएस 2025 में यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत ज्ञान और अर्थव्यवस्था का शीर्ष गंतव्य, गढ़ बनने में अब भी पीछे है। यह भी रेखांकित किया गया है कि भारत के संभ्रांत और विशिष्ट विश्वविद्यालयों को अपने छात्रों के सीखने के अनुभवों में सुधार की गुंजाइश बेहद जरूरी है। उसी के बाद वे वैश्विक तौर पर अपनी उपस्थिति साबित कर पाएंगे। छात्रों के सीखने के अनुभवों और उन्हें प्रशिक्षित बनाने में बेहतर शिक्षकों, निरंतर निरीक्षण और पाठ्यक्रम विकास आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सूची में शामिल विश्वविद्यालय और संस्थान क्यूएस वरीयता प्रणाली के ऐसे मानदंडों पर लगभग खरे साबित हुए हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली में पर्याप्त प्रशिक्षित शिक्षकों और उनके काम करने की माकूल स्थितियां आज भी हमारी उच्च शिक्षा के लिए बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं। संस्थानों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं अथवा छात्रों के अनुपात में अध्यापक बहुत कम हैं। 2023 की एक कैग रपट में खुलासा किया गया था कि आईआईटी संस्थानों में शिक्षकों की भर्ती नियमित रूप से की जाती रही है, लेकिन अब भी वे उतने नहीं हैं, जितने छात्रों के अनुपात में होने चाहिए। ऐतिहासिक कमजोरी यह है कि ऐसे शिक्षकों की संख्या को वैज्ञानिक तौर पर कभी भी तय नहीं किया गया। 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एक कार्यबल का गठन किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें । स्थिति में सुधार आएगा । पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी–मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुला–कात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता–पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरी–पेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है. राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीये नमः मंत्र का जप करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई–बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक–झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता–पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 19 मार्च 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 12:40 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 08:50 तक
योग : हर्षण सायं 05:36 तक
करण : कौलव प्रातः 11:28 तक
चन्द्र राशि : तुला दोपहर 02:07 तक
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रंग पंचमी , बुधानुराधा अमृत सिद्धि योग रात्रि 08:51 से , शुक्र तारा अस्त रात्रि 06:41 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डबल इंजन की सरकार 'विकसित-भारत, विकसित राजस्थान' के निर्माण के लिए कटिबद्ध : डॉ. बैरवा

जोधपुर,18 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा क्षेत्र लूणी के होली स्नेह मिलन एवं अभिनंदन समारोह 2025 मंगलवार को रॉयल रिसॉर्ट में उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा,संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र लूणी के पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रधान गण का सम्मान किया गया।

उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार 'विकसित–भारत, विकसित–राजस्थान' के निर्माण लिए कटिबद्ध हो कर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए प्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए है।प्रदेशवासियों को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल एवं डीजल की दरों को कम किया गया है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश सरकार कृषि एवं किसान कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि बढ़ाकर 9,000 रूपये किया गया है और गेहूं की एमएसपी पर 150 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकास केंद्रित सोच के अनुरूप 'विकसित लूणी' के लिए सभी जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक अभिनव पहल है। उन्होंने कहा क्षेत्र के विकास के लिए सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर कार्य करेंगे, ये संपूर्ण राजस्थान के लिए एक अनूठा उदाहरण है।संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार लक्ष्य अंत्योदय को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा प्रदेश सरकार के अथक प्रयासों से जल जीवन मिशन की समयावधि वर्ष 2028 तक बढ़ाई गई है, जिससे शेष रहे कार्यों को तय समयावधि में पूर्ण कर आमजन तक समुचित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख

भजनलाल ने 5 प्रकरणों में 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रदान की

जयपुर,18 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति के विचाराधीन 13 प्रकरणों का निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री ने एक प्रकरण में सेवानिवृत्त अधिकारी की पेंशन रोकने तथा 3 प्रकरणों में सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम 16 के अंतर्गत वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का निर्णय किया। साथ ही, उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम–2018 के अंतर्गत प्रस्तुत 5 प्रकरणों में 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति भी प्रदान की।

शर्मा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 3 प्रकरणों में दोष सिद्धि के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन किया। वहीं एक अधिकारी को सीसीए नियम 23 में परिनिन्दा के दंड से बरी किया।

मौसमी बीमारियों को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू

जयपुर,18 मार्च (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने गर्मी के मौसम के दृष्टिगत लू–तापघात एवं मौसमी बीमारियों को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सभी जिलों में पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिलावार लू–तापघात एवं मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए विभागीय अधिकारी मौसमी बीमारियों एवं लू–तापघात को लेकर सभी प्रकार की तैयारियां समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएं। जरूरी उपकरणों, ऑक्सीजन प्लांट, जांच मशीनों इत्यादि की क्रियाशीलता को जांच कर आवश्कतानुसार मेंटीनेंस करवाया जाए। उन्होंने प्रत्येक चिकित्सा संस्थान में जांच–उपचार के माकूल इंतजाम के साथ ही आवश्यक दवाओं की समुचित उपलब्धता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी जिले में दवाओं की आपूर्ति में कोई कमी नहीं रहे। राठौड़ ने सभी चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी चिकित्सा संस्थान में चिकित्सक की कमी है तो संविदा आधार पर या सेवा निवृत्त कार्मिकों की सेवाएं नियमानुसार ली जाए। साथ ही पैरामेडिकल स्टाफ की आवश्यकता होने पर आवश्यकता अनुसार संबंधित जिला कलक्टर से अनुमोदन प्राप्त कर स्थानीय स्तर पर नियमानुसार व्यवस्था करें। यदि कोई उपकरण खराब हो तो तत्काल ई–उपकरण के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाते हुए समाधान सुनिश्चित कराएं।

वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा भारत : बागडे

चूरू,18 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे मंगलवार को चूरू आए। चूरू पहुंचने पर विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुर–ाणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने राज्यपाल का स्वागत व अभिनंदन किया। पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी। विधायक हरलाल सहारण ने राज्यपाल को पंच गौरव से जुड़े उत्पाद तथा जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व एसपी जय यादव ने चंदन कलाकृति स्मृति–चिन्ह के रूप में भेंट की।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। यहां के शूरवीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभमि की रक्षा की है। हम सभी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प में सहयोग दें और हमारी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से मजबूत करें। हम बौद्धिक रूप से सुदृढ़ होंगे तो देश खुशहाल होगा।

फरीदाबाद एसीबी ने 50 करोड़ के गबन मामले में एक और आरोपी किया गिरफ्तार

पलवल,18 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) फरीदाबाद टीम ने 50 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी राशि गबन के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गौतम, जो बीडीपीओ कार्यालय हसनपुर, जिला पलवल में कंप्यूटर ऑपरेटर था, को 17 मार्च 2025 को साक्ष्यों के आधार पर हिरासत में लिया गया। उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी। पूछताछ के दौरान गौतम ने बताया कि उसका दोस्त राकेश, जो हसनपुर बीडीपीओ कार्यालय में लिपिक था, उसे 2017 में वहां नियुक्त करवाया था।

मामले में शामिल शमशेर पंचकूला से फर्जी बजट डीडीपीओ कार्यालय पलवल में भेजता था। फिर यह बजट बीडीपीओ हसनपुर के खाते में ट्रांसफर किया जाता था। बाद में, आरोपी राकेश, गौतम और अन्य साथी नकली फर्म मैसर्स दीपक मैन पावर के नाम पर फर्जी बिल तैयार कर सरकारी राशि निकालते थे। गौतम ने कबूला कि उसके बैंक खाते में करीब 36 लाख रुपए आए थे, जो उसने राकेश को नगद दे दिए थे। इस मामले में पहले ही सात मुख्य आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। वहीं, एक अन्य आरोपी, तेजेंद्र कुमार, जो डीपीओ कार्यालय पलवल में क्लर्क था, अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसीबी ने 10,000 रुपये के इनाम की घोषणा की है।

हवा हवाई घोषणाओं वाला दिशाहीन बजट निराशाजनक :चौटाला

चंडीगढ़,18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बजट को प्रदेश की जनता के लिए निराशाजनक बताया है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पूर्व गठबंधन सरकार की बड़ी परियोजनाओं के लिए बजट न देकर हरियाणा के विकास की दिशा भटकाई है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार के पास प्रदेश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए कोई बड़ा प्लान नहीं है और बिना सोचे समझे बजट में हवा हवाई घो–षणाएं की गई है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बजट में युवाओं के रोजगार, किसान–कमेरे वर्ग और विकसित हरियाणा बनाने के लिए नाममात्र ही घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र और किसानों के लिए सिर्फ 4 फीसदी रखकर सरकार ने दिखा दिया है कि किसान और ग्रामीण आंचल उनकी प्राथमिकताओं में नहीं है। उन्होंने कहा कि ये आश्चर्य की बात है कि सरकार के गठन के 5 महीने बाद भी यह नहीं तय हो पाया है कि 2100 रुपये की सहायता किन महिलाओं को दी जाएगी जबकि बजट में इस योजना को बिना तैयारी के ही शामिल कर लिया गया है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सीएम के बजट भाषण में प्रदेश में स्थापित निजी उद्योगों में हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी का कोई जिक्र नहीं गया, जो कि हमारे युवाओं के साथ धोखा है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व गठबंधन सरकार में हमने इस पर ऐतिहासिक कानून बनाया था। उन्होंने कहा कि गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की बेहतरीन शुरुआत जेजेपी द्वारा की गई थी, लेकिन इस योजना को गति देने के लिए सरकार ने बजट में कोई विशेष प्रावधान नहीं किया है, केवल खानापूर्ति ही की गई है।

कांग्रेस सरकार के समय वर्ष 2008 में

पुलिस निरीक्षक भर्ती में युवाओं के साथ अन्याय हुआ : सैनी

चंडीगढ़,18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि कांग्रेस सरकार के समय वर्ष 2008 में पुलिस निरीक्षक भर्ती में युवाओं के साथ अन्याय हुआ, जोकि चिंता का विषय है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने भी अपने निर्णय में उस समय की अपनाई गई भर्ती प्रक्रिया पर चिंता जाहिर की है।

मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के शून्यकाल में इस भर्ती प्रक्रिया पर उठाए गए मुद्दे पर सदन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि किस प्रकार टॉप पर रहने वाले उम्मीदवार को दरकिनार कर भर्ती नहीं किया गया, जबकि दूसरों को भर्ती किया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही के विधानसभा चुनावों के दौरान भी युवाओं को बहकाने का काम किया और कहा कि 50 वोट दो और एक नौकरी पक्की करो।

हरियाणा में दिखने लगा गर्मी का असर, तापमान में शुरू हुई बढ़ोतरी

चंडीगढ़,18 मार्च (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि हरियाणा समेत उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। उत्तर भारत, खासकर हरियाणा और पंजाब में मौसम ने कुछ दिनों तक राहत दी थी। सूरज की तपिश कम हुई और वातावरण में ठंडक छाई रही। लेकिन लगता है कि यह सुहाना मौसम अब अलविदा कह रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने साफ कहा है कि गर्मी अपने तीखे तेवर दिखाने को तैयार है। अगले हफ्ते तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी और लोगों को उमस भरी उमस से जूझना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक हरियाणा में बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की है, इसलिए कुछ हद तक निराश होना पड़ सकता है। आसमान साफ रहेगा, सूरज लगातार चमकता रहेगा। इसलिए मौसम शुष्क हो जाएगा और पारा चढ़ता रहेगा। पिछले 24 घंटों में हरियाणा का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है, जबकि रात का न्यूनतम तापमान भी 10 डिग्री से ज्यादा है। दूसरे शब्दों में कहें तो रात में भी राहत नहीं मिलेगी।

गर्मी का दौर शुरू होने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण पिछले कुछ दिनों में मौसम में थोड़ी नरमी आई है। हल्की बारिश और बादलों के छाए रहने से तापमान नियंत्रण में रहा, लेकिन अब यह सब इतिहास में मिटने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार 20 से 23 मार्च के बीच गर्मी बढ़ने लगेगी। 18 मार्च को हरियाणा पूरी तरह शुष्क और गर्म रहेगा। अभी से लेकर अगले पांच दिनों के बीच गर्मी और उमस का ऐसा मिश्रण विकसित होगा कि बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है। लोग खुद को बेहद मुश्किल हालात में पाएंगे। तापमान बढ़ने से हवा में नमी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे पसीना आना और चिपचिपाहट होना आम बात हो जाती है। सूरज की तपिश इतनी तेज होगी कि लोग दिन भर अपने घरों में दुबके रहेंगे।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल गर्मी पिछले सालों के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ सकती है। अभी बारिश या ठंडी हवाएं चलने की कोई उम्मीद नहीं है, इसलिए लोगों को गर्मी से निपटने के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। क्या करें, इससे कैसे बचें? ऐसे हालात में हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। पूरे दिन पानी, नींबू पानी या अपनी पसंदीदा ठंडी ड्रिंक पीते रहें। अगर आपको धूप में बाहर जाना है तो छाता या टोपी साथ लेकर जाएं और हल्के कपड़े पहनें। नहीं तो यह मौसम अप्रिय हो सकता है; इसलिए मौसम विभाग भी गर्मी से बचने के लिए सावधानी बरतने की सलाह देता है।

नगरीय निकायों के अध्यक्ष 25 मार्च को लेंगे शपथ, पंचकूला में होगा समारोह

पंचकूला,18 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के साथ ही अब जश्न का माहौल है। सोमवार को पंचकूला स्थित पार्टी कार्यालय 'पंचकमल' में एक अनूठा स्वागत एवं अभिनंदन समारोह हुआ। इस सम्मेलन में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों, निर्वाचित महापौरों एवं अध्यक्षों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। खास बात यह है कि 25 मार्च को पंचकूला में भाजपा के प्रत्येक विजयी पार्षद, महापौर एवं अध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह होना है। आइए इस रिपोर्ट के माध्यम से जानें कि इस समारोह को क्या खास बनाता है। डॉ. नरेंद्र सिंह सैनी के मुताबिक 'पंचकमल' में आयोजित समारोह में प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली एवं संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी एवं प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर कहा, हमारी पूरी टीम की मेहनत का परिणाम यह हुआ है कि हम इस जीत तक पहुंचे हैं। प्रदेश प्रभारी, अध्यक्ष और संगठन मंत्री के मार्गदर्शन में हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। फिर भी, हरियाणा की जनता, जिसने हमें अपार प्यार और सहयोग दिया है, सबसे अधिक धन्यवाद की पात्र है।

उन्होंने हाल ही में नामित सभी नेत–ाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि जीत का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपने भाषण में सीएम सैनी ने एक खास बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, पार्टी ने आप पर भरोसा जताया है, अब हमें उस भरोसे को तीन गुना मेहनत से पूरा करना है। कुशल सहयोग से ही हरियाणा नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। यह सुनकर सभी उपस्थित नेता और कार्यकर्ता उत्साहित हो गए।

सैनी ने कहा कि हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनना इसी मेहनत को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में पेश किए गए बजट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उम्मीद है कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जाएगा। हमने उनके विजन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा का बजट तैयार किया है। सैनी ने बड़े उत्साह के साथ कहा कि पीएम मोदी के अभियान में हरियाणा के लोग सर्वोपरि होंगे। डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने भी बजट की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह उप सरकार का बजट हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और हरियाणा को विकसित बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। कर्मचारियों के प्रयासों से मिली सफलताः कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों की जमकर सराहना करते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम किया जाना चाहिए। आप सभी ने मिलकर कड़ी मेहनत की है, इसी का नतीजा है कि हमें इतनी शानदार जीत मिली है। वहीं, मोहन लाल बड़ौली ने निवर्तमान जिला अध्यक्षों और चुनाव प्रभारियों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने अथक परिश्रम किया, जिसका नतीजा अब सबके सामने है। अब निकाय अध्यक्षों को 25 मार्च का इंतजारः फिलहाल सबकी निगाहें 25 मार्च पर टिकी हैं, जब पंचकूला में यह महत्वपूर्ण शपथ ग्रहण समारोह होगा। यह दिन न केवल भाजपा के लिए, बल्कि पूरे हरियाणा के लिए महत्वपूर्ण होगा। नवनिर्वाचित पार्षद, महापौर और चेयरमैन शपथ लेंगे और विकास की नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

संभल में हुआ पुलिस का फ्लैग मार्च

लुटेरे के सम्मान में होने वाले नेजा मेले पर रोक

संभल, 18 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस-प्रशासन ने सैयद सालार मसूद गाजी की याद में लगने वाले नेजा मेले की अनुमति नहीं दी। इसके साथ ही सुरक्षा के तहत घंटाघर के पास फोर्स तैनात कर दी। एएसपी ने कमेटी से कहा कि सालार मसूद गाजी लूटेरा था, इसलिए उसकी याद में ढाल और झंडा नहीं लगाने दिया जाएगा। पुलिस ने इलाके में सीसीटीवी निगरानी और फ्लैग मार्च कर शांति बनाए रखने की अपील की।

सैयद सालार मसूद गाजी की याद में लगने वाले नेजा मेले की अनुमति पुलिस-प्रशासन ने देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही घंटाघर के नजदीक भी फोर्स तैनात कर दिया गया है। इस इलाके में नेजा मेले की ढाल लगाई जाती थी। जिस स्थान पर यह ढाल लगाई जाती उस स्थान को भी सीमेंट से बंद करा दिया और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है।

एएसपी श्रीषचंद्र और सीओ अनुज चौधरी ने फोर्स के साथ बाजार में फ्लैग मार्च किया और शांति बनाए रखने की अपील की। एएसपी ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को ढाल लगाकर नुकसान पहुंचाया जाता था। इस कुरीति को होने नहीं दिया जाएगा। मंगलवार को धार्मिक नगर नेजा कमेटी द्वारा घंटाघर के नजदीक कोतवाली के सामने ढाल और झंडा लगाने की परंपरा होती थी। यह परंपरा सैयद सालार मसूद गाजी की याद में निभाई जाती थी। सोमवार को एएसपी श्रीषचंद्र ने कमेटी से कहा था कि सैयद सालार मसूद गाजी लूटेरा और हत्यारा था। इसलिए उसकी याद में ढाल और झंडा नहीं लगाने दिया जाएगा। यदि यह झंडा और ढाल जानबूझकर लगाई जाती रही है तो देशद्रोह है।

सैयद सालार मसूद गाजी ने अपने मामा महमूद गजनवी के साथ मिलकर सोमनाथ मंदिर और अन्य मंदिरों को लूटा था। वह महमूद गजनवी का सेनापति था। देश को लूटने वाले की याद में मेला नहीं लगेगा। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह से ही पुलिस सतर्क दिखाई दी और बाजार में फ्लैगमार्च किया। नेजा मेला ढाल और झंडा लगने के एक सप्ताह बाद शुरू होता है। इस बार 25 मार्च को शहबाजपुर सूरा नगला में मेला होना था। इसके बाद 26 मार्च को नगर पालिका परिसर और 27 मार्च को हसनपुर मार्ग पर स्थित बादल गुंबद पर आयोजन होना था। इन तीनों ही स्थानों पर मेले का आयोजन नहीं किया जाएगा। इन तीनों ही स्थानों पर मजार हैं और सैकड़ों की संख्या में लोग चादरपोशी करने पहुंचते थे।

धार्मिक नगर नेजा कमेटी के अध्यक्ष शाहिद हुसैन मसूदी ने कहा कि नेजे की ढाल और झंडा लगाने से आठ दिन पहले एसडीएम को पत्र देकर अवगत करा दिया था। उस समय अधिकारियों ने आपत्ति नहीं की थी। सोमवार को अचानक से अनुमति दिए जाने से मना कर दिया। सदियों से निभाई जा रही परंपरा को इस पूरा नहीं करने दिया जा रहा है। अध्यक्ष ने कहा कि वह उच्च अधिकारियों से मांग उठाएंगे कि नेजा मेले का आयोजन कराया जाए। लाखों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। संभल के एएसपी श्रीषचंद्र ने कहा, नेजा मेला कुरीति है। इसलिए मेला लगने नहीं दिया जाएगा। जहां ढाल लगाई जाती थी वह सड़क है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता था। रास्ता भी बाधित होता था। इसलिए वहां सीसीटीवी कैमरे के साथ फोर्स को लगा दिया है। उस स्थान को भी सीमेंट से बंद करा दिया है जिसमें ढाल लगाई जाती थी।

बटलर पैलेस को बुक कैफे बनाने की तैयारी

सांस्कृतिक केंद्र रूप में विकसित होगी शत्रु-संपत्ति

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक इमारतों का संरक्षण कर उसे सांस्कृतिक व ऐतिहासिक केन्द्र के रूप में पुनर्स्थापित कर रही योगी सरकार ने लखनऊ में स्थित बटलर पैलेस को बुक-कैफे बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के अनुसार, इस बुक कैफे में प्रदर्शनी, वर्कशॉप व आर्ट गैलरी समेत विभिन्न गतिविधियों का संचालन होगा।

उल्लेखनीय है कि 1915 में राजा महमूदाबाद ने अवध प्रांत के डिप्टी कमिश्नर सर स्पेंसर हारकोर्ट बटलर की स्मृति में पैलेस की नींव रखी थी। ऐसे में, योगी के विजन को मिशन मानकर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने पैलेस की मूल संरचना को संरक्षित करते हुए मेकओवर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया को एलडीए द्वारा गठित विशिष्ट टीम द्वारा प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) माध्यम से पूरा किया जाएगा।

परियोजना के अनुसार, मार्च 2025 तक बटलर पैलेस के बुक पैलेस के संरक्षण व विकास कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत साइट क्लीयरेंस, संरचनात्मक मरम्मत, बाहरी अग्रभाग संरक्षण, बुनियादी वायरिंग और संचालन जैसे कार्यों को विशिष्ट टीम की देखरेख में पूरा किया जाएगा। भवन के सार्वजनिक संपर्क को बढ़ाकर स्थानीय लोगों में विरासत के प्रति जागरूक किया जाएगा। बटलर पैलेस का उपयोग मुख्यतः बुक कैफे के रूप में किया जाएगा जहां अध्ययन सामग्री के साथ ही स्नैक्स व पेय पदार्थ भी विजिटर्स के लिए उपलब्ध होगा। यहां विभिन्न प्रकार के आयोजन भी होंगे जिनके संचालन व प्रचार-प्रसार के लिए कोचिंग संस्थानों का सहयोग भी लिया जाएगा।

बटलर पैलेस में बनने वाले बुक कैफे में स्थानीय संस्कृति व विरासत को बढ़ावा देने वाली कार्यशालाओं व कक्षाओं का आयोजन होगा। स्थानीय कलाकारों और ऐतिहासिक विषयों पर प्रकाश डालने वाले प्रदर्शनियों तथा फ़िल्म स्क्रीनिंग के लिए भी जगह का उपयोग हो सकेगा। यहां एक आर्ट गैलरी की भी स्थापना की जाएगी, जो पैलेस व आसपास के क्षेत्र के इतिहास पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही, लखनऊ के इतिहास और जनश्रुतियों से जुड़ी कहानियों को प्रदर्शित करने वाले लाइट एंड साउंड शो का भी यहां संचालन हो सकेगा। बटलर पैलेस का इस्तेमाल कला प्रदर्शनियों, शिल्प मेले, स्थानीय उत्पादों व हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी जैसे कार्यों के लिए भी हो सकेगा।

औरंगजेब की कब्र तोड़ने वाले को 5 बीघा जमीन और 11 लाख रुपए

मुजफ्फरनगर, 18 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर जनपद में शिवसेना ने औरंगजेब की कब्र हटाने वाले को पांच बीघा जमीन और 11 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। मंगलवार को कार्यकर्ताओं ने औरंगजेब का समर्थन करने वालों के खिलाफ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया।

मुजफ्फरनगर जनपद में शिव-सेना कार्यकर्ताओं ने औरंगजेब का समर्थन करने वालों के खिलाफ मंगलवार दोपहर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। डीएम उमेश मिश्रा को प्रधानमंत्री के नाम तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। शिवसेना जिला अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा ने घोषणा कर कहा कि जो भी व्यक्ति या संगठन औरंगजेब की कब्र को तोड़ेगा, उसे सिखेड़ा गांव में पांच बीघा जमीन व 11 लख रुपए दिए जाएंगे। शिवसेना के कार्यकर्ता मंगलवार दोपहर पुरानी तहसील स्थित शिव सेना कार्यालय पर एकत्र हुए। यहां से औरंगजेब समर्थकों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे। वहां नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया।

डीएम को ज्ञापन सौंपने के बाद शिवसेना नेता मनोज सैनी ने कहा कि औरंगजेब ने एक क्रूर विदेशी शासक था। जिसने हिंदुओं पर अत्याचार कर हजारों मंदिरों को ध्वस्त किया। इसके बाद भी भारत में रहने वाला कोई भी व्यक्ति औरंगजेब का समर्थन करता है तो उसकी भारत की नागरिकता समाप्त कर देश से बाहर निकाला जाए। औरंगजेब सहित सभी विदेशी क्रूर शासकों की कब्रों को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व में भारत सरकार ने जो मुगल शासकों के नाम से सड़कों व नगरों का नामकरण किया है, उनके नाम बदलकर देशभक्तों के नाम से उनका नामकरण किया जाए। मंडल अध्यक्ष लोकेश सैनी ने बताया कि औरंगजेब की कब्र महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के खलीलाबाद में है। शिवसेना ने कब्र को तोड़ने वाले को जमीन व रुपए देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ने की पुलिस परियोजनाओं की समीक्षा

गृह विभाग की टीम करेगी स्थलीय निरीक्षण, सीएम को रिपोर्ट देगी

लखनऊ, 17 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज पुलिस विभाग के अन्तर्गत प्रचलित एवं प्रस्तावित नई परियोजनाओं के काम की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परियोजनाओं पर कार्य संचालित हैं, गृह विभाग उनकी प्रगति की नियमित मॉनीटरिंग करेगा और सभी कार्यों की गुणवत्ता सुनिष्चित करेगा। गृह विभाग की टीम स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेगी कि सभी कार्य तय मानकों के अनुसार किए जा रहे हैं। फील्ड के अधिकारियों को भी इन कार्यों के प्रति जवाबदेह बनाया जाएगा। सीएम ने कहा कि

जो परियोजनाएं प्रस्तावित हैं, उनके लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए निर्माण कार्यों को यथाशीघ्र प्रारम्भ किया जाए।

प्रदेश के सात जनपदों वार-ाणसी, लखनऊ, गाजियाबाद, आगरा, कानपुर, गौतमबुद्धनगर तथा प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट भवन बनाए जाने हैं। इसी तरह आठ जनपदों हापुड़, चन्दौली, औरैया, सम्भल, अमरोहा, शामली, अमेठी तथा कासगंज में पुलिस लाइन के आवासीय तथा अनावासीय भवनों का निर्माण किया जाना है। जनपद लखनऊ, गोरखपुर तथा बदायूं में पीएसी वाहिनी (महिला) की स्थापना हेतु आवासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूरे किए जाएं। जनपद जालौन, बलरामपुर तथा मिर्जापुर में 03 नई पीएसी वाहिनी (महिला) की स्थापना होनी है। इनके लिए उपयुक्त स्थान का चयन कर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

जनपद गौतमबुद्ध नगर तथा शामली में पीएसी वाहिनी (पुरुष) के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनपद सम्भल, बिजनौर तथा अयोध्या में पीएसी वाहिनी (पुरुष) की स्थापना किए जाने हेतु भूमि खरीद की कार्रवाई तेजी से हो रही है। जनपद लखनऊ में विशेष सुरक्षा बल के मुख्यालय 01वीं वाहिनी विशेष सुरक्षा बल की स्थापना हेतु आवासीय/अनावासीय भवनों तथा जनपद गोरखपुर में उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की दूसरी वाहिनी की स्थापना हेतु आव-ासीय/अनावासीय भवनों का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश में विशेष सुरक्षा बल की 04 नई वाहिनियां गठित की जानी हैं। इनके लिए जनपद अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा तथा सहारनपुर में उपयुक्त स्थल का चयन कर भवनों का निर्माण किया जाएगा।

वैश्विक चर्चा में दुनिया जानेगी महाकुंभ की सफलता की रणनीति

महाकुंभ की सफलता पर राजधानी में होगा शिखर सम्मेलन

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। महाकुंभ की सफलता और योगी सरकार के कुशल प्रबंधन की दूरदर्शिता को जानने-समझने के लिए 19 मार्च को राजधानी लखनऊ में सार्वजनिक स्वास्थ्य और जल शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश के जाने माने वैज्ञानिक, जल विशेषज्ञ, पर्यावरणविद और विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

पहली बार महाकुंभ में स्वच्छता, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं और श्रद्धाल-ुओं की सुविधा के लिए जो उपाय किए गए वे वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं।

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के सहयोग से महाकुंभ में जल प्रबंधन, गंगा की स्वच्छता, आधुनिक तकनीक का उपयोग और आपदा प्रबंधन को सफलतापूर्वक लागू किया गया। सम्मेलन में सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण संतुलन पर चर्चा होगी। इसमें विशेषज्ञ बताएंगे कि कैसे आधुनिक तकनीकों और समन्वित प्रयासों से गंगा को स्वच्छ बनाए रखते हुए करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

महाकुंभ के दौरान योगी सरकार ने नमामि गंगे मिशन के तहत गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए। घाटों की सफाई, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, जैविक शौचालयों और कचरा प्रबंधन प्रणाली को लागू किया गया। जिससे यह महाकुंभ अब तक का सबसे स्वच्छ और दिव्य महाकुंभ बन सका। इस शिखर सम्मेलन में कई गैर-सरकारी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता, शोधकर्ता और नीति निर्धारक भी शामिल होंगे। वे योगी सरकार के प्रयासों को समझने के साथ ही भविष्य में ऐसे भव्य आयोजनों के लिए अपने सुझाव भी देंगे।

महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर दुनियाभर में चर्चा हो रही है। इस तरह के शिखर सम्मेलनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों और नवाचारों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। इस आयोजन से भविष्य में बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक नया मानक स्थापित हो गया है।

कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट पर नौ करोड़ का गृहकर बकाया

नगर निगम में सीज़ कर दिया इंस्टीट्यूट का बैंक खाता

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ नगर निगम में गृहकर बकाया होने पर शहर स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट पर बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम ने कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट एंड हॉस्पिटल का बैंक खाता सीज कर दिया है। यह कार्रवाई 9.02 करोड़ रुपए गृहकर बकाए को लेकर की गई है।

चालू वित्तीय वर्ष में नगर निगम ने 700 करोड़ रुपए गृहकर वसूली का लक्ष्य रखा है। जिसमें अब तक 442 करोड़ रुपए गृहकर ही वसूल किया जा सका है जबकि चालू वित्तीय वर्ष में अब महज 13 दिन बचे हैं। ऐसे में अब नगर निगम प्रशासन ने गृहकर के बड़े बकाएदारों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। जिसको लेकर ही नगर निगम जोन आठ की टीम ने मंगलवार को कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट का बैंक खाता सीज कर दिया।

जोनल अधिकारी अजीत राय ने बताया कि खाता सीज करने से पहले अस्पताल प्रबंधन को पूरा मौका दिया गया। एक साल से बकाया टैक्स की वसूली को लेकर प्रयास किए जा रहे थे। बिल और नोटिस भी जारी की गई। उसके बाद भी जब टैक्स जमा नहीं तब कैंसर इंस्टीट्यूट का स्टेट बैंक की एसजीपीजीआई शाखा का बैंक खाता सीज कर दिया गया। अब यह तभी खोला जाएगा जब अस्पताल प्रबंधन बकाया टैक्स जमा करेगा।

करीब 20 दिन पहले आवास विकास परिषद के अवध शिल्प ग्राम ऑडिटोरियम का बैंक खाता सीज किया गया था। उस पर 1.61 करोड़ रुपए गृहकर बकाया है। खाता सीज होने के बाद अब आवास विकास परिषद ने सत्यापन को लेकर टीम बनाई है और यह वादा भी किया है कि 31 मार्च से पहले टैक्स जमा कर दिया जाएगा। जब तक टैक्स जमा नहीं होगा खाता नहीं खोला जाएगा।

हरभजन और आकाश ने बताया बढ़ती उम्र में भी धोनी के अच्छे प्रदर्शन का कारण

नई दिल्ली,18 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 43 साल की उम्र में एक बार फिर से आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे। हर बार धोनी के संन्यास की अटकलें लगायी जाती हैं और वह सभी को गलत साबित करते हुए मैदान पर उतर जाते हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने पांच बार खिताब भी जीता था हालांकि अब उन्होंने कप्तानी छोड़ दी है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा ने बढ़ती उम्र में भी अच्छे प्रदर्शन का राज बताया है। हरभजन और आकाश ने कहा कि धोनी ने अपनी फिटनेस बनाये रखी है और वह नियमित 2 से 3 घंटे अभ्यास भी करते हैं। धोनी ने साल 2024 के सत्र में 14 मैचों में खेले थे और 13 छक्कों की मदद से 161 रन बनाए थे। आईपीएल 2025 से पहले भी वह सीएसके के कैंप में अभ्यास करते नजर आए।। हरभजन ने कहा, पिछले साल वह शानदार थे।

मैं हाल ही में उनसे मिला। वह बहुत फिट दिख रहे थे। मैंने उससे पूछा, क्या यह मुश्किल नहीं है, जो तुम कर रहे हो उसने कहा, यह कठिन है, लेकिन यह एकमात्र चीज है जो मुझे करना पसंद है। मैं इसका आनंद लेता हूं। आप जानते हैं, वह दूसरों की तुलना में कुछ बेहतर कर रहे होंगे।

वह अभी भी हावी हैं। उन्होंने आगे बताया, पिछले सत्र में, वास्तव में, उन्होंने सभी गेंदबाजों, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों और घरेलू शीर्ष श्रेणी के गेंदबाजों पर दबदबा बनाया। इसलिए वह 2-3 महीने तक अभ्यास करते हैं क्योंकि उन्हें बहुत सारी गेंदों का सामना करना पड़ता है।

वह सबसे पहले आते हैं। आप जितनी ज्यादा गेंदें खेलते हैं, उतनी ही आपको वह टाइमिंग मिलती है और उतना ही आपको वह फ्लो मिलता है। वह लगातार बल्लेबाजी करते रहते हैं। चेन्नई में वह 2-2, 3-3 घंटे बल्लेबाजी करते हैं। यही बात मायने रखती है। वह मैदान पर आने वाले पहले व्यक्ति होते हैं, जाने वाले आखिरी व्यक्ति होते हैं। इस उम्र में, यही अंतर है। वहीं, आकाश ने कहा कि वह अपने प्रति बहुत ईमानदार हैं और जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह भी लगता है कि वह अपनी क्षमताओं के प्रति बहुत ईमानदार हैं। और यह ईमानदारी बहुत मायने रखती है।

न्यूज ब्रीफ

संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स टीम से जुड़े, विकेटकीपिंग पर संशय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान संजू सैमसन, जिन्होंने पिछले महीने उंगली की सर्जरी करवाई थी, सोमवार को टीम से जुड़ गए हैं। सैमसन बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। हालांकि, यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि वह तुरंत विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं। अगर सैमसन पूरी तरह फिट नहीं होते हैं, तो ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभा सकते हैं। गौरतलब है कि जुरेल ने फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में सैमसन की गैरमौजूदगी में विकेटकीपिंग की थी। उस मैच में जोफ्रा आर्चर की एक तेज गेंद सैमसन की उंगली पर लगी थी, जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस बीच, ऑलराउंडर रियान पराग भी कंधे की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने को तैयार हैं। चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहे थे, लेकिन रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में वापसी करते हुए उन्होंने सौराष्ट्र के खिलाफ पहली पारी में अर्धशतक जमाया और 26 ओवर की गेंदबाजी भी की। राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में खेलेगा। इसके बाद टीम दो लगातार घरेलू मैच खेलेगी—26 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स और 30 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, दोनों मुकाबले गुवाहाटी में होंगे।

मार्कस थुराम टखने की चोट के कारण क्रोएशिया के खिलाफ नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल से बाहर

पेरिस। फ्रांस की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फारवर्ड मार्कस थुराम टखने की चोट के कारण यूईएफए नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल में क्रोएशिया के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं। फ्रांस की मेडिकल टीम ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। डिडिएर डेशैम्प्स द्वारा इस हफ्ते के मैचों के लिए चुने गए 24 खिलाड़ियों में से थुराम एकमात्र ऐसे खिलाड़ी थे, जो क्लेयरफोंटेन में खुले प्रशिक्षण सत्र में भाग नहीं ले सके। इंटर मिलान के लिए खेलने वाले 27 वर्षीय थुराम अब तक 29 अंतरराष्ट्रीय मैचों में फ्रांस का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और दो गोल कर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में चैंपियंस लीग में फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए थे लेकिन दोनों मैचों में करीब एक घंटे बाद उन्हें मैदान से हटाया गया था। रविवार को उन्होंने सीरी ए में अटलांटा के खिलाफ इंटर मिलान की 2-0 की जीत में भी हिस्सा लिया था लेकिन इसके बाद उनकी चोट गंभीर हो गई। फ्रांस की मेडिकल टीम ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि थुराम की अनुपस्थिति में किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। फ्रांस का पहला क्वार्टरफाइनल मुकाबला गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ स्प्लिट में होगा, जबकि रविवार को दूसरा चरण स्टेड डी फ्रांस, पेरिस में खेला जाएगा।

आईपीएल उद्घाटन समारोह में श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी सहित कई सितारें कार्यक्रम पेश करेंगे

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के उद्घाटन सत्र में इस बार बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी और पंजाबी पॉप सिंगर करण औजला कार्यक्रम पेश करेंगे। इनके अलावा वरुण धवन और श्रद्धा कपूर भी इसमें शामिल हो सकते हैं। वहं पिछले सत्र में अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, गायक सोनू निगम और एआर रहमान ने आईपीएल में कार्यक्रम पेश किया था। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि आईपीएल उद्घाटन समारोह के लिए 25 मिनट का समय तय किया गया है, जिससे मैच की मनोरंजक शुरुआत हो सके। उन्होंने कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है पर कहा कि यह एक भव्य आयोजन होगा। गांगुली ने कहा कि हम उद्घाटन समारोह का आयोजन करेंगे, हालांकि हमें अभी तक नहीं पता कि कौन-कौन प्रस्तुति देंगे।

न्यूजीलैंड ने दूसरे टी-20 में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की ली बढ़त

डुनेडिन,18 मार्च (एजेंसियां) ।

टिम सीफर्ट और फिन एलेन की धमाकेदार पारियों और कीवी तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली।

इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बेन सियर्स (2/23) और जैकब डफी (2/20) ने पाकिस्तानी ओपनर्स मोहम्मद हारिस (11) और हसन नवाज (0) को जल्दी पवेलियन भेज दिया, जिससे पाकिस्तान का स्कोर 3.1 ओवर में 19/2 हो गया।

इसके बाद कप्तान सलमान अली आगा और इरफान खान ने स्कोर को छह ओवरों में 36/2 तक पहुंचाया लेकिन जल्द ही इरफान (11) और खुशदिल शाह (2) को ईश सोढ़ी ने अपना शिकार बनाया और पाकिस्तान का स्कोर 7 ओवर में 4 विकेट पर 52 रन हो गया। सलमान अली आगा ने 28 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 46 रन की अहम पारी खेली लेकिन सियर्स ने उन्हें पवेलियन भेजकर पाकिस्तान का स्कोर 9.2 ओवर में 5 विकेट पर 76 रन कर दिया। नीचे के क्रम में शादाब खान (14 गेंदों में 26 रन, दो चौके और दो छक्के) और शाहीन अफरीदी (14 गेंदों में नाबाद 22 रन, दो चौके और एक छक्का) ने उपयोगी पारियां खेलीं, जिससे पाकिस्तान ने 15 ओवर के वर्षा प्रभावित मैच में 9 विकेट पर 135 रन का स्कोर खड़ा किया। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने आक्रामक शुरुआत की।

फिन एलेन ने मोहम्मद अली के दूसरे ओवर में तीन छक्के लगाए जबकि टिम सीफर्ट ने शाहीन शाह अफरीदी के अगले ओवर में चार छक्के जड़कर पाकिस्तान के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया।

न्यूजीलैंड ने चार ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिये। अली ने 66 रनों की साझेदारी को तोड़ते हुए सीफर्ट को (32 गेंदों में 45 रन, तीन चौके, पांच छक्के) पर आउट किया, जिससे न्यूजीलैंड का स्कोर 4.4 ओवर में 1 विकेट पर 66 रन हो गया। एलेन ने मार्क चैपमैन के साथ छोटी साझेदारी बनाई लेकिन 16 गेंदों में 38 रन (एक चौका, पांच छक्के) की धमाकेदार पारी खेलकर वह जहानदाद खान की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए, जिससे न्यूजीलैंड 6.5 ओवर में 2 विकेट पर 87 के स्कोर पर पहुंच गया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने जल्दी-जल्दी मार्क चैपमैन (1) और जेम्स नीशम (5) के विकेट गंवाए और 8.3 ओवर में 97 पर 4 विकेट खो दिया।

ईश सोढ़ी न्यूजीलैंड के शीर्ष 10 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल

डुनेडिन। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को डुनेडिन में खेले गए दूसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। इस जीत के साथ ही कीवी लेग स्पिनर ईश सोढ़ी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह न्यूजीलैंड के लिए सभी प्रारूपों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 10 गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। सोढ़ी ने इस मैच में दो विकेट चटकाए, जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल विकेटों की संख्या 264 हो गई। इसके साथ ही उन्होंने न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज इवान जॉन चैटफील्ड (263 विकेट) को पीछे छोड़ दिया। सोढ़ी अब न्यूजीलैंड के दसवें सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। 12 साल के करियर में शानदार प्रदर्शन 12 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में सोढ़ी ने अब तक 196 मैच खेले हैं और 264 विकेट चटकाए हैं। उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/39 है, और उन्होंने अब तक दो बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। उनका गेंदबाजी औसत 30.71 और इकॉनमी रेट 5.37 है। भारतीय मूल के ईश सोढ़ी अपने माता-पिता के साथ ऑकलैंड चले गए थे। उन्होंने 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। हालांकि, वह न्यूजीलैंड की टीम में लगातार बने नहीं रह पाए, लेकिन टी20 टीम में वह सबसे अहम गेंदबाज रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर हैं। इस प्रारूप में उन्होंने अब तक 142 विकेट लिए हैं, उनका औसत 22.94 और इकॉनमी 7.97 है। पाकिस्तान का कमजोर प्रदर्शन, न्यूजीलैंड की आसान जीत मैच की बात करें तो इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी फिर से नाकाम रही और केवल सलमान अली आगा (46 रन) ने संघर्ष किया। नीचे के क्रम में शादाब खान (14 गेंदों में 26 रन, दो चौके और दो छक्के) और शाहीन अफरीदी (14 गेंदों में नाबाद 22 रन, दो चौके और एक छक्का) ने कुछ उपयोगी रन जोड़े और पाकिस्तान ने 15 ओवर में 135/9 का स्कोर बनाया। न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने तीन ओवर में 23 रन देकर दो विकेट झटके। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने धमाकेदार शुरुआत की।

शिबानी ने आईपील एंकरिंग के कड़वे अनुभव बताये

मुम्बई,18 मार्च (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही खेल का नया ग्लैमरस अंदाज देखने में आया है। इसके अब तक के बीते सत्र में कई कई एंकर्स रही है। इसी में एक शिबानी दांडेकर हैं। शिबानी साल 2011 से 2015 तक एक्स्ट्रा इनिंग शो की होस्ट थीं। शिबानी को सफर काफी अच्छा रहा। आईपीएल के शानदार चार सत्र की एंकरिंग को देखते हुए शिबानी को सचिन तेंदुलकर और शेन वार्न ने संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट ऑल स्टार्स में काम करने के लिए कहा। इसके बाद एंकरिंग में बनाई अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए शिबानी न्यूयॉर्क चली गईं। उन्होंने वहां कई शो होस्ट किए। अमेरिका में काम करने के बाद वह इंडिया लौटीं और होस्ट के अलावा बतौर मॉडल भी कई प्रोजेक्ट में काम किया। वहीं साल 2019 आईसीसी विश्व कप में एक बार फिर बतौर होस्ट उनकी वापसी हुई।

शिबानी ने बाद में अपने एक इंटरव्यू में आईपीएल के दौरान कड़वे अनुभव का भी जिक्र करते हुए शिबानी ने कहा था, 'जब मैंने पहली बार आईपीएल एंकर के तौर पर शुरुआत की तो यह मुश्किल था क्योंकि चाहे मैं कितना भी रिसर्च करूं, गेम में खुद को झोंक दूं, मैं क्या पहन रही हूं, यह सबसे महत्वपूर्ण चीज लगती थी।

लोग मेरे ज्ञान से ज्यादा इस बात पर ध्यान देते थे कि मैं कैसी दिखती हूं।' शिबानी का जन्म 27 अगस्त 1980 को पुणे की एक मराठी-कोंकणी फैमिली में हुआ. जल्द ही उनकी फैमिली लंदन में शिफ्ट हो गई थी, शिबानी की परवरिश विदेश में ही हुई.वह पहले अफ्रीका और फिर ऑस्ट्रेलिया में रहीं। मशहूर गीतकार जावेद अख्तर के बेटे और बॉलीवुड एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर से शिबानी की शादी हुई है।

स्पेशल ओलंपिक विंटर खेलों के पदक विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

इटली में हुए स्पेशल ओलंपिक विंटर खेल में भारत को 33 पदक मिले थे। उसके विजेताओं का दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में सम्मान किया गया है। इस टूर्नामेंट में भारत के 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। स्पेशल ओलंपिक भारत की चेयरमैन मल्लिका नड्डा ने कहा, स्पेशल ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे हम सब गौरव महसूस कर रहे हैं। स्पेशल ओलंपिक में भाग लेने वाले भारत के 30 खिलाड़ियों ने कुल 33 पदक जीते हैं। इसमें आठ स्वर्ण पदक, 18 रजत और 7 कांस्य पदक हैं। टूर्नामेंट में 102 देशों ने भाग लिया था, जिसमें भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है।

महिला क्रिकेट : बारिश के कारण न्यूज़ीलैंड-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 मैच रद्द हुआ, सीरीज़ 1-1 से बराबर

डुनेडिन,18 मार्च (एजेंसियां) ।

डुनेडिन में मंगलवार को हुई भारी बारिश के कारण न्यूज़ीलैंड और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीसरा टी20 मैच बिना नतीजे के समाप्त हो गया, जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई।

बारिश के कारण तीसरे टी 20 में केवल 14.1 ओवर का खेल ही संभव हो सका, न्यूज़ीलैंड ने बल्लेबाज़ी में शानदार शुरुआत की थी, जब श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सुज़ी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर ने पहले आठ ओवर में 60 रन जोड़े, लेकिन तभी बारिश ने खेल रोक दिया।

खेल दोबारा शुरू हुआ, लेकिन जल्द ही बेट्स 31 गेंदों में 28 रन बनाकर अटापट्टू की गेंद पर आउट हो गईं। इसके बाद फिर से बारिश आ गई और मैच को 15-15 ओवर का कर दिया गया। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने इस ब्रेक का पूरा फायदा उठाया और दो विकेट झटके।

हालांकि, प्लिमर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और तीन चौके व दो छक्कों की मदद से 46 रन बनाकर नाबाद रहीं। लेकिन बारिश ने एक बार फिर दखल दिया और मैच समाप्त कर दिया गया।

श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू को सीरीज़ का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने 64* और 23 रन की पारियां खेलीं, साथ ही गेंदबाज़ी में 1/10, 0/19 और 1/19 का प्रदर्शन किया।

लियोनेल मेसी चोट के कारण अर्जेंटीना की वर्ल्ड कप क्वालीफायर टीम से बाहर

ब्यूनस आयर्स,18 मार्च (एजेंसियां) ।

इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ अर्जेंटीना के आगामी फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

37 वर्षीय मेसी को अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया, जबकि उन्होंने रविवार को एमएलएस मैच में अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ इंटर मियामी के लिए पूरे 90 मिनट खेले और शानदार गोल भी किया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मेसी को मैच के दौरान बाईं जांघ में चोट (एडडक्टर स्ट्रेन) लगी, जिसके चलते वे उरुग्वे (शुक्रवार, अवे मैच) और ब्राजील (मंगलवार, होम मैच) के खिलाफ नहीं खेल सकेंगे।

अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने 33 खिलाड़ियों की प्रारंभिक सूची में से पाउलो डिबाला (रोमा), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस) और गोंजालो मोंटीएल (रिवर प्लेट) को भी अंतिम टीम से बाहर कर दिया है।

अर्जेंटीना इस समय 12 मैचों में 25 अंकों के साथ 10 टीमों वाली दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग तालिका में शीर्ष पर है। उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम: - गोलकीपर: एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रुली, वाल्टर बेनिटेज़।

डिफेंडर: नाहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेज़ेला, लियोनार्डो बालेरदी, जुआन फोइथ, निकोलस ओटामेंडी,. फाकुंडो मेडिना, निकोलस टाग्लियाफिको।

मिडफील्डर: लिआंड्रो पारेडेस, एंज़ो फर्नांडीज़, रोड्रिगो डी पॉल, एक्सेकिएल पालासिओस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, माक्सिमो पेरोने, जुलियानो सिमेओने, बेंजामिन डोमिंगुएज़, थियागो आल्माडा।

फॉरवर्ड: निकोलस गोंज़ालेज़, निकोलस पाज़, जूलियन अल्वारेज़, लाउतारो मार्टिनेज, सेंटियागो कास्त्रो।

एंड्रीवा ने जीता इंडियन वेल्स का खिताब

कैलिफोर्निया। रूस की 17 साल की मीरा एंड्रीवा ने इंडियन वेल्स टेनिस चैम्पियनशिप के महिला एकल का खिताब जीता है। मीरा ने खिताबी मुकाबले में बेलारूस की आर्यना सबालेंका को 2-6 6-4 6-3 से हराया। इसी के साथ ही एंड्रीवा ने लगातार दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 स्तर का टूर्नामेंट जीता है। एंड्रीवा साल 1998 में मार्टिना हिंगिस और सेरेना विलियम्स के बाद तीसरी सबसे कम उम्र की विजेता बनी हैं। जीत के बाद उत्साहित एंड्रीवा ने कहा कि मैं अंत तक लड़ने के लिए, हमेशा विश्वास रखने के लिए और कभी हार न मानने के जज्बे के कारण सफल हुई हूं। मैंने अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास किया।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां) । दक्षिण कोरियाई चैबोल एलजी की सब्सिडियरी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। हालांकि, कंपनी ने इश्यू के कुल आकार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष 6 दिसंबर, 2024 को कागजात दाखिल किए थे। कंपनी का यह इश्यू ऑफर फार सेल (ओएफएस) पर आधारित होगा। सेबी के पास एलजी के दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले आईपीओ के जरिए 10.18 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड कंपनी के दाखिल डीआरएचपी में शामिल रेडसीर रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ऑफलाइन चैनल में वैल्यू मार्केट शेयर के मामले में 13 सालों से मार्केट लीडर रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड की लिस्टिंग के बाद यह भारतीय शेयर बाजार में प्रवेश करने वाली दूसरी दक्षिण कोरियाई कंपनी होगी। मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब डॉलर का हुआ नुकसान

कोलंबो। श्रीलंका के बाह्य ऋण पुनर्गठन से चीन को सात अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। मंगलवार को मीडिया की एक खबर में यह जानकारी दी गई। एक सरकारी समाचार पत्र ने कोलंबो में चीन के राजदूत क्यूई झेनहोंग के हवाले से खबर में कहा कि चीन अक्टूबर 2023 में पुनर्गठन समझौता करने वाला श्रीलंका का पहला द्विपक्षीय ऋणदाता था। झेनहोंग ने कहा कि हालांकि, जनता को इन विवरणों के बारे में पता नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम श्रीलंका को दी जाने वाली सहायता के बारे में जानकारी नहीं देते हैं। श्रीलंका ने 2022 के आर्थिक संकट में अपनी पहली चूक की घोषणा करने के बाद 46 अरब अमेरिकी डॉलर के बाह्य ऋण का पुनर्गठन किया था। राजदूत ने साथ ही चीन और भारत के भविष्य में श्रीलंका के उत्तरी प्रांत के विकास के लिए संयुक्त रूप से काम करने की उम्मीद भी जाहिर की ।

ट्रंप ने मिशेल बोमन को फेडरल रिजर्व का शीर्ष नियामक नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के वित्तीय नियामक कार्यों की देखरेख के लिए मिशेल बोमन को नामित किया है। इस कदम से बड़े बैंकों के लिए नियम ढीले होने की संभावना बढ़ी है। बोमन को 2018 में ट्रंप ने फेड के गवर्निंग बोर्ड में सेवा देने के लिए नियुक्त किया था। वह माइकल बार की जगह फेड के पर्यवेक्षण विभाग के उपाध्यक्ष के रूप में काम करेंगी। पिछले महीने बार ने कानूनी लड़ाई से बचने के लिए पद छोड़ दिया था। ट्रंप की ओर से नौकरी से निकालने की धमकी दी गई थी। हालांकि, बार सात सदस्यीय फेड बोर्ड में बने रहे, जिससे ट्रंप को मौजूदा गवर्नर में से किसी एक को उपाध्यक्ष चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। बोमन नामांकन का बैंकिंग उद्योग के लॉबिंग समूहों ने स्वागत किया है। जिनमें अमेरिकन बैंकर्स एसोसिएशन और इंडिपेंडेंट कम्युनिटी बैंकर्स ऑफ अमेरिका शामिल थे। उपाध्यक्ष के रूप में, बोमन सबसे शक्तिशाली संघीय बैंक नियामक होंगे और बैंक नियमों में सुधार के लिए फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन और करेंसी नियंत्रक कार्यालय के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस पद के लिए सीनेट की मंजूरी की आवश्यकता है, हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि उन्हें आसानी से मंजूरी मिल जाएगी।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 10 फीसदी तक उछले, 50 के पार पंहुचा भाव

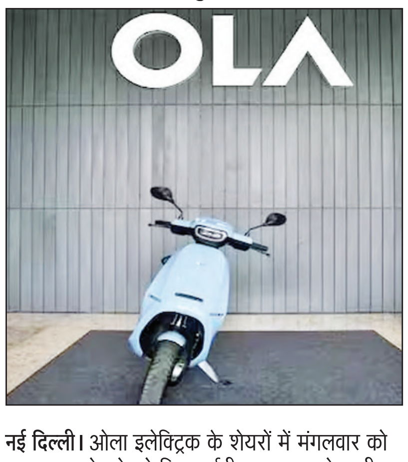

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में मंगलवार को बड़ा उछाल देखने को मिला। ईवी स्कूटर बनाने वाली कंपनी के शेयर मंगलवार को इंट्राडे ट्रेड में 10 फीसदी तक उछल गए। इससे पहले सोमवार को कंपनी के शेयर बड़ी गिरावट लेते हुए 50 रुपये से नीचे आ गए थे। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 46.58 रुपए प्रति शेयर पर खुला। शेयर ने इंट्राडे में 51.64 रुपए प्रति शेयर का हाई स्तर और 46.32 रुपए प्रति शेयर का न्यूनतम स्तर छुआ। सुबह शुरुआत में ओला इलेक्ट्रिक के शेयर 9.04 फीसदी की बढ़त लेकर 51.15 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक की वाहन रजिस्ट्रेशन एजेंसी रोस्मेर्टा डिजिटल सर्विसेज ने शनिवार को कहा था कि वह ओला की सब्सिडियरी ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही शुरू करने जा रही है। इसके बाद कंपनी के शेयर बुरी तरह लुढ़क गए थे। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की बेंगलुरु बेंच के पास दायर की गई है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी मजबूती के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली बातचीत को लेकर सोमवार को वैश्विक बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा। इस उत्साह के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 353.44 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,841.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,675.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,808.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 106.64 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,734.99 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,680.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत उछल कर 8,073.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 167.75 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,154.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 230.77 अंक यानी 3.57 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 6,241.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 165.50 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,773.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,899.78 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 419.32 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,564.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

निक्केई इंडेक्स 542.70 अंक यानी 1.45 प्रतिशत उछल कर 37,939.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 119.16 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,237.79 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.88 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,180.52 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,613.40 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,429.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ बढ़ाई साझेदारी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर उद्यमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने में तेजी लाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने गूगल क्लाउड के साथ विस्तारित दीर्घकालिक साझेदारी की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार टेक महिंद्रा और गूगल क्लाउड मिलकर उद्यमों को उनके बुनियादी ढांचे और डेटा आर्किटेक्चर को आधुनिक बनाने में मदद करेंगे। साथ ही उनके एआई-संचालित क्लाउड समाधानों से निवेश पर रिटर्न को अनुकूलित करेंगे। टेक महिंद्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ने कहा ?कि ये समाधान व्यवसायों को परिचालन संबंधी जटिलताओं से निपटने, दक्षता बढ़ाने और उभरते नियामक मानकों का पालन करते हुए विकास के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम बनाएंगे।

बजाज फिनसर्व खरीदेगा आलियांज की बीमा कंपनियों में 26 फीसदी हिस्सेदारी

BAJAJ FINSERV

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां) । बजाज फिनसर्व ने कहा कि उसने आलियांज एसई के साथ शेयर खरीद पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत वह दो इंश्योरेंस ज्वाइंट वेंचर्स—बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। यह सौदा 24,180 करोड़ रुपये में होगा। इस अधिग्रहण के बाद, बजाज ग्रुप की इन दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी। बजाज ग्रुप, बीएलिक में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी 10,400 करोड़ रुपये में और बीएजिक में 13,780 करोड़ रुपये में खरीदेगा। हालांकि यह अधिग्रहण नियामकीय मंजूरियों के अधीन है, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण की मंजूरी शामिल है। की शर्तों के तहत, बजाज फिनसर्व लगभग 1.01 प्रतिशत, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट लगभग 19.95 प्रतिशत, और जमनालाल संस लगभग 5.04 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे, जिससे प्रत्येक इंश्योरेंस कंपनी में कुल 26 प्रतिशत हिस्सेदारी पूरी होगी। अधिग्रहण के बाद, बजाज फिनसर्व की हिस्सेदारी दोनों कंपनियों में 75.01 प्रतिशत हो जाएगी।

दोनों इंश्योरेंस कंपनियों में हिस्सेदारी 74 से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगी

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महाकुंभ आयोजन...

पिछले वर्ष, अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हमने महसूस किया था कि कैसे देश एक हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद, महाकुंभ के आयोजन ने हम सबके इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की ये सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।

प्रधानमंत्री के ...

प्रधानमंत्री को सदन में बताना चाहिए था कि महाकुंभ में कितने लोग लापता हुए, कितने लोगों की मौत हुई और उनके परिवारों के लिए सरकार क्या करेगी और विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए था।

पहली बार कोई ...

जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष जल्द ही चुनने वाली है। जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस होता है। माना जा रहा है कि तब तक पार्टी को नया अध्यक्ष मिल जायेगा। बताया जा रहा है कि 18 अप्रैल को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बेंगलुरु में होगी जिसमें नये अध्यक्ष का स्वागत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री का दौरा हिंदू कैलेंडर के पहले दिन 30 मार्च को होना है। यह दिन महाराष्ट्र के लिए अहम है क्योंकि इस दिन गुड़ी पड़वा मनाया जायेगा। उसी दिन मोदी माधव नेत्रालय की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर मोदी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ मंच साझा करेंगे, जो 2014 के बाद से तीसरा और 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद पहला ऐसा अवसर होगा। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम के बाद मोदी नागपुर के रेशिम बाग में आरएसएस मुख्यालय का दौरा कर सकते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि मोहन भागवत और प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले पिछले साल अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा संबंधी कार्यक्रम के दौरान मंच साझा किया था। उसके बाद दोनों नेता सार्वजनिक रूप से पहली बार एक मंच पर होंगे।

पिछले साल हुए लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा और संघ के रिश्तों में जो खटास आई थी उसे दूर कर भाजपा को काफी लाभ हुआ है। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम दर्शाते हैं कि आरएसएस की ओर से मिले जमीनी स्तर के समर्थन के बलबूते भाजपा इन तीनों ही राज्यों में बड़ी जीत हासिल करने में सफल रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लगातार आरएसएस की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने दिल्ली में एक मराठी साहित्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरएसएस की जमकर तारीफ की थी। शरद पवार की उपस्थिति वाले इस समारोह में प्रधानमंत्री ने संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार की ओर से राष्ट्र के लिए किये गये योगदान को भी सराहा था। हाल ही में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में लोगों में देश के प्रति समर्पण का भाव भरने के मकसद से 1925 से लेकर अब तक काम करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इसके जैसे 'पवित्र' संगठन से जीवन के मूल्य सीखकर वह खुद को धन्य महसूस करते हैं। उन्होंने कहा था कि बचपन में आरएसएस की शाखाओं में शामिल होना, उन्हें हमेशा अच्छा लगता था। अब प्रधानमंत्री खुद आरएसएस मुख्यालय नागपुर जा रहे हैं।

जहां तक मोदी के नागपुर दौरे की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री 30 मार्च को सुबह 10 बजे माधव नेत्रालय के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। माधव नेत्रालय का नया भवन हिंगना रोड पर वासुदेव नगर मेट्रो स्टेशन के पास 5.8 एकड़ में फैला है। इसमें 250 बिस्तर, 14 ओपीडी और 14 मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर होंगे। इस कार्यक्रम में संघ प्रमुख के अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, गोविंद गिरी महाराज और अवधेशानंद महाराज भी शामिल होंगे। माधव नेत्रालय आरएसएस से संबद्ध एक नेत्र संस्थान और अनुसंधान केंद्र है।

हम आपको याद दिला दें कि हाल के दिनों में इस बात की चर्चाएं सामने आई थीं कि भागवत और भाजपा के बीच वैचारिक मतभेद हो गये हैं। खासकर मस्जिदों, हिंदू-मुस्लिम संबंधों और पूजा स्थलों पर मोहन भागवत के बयानों को लेकर भाजपा में नाराजगी देखी जा रही थी। प्रयागराज कुंभ के दौरान भागवत की टिप्पणियों ने संतों के बीच भी असहमति पैदा की थी जिससे विवाद और बढ़ गया था। ऐसे में प्रधानमंत्री के नागपुर दौरे और मोदी-भागवत की मुलाकात पर सभी की नजरें टिक गयी हैं।

सदन में फडणवीस...

आगजनी की। मोमिनपुरा में, जहां 100-150 गाड़ियां खड़ी रहती थीं, वहां एक भी गाड़ी कल नहीं थी। पुलिस जांच कर रही है कि कहीं ये पहले से सोची-समझी साज़िश तो नहीं है। लोगों पर हमला किया गया, पुलिस की गाड़ियों को भी निशाना बनाया गया। इस घटना में 4 डीसीपी स्तर के अधिकारी, 30 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस पर हमला करने का मतलब है कानून को अपने हाथ में लेना। इन लोगों को बख्शा नहीं जाएगा, सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री खुद इसका संज्ञान ले रहे हैं... मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे पुलिस का सहयोग करें और शांति बनाए रखें।

नितेश राणे...

सरकार कहती है कि वह औरंगजेब की मजार को नहीं हटा सकती क्योंकि यह केंद्र द्वारा संरक्षित है। तो फिर आप प्रधानमंत्री मोदी से क्यों नहीं कहते कि वे गुजरात में जन्मे औरंगजेब की मजार को हटा दें? उन्होंने भाजपा के इस दावे को भी चुनौती दी कि आरएसएस के गढ़ नागपुर में हिंदू असुरक्षित हैं। नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय है, जो हिंदुओं का रक्षक होने का दावा करता है। वहां हिंदू कैसे खतरे में हो सकते हैं? अगर यह पहले से ही योजनाबद्ध घटना थी, तो आपका गृह मंत्रालय क्या कर रहा था? महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा के लिए समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी को दोषी ठहराया है। उन्होंने दावा किया है कि यह घटना राज्य सरकार को बदनाम करने के लिए पूर्व नियोजित थी। मीडिया से बात करते हुए राणे ने कहा अबू आज़मी इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। उन्होंने इस मुद्दे को शुरू किया और यह सरकार की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से हिंसा की एक पूर्व नियोजित कार्रवाई थी। उन्होंने हिंसा की निंदा की और इस बात पर ज़ोर दिया कि पुलिस अधिकारियों पर हमला करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राणे ने प्रदर्शनकारियों से हिंसा का सहारा लेने के बजाय अपनी शिकायतें व्यक्त करने के लिए लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

भारतीय नौसेना...

इसका निर्माण जीआरएसई कर रहा है और यह छह हजार 670 टन के विस्थापन के साथ भारत में बना अब तक का सबसे बड़ा फ्रिगेट है। इस युद्धपोत को ब्रह्मोस एंटी-शिप और एंटी-सर्फेस मिसाइलों के साथ-साथ बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस किया गया है। इससे पहले, प्रोजेक्ट 17-ए का पहला फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने बनाया गया था, जिसे इस साल 15 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना में शामिल किया था।

आईएनएस अंद्रोथ, आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट्स में से एक है, जिसे जीआरएसई तैयार कर रहा है। यह युद्धपोत छोटे आकार का है, लेकिन इसमें आधुनिक हथियारों से लैस शक्तिशाली क्षमताएं हैं। इसे तटीय इलाकों में पानी के अंदर छिपे खतरों का पता लगाने और नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। जीआरएसई के मुताबिक आईएनएस अर्नाला का भी परीक्षण पूरा हो चुका है और इसे जल्द ही नौसेना को सौंप दिया जाएगा। इस युद्धपोत को रक्षा मंत्री पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया था, क्योंकि इसे 'सबसे शांत युद्धपोत' के रूप में डिजाइन किया गया था।

आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस अंद्रोथ के समुद्री परीक्षणों के दौरान जीआरएसई, भारतीय नौसेना और विभिन्न मान्यता प्राप्त एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। परीक्षण के दौरान जहाजों की गति, संचालन क्षमता और ऑन बोर्ड सिस्टम का परीक्षण किया गया। इन सफल परीक्षणों के बाद दोनों युद्धपोतों को जल्द ही नौसेना को सौंप दिया जाएगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा और मजबूत होगी।

मणिपुर के लिए...

निधि के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान है, जो वर्तमान में राष्ट्रपति शासन के अधीन है। संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई घोषणा के परिणामस्वरूप, मणिपुर राज्य के विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके अधिकार के तहत प्रयोग की जा सकती हैं।

राज्यसभा में इस पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अनुदान की अनुपूरक मांगों का बड़ा हिस्सा उर्वरक सब्सिडी और एकीकृत पेंशन योजना पर खर्च होगा। वित्त मंत्री ने कहा, ''हम मणिपुर की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए प्रयास करते रहेंगे।''

मंत्री के जवाब पर असंतोष जताते हुए तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया।

3 दोषियों को ...

कुंवरपाल और लक्ष्मी समेत 20 से ज्यादा लोगों पर आरोप लगाया था। पुलिस ने सामूहिक हत्याकांड की जांच शुरू कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। जिला कोर्ट में शुरुआती सुनवाई के बाद केस प्रयागराज ट्रांसफर कर दिया गया था। वहां से फिर केस मैनपुरी स्पेशल जज डकैती कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया, जहां पिछले 15 साल से केस की सुनवाई चल रही है। इस महीने की शुरुआत में 11 मार्च को डकैती कोर्ट की जज इंदिरा सिंह ने तीन आरोपियों को सामूहिक हत्याकांड का दोषी पाया और सजा सुनाने के लिए 18 मार्च (मंगलवार) की तारीख तय की। आज आरोपी कैप्टन सिंह और रामसेवक ने कोर्ट में पेश होकर खुद को निर्दोष बताया। तीसरा दोषी रामपाल अभी फरार है। सभी आरोपियों में से अब सिर्फ तीन ही जिंदा हैं। आज अपने अंतिम फैसले में कोर्ट ने तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है।

गाजा में 400 से...

गाजा में इजरायल के हवाई हमलों ने जीवित बंधकों के परिवारों की उम्मीदों को तोड़ दिया है। परिजनों का कहना है कि इजरायली मिलिट्री एक्शन से उनका सबसे बड़ा डर सच साबित हुआ है।

बंधकों और लापता परिवारों के फोरम की ओर से जारी बयान में कहा गया, परिवारों, अपहृत लोगों और इजरायल के नागरिकों का सबसे बड़ा डर सच हो गया है। इजरायली सरकार ने बंधकों को उनके हाल पर छोड़ने का फैसला किया।बयान में इस बात पर हैरानी और गुस्सा जताया गया कि हमारे प्रियजनों को वापस लाने की प्रक्रिया को जानबूझकर खत्म किया जा रहा है।इजरायल ने सैनिक कार्रवाई से पहले अमेरिका से भी चर्चा की थी, यह खुलासा खुद व्हाइट हाउस ने किया। एक अमेरिकी न्यूज चैनल के कार्यक्रम में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, आज रात गाजा में अपने हमलों के बारे में इजरायल ने ट्रंप प्रशासन और व्हाइट हाउस से परामर्श किया।7 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुआ, जब फिलिस्तीनी ग्रुप हमास ने इजरायल पर बड़ा हमला किया। हमले में 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 से अधिक को बंधक बना लिया गया। इसके बाद इजरायल ने हमास के नियंत्रण वाले गाजा पट्टी पर हमले शुरू कर दिए। इजरायली हमलों ने गाजा शहर को खंडहर में बदल दिया है और हजारों फिलिस्तीनियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 19 मार्च, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल हाई स्कूल में हॉल टिकट वितरण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के 10वीं कक्षा के विद्यार्थीयों की आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए हॉल टिकट वितरण का क्रार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त कार्यक्रम में समिति द्वारा संचालित हिन्दी माध्यम के दो विद्यालयों (अग्रवाल हाई स्कूल बॉयस एवं अग्रवाल गर्ल्स हाई स्कूल) एवं एलबीएमटी स्कूल के 10वीं के विद्यार्थीयों को प्रोत्साहन देने, शुभकामनाएँ और शुभ आर्शीवाद प्रेषित करने हेतु उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विद्यार्थीयों को हॉल टिकट वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परम्परागत रूप से मातृ भूमि वन्दना एवं माँ सरस्वती को नमन करते हुए दीप प्रज्वलन से किया गया। सभा को संबोधित करते हुए शिक्षा समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि परीक्षा ऐसा अवसर है जब विद्यार्थी अपनी स्वयं की योग्यता सिद्ध करते हुए अपने अभिभावकों को गौरान्वित कर सकें। उन्होंने कहा कि जीवन के अगले 5 वर्ष अगर विद्यार्थी परीश्रम कर लेता है, तो पढ़ाई के द्वारा अपना करियर एवं उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकता है, उनकी ईमानदार कोशिश 5 वर्ष की मेहनत से उन्हें जिन्दगी के आगामी 50 वर्ष सुविधा-पूर्वक जीवनयापन का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा।

इस अवसर पर अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन ने कहा कि जीवन चुनौतियों से भरपूर होता है और 10वीं कक्षा के पश्चात् जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह ऐसा पड़ाव है जिसके लिए हमें दृढ़ता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है ताकि हम सफलता की सीढियाँ चढ सकें। उन्होंने आगामी परीक्षाओं के लिए सभी को शुभकामना दी और कहा कि ईश्वर उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्रदान करें।

सह अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल ने कहा कि जीवन में हमें सच्चाई, ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा का पालन करना चाहिए। हमें सदा ज्ञान के लिए पढ़ना चाहिए, अंको के लिए नहीं, किताबी ज्ञान के अलावा अन्य ज्ञान का भी होना जरूरी है, ज्यादा अंक आए या कम अंक आने पर भी धैर्य नहीं खोना चाहिए। उन्होंने सबको अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रशमी बडोला ने किया और विधि कौशिक ने सबको धन्यवाद ज्ञापन दिया। राष्ट्रगान के पश्चात् सभा समाप्त हुई। इस सभा में समिति के संयुक्त मंत्री एवं एलबीएमटी और जीकेपीएस के कारेस्पॉन्डेन्ट राजेश अग्रवाल एवं विद्यार्थियों के अभिभावक एवं समिति के अन्य शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यगण एवं शिक्षकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

भाजपा सनतनगर जिला अध्यक्ष श्री भरत का भव्य स्वागत क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने सपना गुप्ता, राममोहन, सुरेश, सुब्बाराव, डिवीजन अध्यक्ष कृष्णा चैतन्य, श्रीशैलम, लक्ष्मी, अनुराधा, सन्तोष, किरण व अन्य का शॉल द्वारा अभिनंदन किया।

साध्वी डॉ. गवेषणाश्री का प्रवेश तुलसी महाप्रज्ञ भवन में

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईडीपीएल स्थित नवनिर्मित श्री तुलसी महाप्रज्ञ भवन में साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री जी का विशेष प्रवचन आयोजित हुआ।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर सुचित्रा और आईडीपीएल की ज्ञानशाला के विद्यार्थियों और प्रशिक्षिकाओं को विशेष रूप से प्रेरित किया गया।

दैनिक व्याख्यान के दौरान, आईडीपीएल की ओर से तेयुप के पूर्व अध्यक्ष श्रवण कोठारी ने भवन निर्माण की प्रगति की जानकारी देते हुए स्वागत वक्तव्य दिया और सभी ट्रस्टीगण को साधुवाद दिया । मेघा पुगलिया ने मधुर स्वागत गीतिका प्रस्तुत की। साध्वीश्री दक्षप्रभा ने सुमधुर गीतिका से श्रावक श्राविका समाज को प्रेरणा दी ।साध्वीश्री गवेषणाश्री ने अपने प्रवचन में अर्जन के साथ-साथ विसर्जन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विसर्जन की शक्ति ही अनासक्त चेतना का प्रकाश है। उन्होंने श्रोताओं को त्याग और अनासक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।प्रेम बैंगानी और महेंद्र दुगड़ ने अपने अनुभव साझा करते हुए सभी को भवन में सहयोग करने की प्रेरणा दी।सिकंदराबाद तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती ने ट्रस्ट परिवार को बधाई दी और ज्ञानशाला के संचालन में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने संगठन के त्रिआयामी उद्देश्यों पर बात रखते हुए भवन में चिकित्सा संबंधी स्थायी परियोजना के लिए सहयोग का प्रस्ताव रखा और ट्रस्ट परिवार को बधाई दी ।

ट्रस्ट परिवार की ओर से सुमेरसिंह नाहटा ने साध्वीश्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया। साध्वीश्री जी का यह प्रवचन श्रोताओं के लिए प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम में भोजन की व्यवस्था खउझड़ और सुचित्रा परिवार की ओर से की गई ।

बिन रंग के रंग डियो रे सांवरिया

नारनौल अग्रवाल समिति का होली मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में होली मिलन का भव्य आयोजन सिद्दिअंबर बाजार स्थित तारा इंटरनेशनल होटल में समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, देवेन्द्र कुमार, विनोद जैन के कर कमलों द्वारा जुगल सरकार (श्री राधाकृष्ण) के पूजन तथा दीप प्रज्वलन से बिन रंग के रंग डियो रे सांवरिया कार्यक्रम (होली मिलन) का शुभारंभ हुआ।

उक्त होली मिलन कार्यक्रम के अवसर पर पंकज ओझा द्वारा अपनी मधुर वाणी में जुगल सरकार के श्री चरणों में भजन प्रस्तुत किया गया तथा धमाल के साथ फूलों की होली खेली गई। महाआरती के बाद भगवान महाराज श्री अग्रसेन जी का उद्घोष किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंकज कुमार अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, कपिल बंसल, विशाल बंसल, अनूप अग्रवाल, देवेंद्र कुमार (बबलू), डॉ सरिता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, अशोक बंसल, दीपक अग्रवाल, विनोद जैन, ओम प्रकाश, विजय एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे कार्यक्रम में सदस्यों ने परिवार सहित सम्मिलित होकर एक दूजे को होली की शुभकामनाएं देते हुए कीर्तन धमाल फूलों की होली तथा स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, संजय अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश गुप्ता, मायारामजी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, भगतराम गोयल,राजेश योगा सरजी, खुशबू झुनझुनवाली, सौरव झुनझुनवाला, कनक अग्रवाल, कुंशी अग्रवाल,सानवी अग्रवाल, लेहेक अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

गायत्री महिला मंडल का गणगौर महोत्सव 28 को

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गायत्री महिला मंडल का गणगौर महोत्सव-2025 का आयोजन कबूतर खाना स्थित माहेश्वरी भवन में आगामी 28 मार्च, 2025 को किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस संदर्भ में मंगलवार, दि. 18 मार्च को गणगौर महोत्सव की प्रचार सामग्री का विमोचन वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन ऑफ़ तेलंगाना के अध्यक्ष एवं सीनियर एडवोकेट श्रीकिशन शर्मा, समिति की सोनम शर्मा, कंचन वर्मा, विजय शर्मा, कविता गोयल आदि ने किया।

कापरा मंडल बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता जी वडेर में तन्मय हाम्बड़ ढूंढोत्सव व डोयटन कार्यक्रम मेंसमस्त सीरवी समाज के गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे। जिनमें- सोनाराम हाम्बड़, चोलाराम हाम्बड़, कालुराम हाम्बड़, नारायण लाल हाम्बड हाम्बड़, थानाराम हाम्बड़, भोमाराम हाम्बड़, सोहन सिंह राजपुरोहित, जयराम पंवार, मोहनलाल हाम्बड़, नारायणलाल बर्फा, डुगाराम सोलंकी, नरेश, घेवरराम, अचलाराम हाम्बड़, रुघाराम चोयल, मोहन हाम्बड़, नेमाराम सोलंकी, भुडाराम सोलंकी, लखाराम सोलंकी, रुघाराम गेहलोत, निमेष हाम्बड़, ओमप्रकाश हाम्बड़, हाम्बड़ परिवार व समाज बन्धु मौजूद हैं।

तेलंगाना बजट 2025-26 आज विधानसभा में पेश किया जाएगा

पहली बार कुल व्यय 3 लाख करोड़ रुपये के पार जाने की संभावना

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुधवार 19 मार्च को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तेलंगाना के वार्षिक वित्तीय विवरण, बजट की प्रस्तुति के लिए मंच पूरी तरह तैयार है।

वित्त विभाग का कार्यभार संभाल रहे उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क बुधवार को दोपहर के समय सदन में बजट पेश करेंगे, जबकि वित्त विभाग के अधिकारियों ने अगले वित्त वर्ष के लिए वार्षिक वित्त विवरण को दुरुस्त करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि वे तत्काल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वित्त की आवश्यकता को देखते हुए बजट प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में बहुत ही कठिन परिश्रम कर रहे हैं, जबकि साथ ही, कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संसाधनों को जुटाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

यद्यपि कुल परिव्यय का आकार सदन में बजट प्रस्तुत होने के बाद ही ज्ञात होगा, लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार का बजट 3 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर तेलंगाना के गठन के बाद पहली बार लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने 12 मार्च को विधानमंडल की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में कहा, हालांकि कई बार संख्याएं चुनौतीपूर्ण लग सकती हैं, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि हर आवंटन के पीछे हमारे लोगों की आकांक्षाएं छिपी होती हैं। उन्होंने कुल व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना का संकेत दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब चालू वित्त वर्ष के दौरान राजस्व अर्जित करने वाले विभागों का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा।भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, जनवरी के अंत में कुल प्राप्तियां 1.82 लाख करोड़ थीं, जो बजट अनुमानों में अनुमानित 2.74 लाख करोड़ का 66.57% है, जबकि वित्तीय वर्ष (2024-25) के समापन में सिर्फ़ दो महीने बचे हैं। और, प्राप्तियों का एक बड़ा हिस्सा उधार और अन्य देनदारियों के रूप में था, जो 58,586 करोड़ था, जो वित्तीय वर्ष के लिए अनुमानित 49,255 करोड़ से 9,000 करोड़ ज़्यादा था।

राज्य भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सुविधा जैसे विशेष आहरण सुविधा, अर्थोपाय अग्रिम और ओवरड्राफ्ट पर निर्भर है। उदाहरण के लिए, राज्य ने दिसंबर के सभी 31 दिनों के लिए विशेष आहरण सुविधा पर निर्भर रहकर 4,560 करोड़ का लाभ उठाया और 31 दिनों में से 24 दिनों के लिए अर्थोपाय अग्रिम का लाभ उठाकर 1,776.29 करोड़ का लाभ उठाया।

हालांकि अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए करों में वृद्धि की गुंजाइश बहुत कम है, लेकिन सरकार इस वित्तीय वर्ष में अधिक राजस्व की उम्मीद कर सकती है। यह कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ भूमि की प्रस्तावित नीलामी और इस साल के अंत में होने वाली खुदरा शराब दुकानों की नीलामी के कारण है, जिससे काफी राजस्व मिलने की संभावना है।

नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी इंटरनेशनल जिला 3150 ट्विन सिटी क्लबों ने यापराल, सिकंदराबाद में श्री रंगनाथ स्वामी देवस्थानम के 150 वर्ष पुराने मंदिर में कैंसर स्क्रीनिंग के साथ नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर का आयोजन किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त शिविर मुख्य रूप से उन सामुदायिक सदस्यों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था जो इन महंगे परीक्षणों का खर्च नहीं उठा सकते। शिविर में लगभग 150 सदस्यों, वृद्ध सदस्यों और नजदीकी सरकारी स्कूल के बच्चों और जीएचएमसी स्वच्छता विभाग के श्रमिकों को मुफ्त चिकित्सा प्रदान की गई। सेवा का लाभ उठाते हुए मरीजों ने शिविर की भूरि-भूरि प्रशंसा की । मेगा चिकित्सा शिविर में ईएनटी, डेंटल, ईसीजी. सामान्य चिकित्सक, फिजियोथेरेपी, रक्त परीक्षण, और महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड और मैमोग्राफी स्कैन शामिल थे। रोटरी क्लबों ने कैंसर अस्पताल, मैमोग्राफी और अल्ट्रासाउंड के लिए बस, मां ईएनटी, तपड़िया डायग्नोस्टिक्स और लायंस साधु राम आई अस्पताल, क्लोव डेंटल और सिरसिला यूपीएचसी के स्वयंसेवकों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया जिन्होंने विभिन्न परामर्श प्रदान करने और आवश्यकतानुसार परीक्षण करने के लिए अपने डॉक्टरों और तकनीशियनों की टीमों की व्यवस्था की।

शिविर में उनके वैश्विक अनुदान परियोजना के तहत एक चैरिटेबल डायग्नोस्टिक लैब स्थापित करने का कार्य भी शुरू हुआ और उनके कार्यान्वयन भागीदार, डॉ. राधेश्याम तपड़िया ने पूजा की और रानडे ट्रस्ट के ट्रस्टीज ने भी इस अवसर को आशीर्वाद दिया। यह शिविर हैदराबाद मिड टाउन, हैद सेंटेनियल, हैद एलीट, हैद रॉयल्स, ग्लोबल विजाड्र्स के रोटरी क्लबों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था और लगभग 50 रोटेरियन ने गरीबों के लिए अन्नदान में भाग लिया और मित्रता का भोजन किया।

इस अवसर पर, क्लबों ने ज़ेडपीएचएस यापराल के 70 कक्षा द के छात्रों को भी आमंत्रित किया, और उन्हें नए परीक्षा पैड, ज्योमेट्री बॉक्स, पेन और युवा के लिए स्वामी विवेकानंद की पुस्तकें उपहार में दीं और उन्हें अगले सप्ताह की बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। सिकंदराबाद के इनर व्हील क्लब द्वारा सर्वाइकल कैंसर पर एक जागरूकता वार्ता हुई।शिविर का समापन सभी चिकित्सकों और स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह वितरित कर हर्सोउल्लास के साथ हुआ।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज, हैदराबाद द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित

हैदराबाद,18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद द्वारा होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन महानगर के आर. के. पुरम में किया गया। समाज के वरिष्ठ सदस्यों, गणमान्य अतिथियों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के साथ यह आयोजन बेहद हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

समारोह का शुभारंभ समाज की अध्यक्षा इंदिरा राय के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने कहा की इस तरह के आयोजनों से समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना को बल मिलता है। हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखते हुए समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। महासचिव निशिकांत ने सभी आगंतुकों और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और घोषणा की कि आने वाले वर्षों में समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए और भी बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। जबकि उपाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा की ब्रह्मर्षि सेवा समाज का यह आयोजन हमारी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता को सशक्त करने का उत्कृष्ट माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द का संचार होता है, जिससे हम सभी एक मजबूत समुदाय के रूप में आगे बढ़ सकते हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन पल्लवी राय ने कुशलतापूर्वक किया। समारोह में मधुर संगीत और काव्य प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। शशि, नीलम, जामवंती, रमा देवी, नीतू, उर्मिला पांडे ने अपनी सुमधुर गायकी से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, अमिता सिंहा, अमृता मिश्रा, मनोरमा शर्मा ने अपनी गीत एवं कविताओं से सभी का मन मोह लिया।जिन्हें दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से सराहा।

इस समारोह में समाज के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही, जिनमें वरिष्ठ अधिवक्ता निर्मल पांडे , बिट्स पिलानी के प्रोफेसर प्रणव नारायण, एस. एन. राय वरिष्ठ पत्रकार देवकुमार पुखराज आदि शामिल थे। उन्होंने समाज की एकता और भाईचारे की भावना को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया और ऐसे आयोजनों की सराहना की।

रुक्मिणी द्वारा आयोजित विशेष होली गेम में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खूब मस्ती की। हल्के अबीर-गुलाल और फूलों की वर्षा के साथ होली खेली गई, जिससे पूरा माहौल रंगीन और आनंदमय हो गया।

कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। आपसी प्रेम और भाईचारे का यह दृश्य अत्यंत भावनात्मक एवं प्रेरणादायक था।

कार्यक्रम में समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें उपाध्यक्ष अजय कुमार , संयुक्त सचिव रघुवीर सिंह, राम कुमार सिंह, बीरेन्द्र राय, प्रफुल्ल प्रसन्ना, कमलेश राय, रविन्द्र कुमार , संतोष राय, भोला नाथ सिंह , रोहित राय, भूषण शर्मा, रामेश कुमार, प्रदीप राय, उमाकांत शर्मा, राजू राय, धीरज राय, आनंद कुमार, संजय राय प्रमुख थे। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता की, जिनमें विजया पांडे, अंजलि , किरण सिंह, रागिनी, माया, रेणु राय, छाया राय ,उषा कुमार, अंजली सिंह, कुसुम राय, विभा ठाकुर, कविता त्यागी, प्रीति, निशा, मनीषा आदि शामिल थीं। समारोह का समापन स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजनों के साथ हुआ, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। अंत में, समाज के वरिष्ठ सदस्य देवकुमार पुखराज ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया और कहा की यह सिर्फ एक उत्सव नहीं था, बल्कि समाज के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण पहल थी, जहाँ सभी ने आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

न छाया, न सीटें! हैदराबाद के बस शेल्टरों को मरम्मत की सख्त ज़रूरत है

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बढ़ती गर्मी के साथ , हैदराबाद भर में बस शेल्टरों की बिगड़ती स्थिति सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हजारों दैनिक यात्रियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है ।

कई स्थानों पर बस शेल्टर या तो टूटे हुए हैं या उनमें छत, बैठने की जगह और उचित छाया जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अभाव है । खराब रखरखाव के कारण , धातु की संरचनाएँ जंग खा रही हैं , प्लास्टिक की चादरें फटी हुई हैं और कुछ शेल्टर पूरी तरह से अनुपयोगी हो गए हैं ।बसों का इंतजार करते समय यात्रियों को चिलचिलाती धूप में खड़े रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उनकी दैनिक यात्रा असुविधाजनक और खतरनाक हो रही है। कई लोग क्षतिग्रस्त आश्रयों का उपयोग करने के बजाय पेड़ों या आस-पास की इमारतों के नीचे खड़े रहना पसंद करते हैं ।कई बस स्टॉप की छतें अधूरी या क्षतिग्रस्त हैं , जिससे चिलचिलाती गर्मी से , खास तौर पर दोपहर के समय , बहुत कम या कोई सुरक्षा नहीं मिलती । कई आश्रय स्थल कूड़े से अटे पड़े हैं , जिससे परेशानी और बढ़ जाती है।बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारी उचित कार्रवाई करने में विफल रहे हैं । ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) बस शेल्टरों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है ।हालाँकि नए बस शेल्टर और मरम्मत के लिए धन आवंटित किया गया है , लेकिन ज़मीन पर बहुत कम प्रगति दिखाई दे रही है , जिससे नागरिकों की तीखी आलोचना हो रही है। यात्रियों ने अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई करने और आरामदायक और सुरक्षित यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बस शेल्टर की मरम्मत और रखरखाव करने का आग्रह किया है ।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 91,390 /-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,03,512/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 75,301.26
+1131.31 +1.53% ↑

एनएसई :22,834.30
325.55 (1.45%) ↑

हाइड्रा ने अपने नाम का दुरुपयोग करने वाले अवैध सौदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाइड्रा ने सख्त चेतावनी जारी की है कि उसके नाम पर किए गए किसी भी लेनदेन या अनियमितता के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। संगठन ने पिछले साल 3 सितंबर को एक स्पष्ट बयान जारी कर इस तरह के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी थी। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने लोगों से किसी भी धोखाधड़ी की गतिविधि की सूचना अधिकारियों को देने का आग्रह किया। उन्होंने सलाह दी कि यदि अनियमितताओं का सबूत है, तो शिकायत सीधे हाइड्रा, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो , सतर्कता प्रवर्तन या स्थानीय पुलिस स्टेशन को प्रस्तुत की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि हाइड्रा के कर्मचारी कदाचार के दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें न केवल निलंबित किया जाएगा, बल्कि कानूनी परिणाम भी भुगतने होंगे।

इसके अलावा, आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि हाइड्रा के नाम का इस्तेमाल जबरन वसूली या अवैध लेन-देन के लिए करने वाले किसी भी व्यक्ति को - चाहे प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से - कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने खुलासा किया कि ऐसी गतिविधियों के लिए पहले ही कई व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा चुके हैं। उन्होंने नागरिकों से यह भी आग्रह किया कि वे हाइड्रा लेन-देन से संबंधित किसी भी शिकायत की सूचना जडचेरला विधायक अनिरुद्ध रेड्डी, एसीबी, विजिलेंस या पुलिस को दें ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विधायक अनिरुद्ध रेड्डी की ओर से पिछले साल 18 अगस्त और 21 दिसंबर को दो शिकायतें प्राप्त हुई थीं। ये शिकायतें खाजागुड़ा के तौतानीकुंटा इलाके में ग्रीन ग्रेस अपार्टमेंट के तहखाने में पानी के ठहराव की समस्या और बाढ़ के पानी के भागीरथम चेरुवु तक न पहुंच पाने से संबंधित थीं।

उन्होंने आश्वस्त किया कि उन्होंने समस्याओं का आकलन करने के लिए दो बार व्यक्तिगत रूप से स्थानों का दौरा किया और सत्यापित किया कि भागीरथम चेरुवु में अतिक्रमण पिछले साल दिसंबर में हाइड्रा द्वारा हटा दिया गया था। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वामसीराम मैनहट्टन परियोजना के बारे में विधायक अनिरुद्ध रेड्डी से कोई शिकायत नहीं मिली है। यदि कोई शिकायत है, तो उन्होंने उन्हें तत्काल समीक्षा के लिए व्हाट्सएप के माध्यम से प्रस्तुत करने का आग्रह किया, इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि व्हाट्सएप के माध्यम से उठाई गई पिछली चिंताओं को तुरंत संबोधित किया गया था।हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने आश्वासन दिया कि सभी शिकायतों पर, चाहे वे कॉल के माध्यम से हों या संदेशों के माध्यम से, तत्काल ध्यान दिया जाएगा। यदि वे बैठकों के कारण कॉल का जवाब देने में असमर्थ हैं, तो शिकायतकर्ताओं को संदेश भेजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिसका तुरंत समाधान किया जाएगा। हर सोमवार को साप्ताहिक प्रजावाणी (लोक शिकायत) बैठकों के अलावा, कार्य दिवसों पर दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच भी शिकायतें स्वीकार की जाती हैं।

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल ने मोहसिन कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, अमीरपेट, हैदराबाद की पहली मंजिल के बाएं विंग में स्थित कार्यालय, जिसका क्षेत्रफल लगभग 2000 वर्ग फुट है, जिसका म.नं. 6-3-802/20 है, को इसके कानूनी मालिक श्री सी. राधा कृष्ण सुपुत्र स्व. श्री सत्यनारायण मूर्ति से सभी अधिकारों, हक और हित के साथ खरीदना चाहते हैं और भूमि, मार्ग, सीढ़ी के साथ-साथ पार्किंग स्थल आदि पर समान अधिकार का आनुपातिक हिस्सा प्राप्त करना चाहते हैं। यदि किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को उपरोक्त संपत्तियों के संबंध में कोई अधिकार, हित या दावा हो, तो वह इस तिथि से **7 दिनों** के भीतर सम्बद्ध दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें, अन्यथा बिक्रीनामा कर लिया जाएगा और उसके पश्चात यदि कोई आपत्तियां प्राप्त होती हैं तो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा और उन्हें स्वेच्छा से छोड़ दिया गया माना जाएगा।

हस्ता/- **अक्षत संघी और प्रणीता संघी**
एडवोकेट्स,
फ्लैट नंबर 302, वंश टावर्स,
तीसरी मंजिल, महेश नगर कॉलोनी,
चिराग अली लेन, हैदराबाद - 500 001
सेल नंबर: 09963 102934

एसएससी परीक्षा केंद्रों के पास सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। 21 मार्च से 4 अप्रैल, 2025 तक निर्धारित एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, आईपीएस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (पूर्व में धारा 144 सीआरपीसी) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है ।आदेश में गड़बड़ी, सार्वजनिक बाधा या संभावित कानून और व्यवस्था के मुद्दों को रोकने के लिए हैदराबाद और सिकंदराबाद में सभी एसएससी परीक्षा केंद्रों के 500 गज के भीतर किसी भी व्यक्ति के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जनता को चेतावनी दी गई है कि इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी । हैदराबाद पुलिस ने नागरिकों से शांतिपूर्ण परीक्षा वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करने का आग्रह किया है।

दोमलगुडा में नाबालिग से बलात्कार के मामले में व्यक्ति को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद की एक अदालत ने दोमलगुडा में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के लिए 36 वर्षीय व्यक्ति को अगस्त 2023 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।आरोपी की पहचान अमर नेपाली के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, घटना 29 अगस्त 2023 को हुई थी, लेकिन एक दिन बाद जब पीड़िता के परिवार ने पुलिस से संपर्क किया तो इसकी सूचना मिली।

आरोपी ने कथित तौर पर लड़की को चाकू दिखाकर घटना के बारे में चुप रहने की धमकी दी। जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही अदालत ने 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे अदा न करने पर छह महीने की अतिरिक्त साधारण कैद की सजा दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, पीड़िता को 2 लाख रुपये का मुआवजा भी दिया गया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15814842K Nk (DVRMT) NARASHIMHA REDDY V of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, India Hence I have Changed my name as VELIDANDLA NARASHIMHA REDDY.

CHANGE OF NAME & DOB

I, SURINDER KAUR Mother of Service No. 2608574L Nk GURDEEP SINGH, R/o.Vill and PO:Johal, Teh:Dasuya, Dist:Hoshiarpur, Punjab-144305 have changed my name and DOB from SURINDIR KAUR, DOB:07-05-1961 to SURINDER KAUR, DOB:12-06-1956 vide affidavit dt:18-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB

I, SHER SINGH Father of Service No. 2608574L Nk GURDEEP SINGH, R/o.Vill and PO:Johal, Teh:Dasuya, Dist:Hoshiarpur, Punjab - 144305 have changed my Date of Birth from 04-06-1955 to 10-05-1952 vide affidavit dt:18-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME

I, A ARUNA Spouse of Service No. 15328904F Hav ARANGI SRINIVAS RAO, R/o.H.No.1-59, Peddaveedi, Vill&PO:Vallabharayapadu, Teh:Nandigam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532218 have changed my name from A ARUNA to ARANGI ARUNA vide affidavit dt:18-3-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME

I, ANUMOL THOMAS D/o. THOMAS, Permanent Resident of Kollamparambil , Edappuzha, P.O Ayyankunnu , Payam, Distt. Kannur, Kerala 670704 & Presently Residing at Qtr No. 278/2, Officers Enclave, MD Lines Hyderabad, Telangana 500008 declare that name of mine has been wrongly written as ANU MOL THOMAS in my Service Records. The actual name of mine is ANUMOL THOMAS which may be amended accordingly.

सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप्स को बढ़ावा देने वालों पर कड़ी सजा होगी : श्रीनिवास राव

आसिफाबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप्स को बढ़ावा देने वालों की जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।सट्टेबाजी पर कड़ी निगरानी स्थापित की गई है।धोखाधड़ी वाले विज्ञापन, बनावटी संदेश, संदेश या अन्य विवरण न भेजें।किसी भी परिस्थिति में ऑनलाइन अधिक पैसे देने वाले पर भरोसा न करें।जिला एसपी डी.वी. श्रीनिवास राव आईपीएस ने चेतावनी दी है कि युवा और छात्र अवैध सट्टा ऐप और गेम ऐप के आदी हो रहे हैं और अपने जीवन को कर्ज में डाल रहे हैं। अवैध सट्टा ऐप पर सट्टा लगाने, ऑनलाइन गेमिंग ऐप पर गेम खेलने और उन्हें प्रोत्साहित करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी।इस अवसर पर एसपी ने कहा कि उन्होंने कहा कि आज के समाज में प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया का प्रभाव बहुत बढ़ गया है और हर किसी के पास इंटरनेट की उपलब्धता

के कारण, कुछ मामलों में जागरूकता की कमी के कारण कई लोगों और युवाओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोग धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों और संदेशों के झांसे में आकर ऑनलाइन सट्टा लगा रहे हैं, ऑनलाइन भुगतान वाले गेम खेल रहे हैं और अज्ञात इंटरनेट कंपनियों में पैसा लगा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है और उनकी जिंदगी बर्बाद हो रही है। ऑनलाइन निवेश करते समय लोग अज्ञानता या लालच के कारण भी धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। सट्टेबाजी के ऐप बहुत खतरनाक हैं। एक बार आप इनके जाल में फंस गए तो बाहर निकलना मुश्किल है और आपको ऐप एडमिनिस्ट्रेटर से धमकियाँ भी मिलेंगी, उन्होंने कहा। कम समय में अधिक पैसा कमाने के भ्रम में युवा और छात्र अवैध सट्टेबाजी ऐप और गेमिंग ऐप के आदी होकर और कर्ज में अपनी जान जोखिम में डालकर अपनी कीमती जिंदगी खो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं में इन नशीले पदार्थों की लत बढ़ रही है, खासकर सोशल मीडिया पर इन नशीले पदार्थों को बढ़ावा देने वालों के कारण, और जिला पुलिस विभाग इन पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी स्थापित कर रहा है।उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग अवैध सट्टेबाजी ऐप्स पर सट्टा लगाने, ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स पर गेम खेलने और उन्हें बढ़ावा देने में शामिल हैं, उन्हें कड़ी सजा का सामना करना पड़ेगा। ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग ऐप केवल संबंधित ऐप संचालकों के निर्देशों के अनुसार संचालित किए जाते हैं। ऑनलाइन गेमिंग एक खतरनाक अभ्यास है और उपयोगकर्ताओं को गेमिंग ऐप्स के बारे में सतर्क रहना चाहिए क्योंकि नकली लिंक किसी व्यक्ति की पिछली जानकारी और खाते के विवरण को प्रकट कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और जनता और युवाओं को सतर्क रहना चाहिए और ऐसी गतिविधियों की तुरंत डायल 100 और स्थानीय पुलिस को सूचना देनी चाहिए, क्योंकि कानूनी कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने कहा कि जिले में सोशल मीडिया प्रभावितों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए, अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा नहीं देना चाहिए और जनता को ऑनलाइन सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेम के परिणामों के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

मिस यूनिवर्स विक्टोरिया कजर थीलविग ने श्रीलक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर के दर्शन किये

यदागिरिगुट्टा,18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर के मिस यूनिवर्स विक्टोरिया कजर थीलविग ने आज हसवामी का दौरा किया। उन्होंने स्वयंभू नरसिंह मंदिर का दौरा किया और विशेष पूजा-अर्चना की। जब वह पहली बार मंदिर पहुंची तो मंदिर के पुजारियों ने मंदिर के सम्मान के साथ उसका स्वागत किया। इसके बाद मुख्य मंदिर के उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित अखंडज्योति की विशेष पूजा-अर्चना की गई। फिर पूर्वी राजगोपुरम से त्रिथला गोपुरम के माध्यम से मंदिर में प्रवेश करें।पहुँचा। क्षेत्रीय राज्यपाल ने अंजनेयास्वामी के दर्शन किए, सामने के मंडप में स्वर्ण ध्वजस्तंभ को प्रणाम किया, तथा गर्भगृह में प्रवेश किया। उन्होंने गर्भगृह में स्वयंभू नरसिंह के दर्शन किए और मुख मंडप में भगवान की औपचारिक मूर्तियों की अष्टविध पूजा की। बाद में मुख्य मंदिर के मुख मंडपम में पुजारियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। मंदिर के ईओ भास्कर राव ने उन्हें लड्डू प्रसादम, भगवान के अवशेष भेंट किए और नरसिंह डी की एक तस्वीर भेंट की।

तेलंगाना सरकार ने अगली जनगणना के बाद अनुसूचित जाति के आरक्षण में वृद्धि का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने अगली जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने के बाद अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों के लिए आरक्षण बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया है।

2011 की जनगणना के आधार पर, राज्य सरकार ने एससी के लिए 15% आरक्षण तय किया है और 2026 की जनगणना में अनुसूचित जाति समुदायों की जनसंख्या की स्थिति सामने आने के बाद इसे बढ़ा दिया जाएगा। वर्तमान आरक्षण 2011 की जनगणना के

आधार पर तय किया गया है। पिछले 15 वर्षों में जनसंख्या में दो से तीन प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है और वास्तविक आंकड़ा 2026 की जनगणना के बाद ही पता चलेगा। हमने जन-गणना के आंकड़ों के आधार पर कोटा बढ़ाने का फैसला किया है, सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, जिन्होंने एससी आरक्षण के वर्गीकरण की कैबिनेट उप-समिति का नेतृत्व किया था।

उन्होंने कहा कि विभिन्न वर्गों की ओर से अनुसूचित जाति कोटा बढ़ाने की मांग की जा रही है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उन्हें उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण प्रदान किया जाए। उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को विधानसभा द्वारा तेलंगाना अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) विधेयक, 2025 पारित किए जाने से पहले चर्चा में भाग लिया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने ओयू परिसर में विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा परिसर में विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने वाले 13 मार्च के परिपत्र को वापस लेने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है।

विभिन्न छात्र संगठनों से युक्त उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति ने अपना आंदोलन जारी रखा, वहीं एबीवीपी ने मंगलवार को परिसर में एक अभिनव विरोध प्रदर्शन किया।

मुंह पर काली पट्टी बांधकर और हाथों में हथकड़ी लगाकर एबीवीपी के छात्र कार्यकर्ताओं ने आर्ट्स कॉलेज परिसर में धरना दिया और मांग की कि परिपत्र तुरंत वापस लिया जाए।

जेएसी चाहती थी कि राज्य सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे और सर्कुलर को रद्द करे। जेएसी सदस्यों ने अपने मुद्दे पर एमएलसी प्रोफेसर कोडंडारम से मिलने का फैसला किया।

कांग्रेस विधायक दानम नागेंदर ने अनुरोधों की अनदेखी करने पर मंत्रियों और अधिकारियों पर गुस्सा जाहिर किया

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार में बीआरएस विधायकों के भाग्य का संकेत देते हुए, खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने विधानसभा में शून्यकाल के दौरान उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर असंतोष व्यक्त किया।

उन्होंने अपने जैसे वरिष्ठ विधायकों के प्रति अधिकारियों की उदासीनता पर भी सवाल उठाया।मंगलवार को शून्यकाल के दौरान नागेन्द्र ने ईदगाह मैदान के पास एक कैंप कार्यालय के लिए अपने बार-बार के अनुरोध की अनदेखी किए जाने पर निराशा व्यक्त की।अपनी स्थिति की तुलना आवेदन करो, आवेदन करो, लेकिन कोई जवाब नहीं से

करते हुए उन्होंने दावा किया कि उन्होंने अपने कैंप कार्यालय के लिए मांगे गए स्थान पर अधिकारियों द्वारा रखे गए सबस्टेशन की आधारशिला को बिना किसी पूर्व सूचना के व्यक्तिगत रूप से नष्ट कर दिया।कई निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दों को सूचीबद्ध करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी सोशल मीडिया पर तो त्वरित प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन विधायकों की चिंताओं को नजरअंदाज कर देते हैं।

उन्होंने मंत्रियों की इस बात के लिए भी आलोचना की कि वे स्पष्ट जवाब देने के बजाय केवल मुद्दों पर ध्यान देते हैं तथा कहा कि ऐसे नोटों को अक्सर खारिज कर दिया जाता है।उन्होंने एक मंत्री के रूप में अपने अनुभव का हवाला देते हुए कहा, मैं किसी पर आरोप नहीं लगा रहा हूं, लेकिन मैं देख सकता हूं कि कई मंत्री हमारे अनुरोधों को कूड़ेदान में फेंक रहे हैं।जब नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों ने उन्हें बैठने के लिए कहा तो नागेन्द्र ने उन पर हमला करते हुए कहा कि एक वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री होने के नाते वह जानते हैं कि क्या कहना है और उन्हें सलाह की जरूरत नहीं है।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए यूट्यूबर्स और प्रभावशाली लोगों को नोटिस जारी किए गए

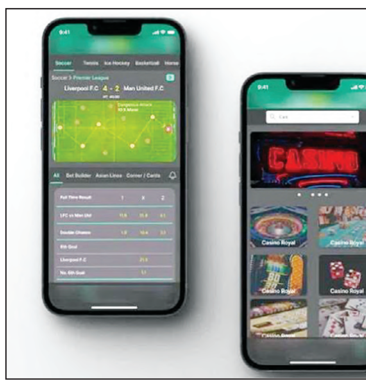

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुंजागुट्टा पुलिस ने उन यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया प्रभावितों को नोटिस जारी किया, जिनके खिलाफ अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने उनसे मामले के जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने और जांच में शामिल होने को कहा।

पुलिस ने विष्णु प्रिया, हर्ष साई, इमरान और अन्य सहित कई यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इन पर कथित तौर पर अवैध सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने और युवाओं को भ्रष्ट करने का आरोप है।

डीसीपी (पश्चिम) एसएम विजय कुमार ने कहा कि पुलिस रैकेट के विवरण का पता लगाने के लिए सट्टेबाजी ऐप्स की गहन जांच कर रही है। प्रमोटरों के माध्यम से हमें सट्टेबाजी रैकेट के आयोजकों के बारे में पता चलेगा। विस्तृत जांच के लिए अन्य जांच एजेंसियों की मदद ली जाएगी, विजय कुमार ने कहा।

तेलंगाना सरकार ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी हथकरघा पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2025 के लिए हथकरघा बुनाई और डिजाइनिंग में उत्कृष्टता के लिए श्री कोंडा लक्ष्मण बापूजी राज्य पुरस्कारों की घोषणा की है। इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए ये पुरस्कार 7 अगस्त, 2025 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदान किए जाएंगे।

हथकरघा एवं वस्त्र विभाग के अनुसार, पात्र उम्मीदवारों के लिए आवेदन खुले हैं।

मानदंड में शामिल हैं: 30 वर्ष से अधिक आयु के बुनकर (31 दिसंबर, 2024 तक) जिन्हें हथकरघा बुनाई में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव हो।25 वर्ष से अधिक आयु के डिज़ाइनर (31 दिसंबर, 2024 तक) जिनके पास डिज़ाइनिंग में कम से कम 5 वर्ष का अनुभव हो।

पात्र अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में अपने आवेदन 15 अप्रैल, 2025 तक संबंधित जिला सहायक निदेशक (हथकरघा एवं वस्त्र) को प्रस्तुत करने होंगे।

आरजीआईए में यात्री पर मानव जीवन को खतरे में डालने का मामला दर्ज

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक यात्री द्वारा विमान में आपातकालीन निकास द्वार की कवर प्लेट खोलने का प्रयास करने पर आरजीआई हवाईअड्डा पुलिस ने मानव जीवन को खतरे में डालने और सार्वजनिक उपद्रव के आरोप में मामला दर्ज किया है।

बिहार के रहने वाले सौरभ कुमार चाल्बे नामक व्यक्ति ने आरजीआई एयरपोर्ट पर हैदराबाद से वाराणसी जाने वाली फ्लाइट में सवार होने की कोशिश की। विमान में सवार व्यक्ति ने कवर प्लेट खोलने की कोशिश की, जब चालक दल ने इस बारे में पायलट इन कमांड (पीआईसी) को सूचित किया, जिन्होंने यात्री को अनियंत्रित घोषित कर दिया।

एयरलाइन्स ने आरजीआई एयरपोर्ट पर शिकायत दर्ज कराई और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

उस व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि वह जिज्ञासावश आपातकालीन निकास द्वार की जांच करना चाहता था।

बीजेपी विधायक ने 400 एकड़ कांचा गाचीबोवली जमीन की बिक्री का विरोध किया

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक येलेटी महेंद्र रेड्डी ने मंगलवार, 18 मार्च को कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय की जमीनों की बिक्री रोकने की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार द्वारा कांचा गाचीबोवली में लगभग 400 एकड़ जमीन की बिक्री की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसके बारे में कई लोगों का मानना है कि यह हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूअ-ोएच) परिसर का हिस्सा है।जमीन की बिक्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के बाद भाजपा विधायक को हैदराबाद पुलिस ने

हिरासत में ले लिया। महेंद्र रेड्डी का विरोध प्रदर्शन तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम द्वारा यह कहे जाने के ठीक एक दिन बाद हुआ है कि 400 एकड़ जमीन हैदराबाद विश्वविद्यालय की नहीं है।हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी इस बिक्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके परिसर में मशरूम रॉक्स जैसे वनस्पति और जीव-जंतु क्षतिग्रस्त या नष्ट हो जाएंगे।टीजीआईआईसी ने कहा कि 7 जुलाई 2024 को अधिकारियों ने हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के रजिस्ट्रार से संपर्क किया और प्रस्तावित परियोजना के बारे में बताया। यूओएच अधिकारियों की मौजूदगी में भूमि का सर्वेक्षण किया गया और बिक्री के लिए सीमाएं तय की गईं।निगम ने वास्तव में यह भी कहा कि परिसर में बफ़ेलो और पीकॉक झीलें टीजीआईआईसी द्वारा विकसित किए जा रहे 400 एकड़ भूमि का हिस्सा नहीं हैं। इसमें यह भी कहा गया कि निगम ने मशरूम रॉक सहित रॉक संरचनाओं को हरित स्थानों के रूप में संरक्षित करते हुए एक लेआउट तैयार किया था।

अमीरपेट वाइन शॉप के बाहर कार चोरी के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंजागुट्टा पुलिस ने मंगलवार 18 मार्च को अमीरपेट में एक शराब की दुकान के बाहर कार चोरी में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में 29 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान दिगंबर रघुनाथ खंडेरे के रूप में हुई है जो ड्राइवर का काम करता था।

रिपोर्ट के अनुसार, चोरी 16 मार्च की रात करीब 11:00 बजे हुई। शिकायतकर्ता ने अपनी कार को ग्रीन पार्क होटल, अमीरपेट के सामने संध्या वाइन शॉप के बाहर इंजन चालू करके पार्क किया था। आरोपी जल्दी से कार में सवार होकर अमीरपेट की ओर भाग गया।

शिकायत के बाद, बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, पंजागुट्टा पुलिस ने आरोपी को मोनप्पा जंक्शन से गिरफ्तार कर लिया। चोरी की गई गाड़ी को जब्त कर अदालत में पेश किया गया।

आरोपी को चंचलगुडा जेल भेज दिया गया है तथा आगे की जांच जारी है।

एसएससी परीक्षा 2025 में 5 लाख से अधिक छात्र शामिल होंगे

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एसएससी सार्वजनिक परीक्षा 2025 21 मार्च से शुरू होगी और 4 अप्रैल को समाप्त होगी, जिसमें राज्य भर के 2650 परीक्षा केंद्रों पर 5.09 लाख से अधिक छात्र नामांकित होंगे।परीक्षाएं सुबह 9:30 बजे से शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे तक चलेंगी, इसके अलावा कुछ विषयों की परीक्षाएं भी होंगी जैसे प्रथम भाषा संयुक्त पाठ्यक्रम (सुबह 9:30 से दोपहर 12:50 बजे तक) और विज्ञान (जो अलग-अलग दिनों में भौतिक विज्ञान और जैविक विज्ञान में विभाजित है; सुबह 9:30 से 11:00 बजे तक)।एसएससी परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए प्रमुख उपाय: सुरक्षा एवं निगरानी: मुख्य अधीक्षकों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा 144 उड़नदस्ते टीमें परीक्षा केंद्रों की निगरानी करेंगी। मोबाइल फोन प्रतिबंध: छात्रों और परीक्षा अधिकारियों को परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने पर सख्त प्रतिबंध है।कदाचार से बचने के लिए परीक्षा केंद्रों के पास सीआरपीसी की धारा 144 लागू की जाएगी। हॉल टिकट: छात्र अपने स्कूल से हॉल टिकट ले सकते हैं या आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं ।नियंत्रण कक्ष सहायता: शिकायत निवारण के लिए सरकारी परीक्षा निदेशालय और जिला कार्यालयों में 24/7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है (फोन: 040-23230942)।अधिकारियों ने छात्रों से आग्रह किया है कि वे परीक्षा केंद्रों पर एक या दो दिन पहले पहुंच जाएं तथा परीक्षा के दिन सुबह 8:30 बजे तक पहुंच जाएं, ताकि यातायात या मौसम की स्थिति के कारण अंतिम समय में होने वाली देरी से बचा जा सके।

इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष के 13,403 छात्रों ने भौतिकी, अर्थशास्त्र की परीक्षा छोड़ी

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार को आयोजित भौतिकी-2 और अर्थशास्त्र-2 की परीक्षा में द्वितीय वर्ष के 13,403 छात्रों ने भाग नहीं लिया।कुल 4,63,145 छात्रों ने पंजीकरण कराया और 4,49,742 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के दौरान जनगांव और सिद्दीपेट में पांच-पांच, करीमनगर में चार और पेड्डापल्ली जिले में एक सहित पंद्रह कदाचार के मामले दर्ज किए गए।टीजी बीआईई ने कहा कि बोर्ड के पर्यवेक्षकों को खम्मम, वानापर्थी, सिद्दीपेट, नागरकुरनूल और हैदराबाद जिलों के परीक्षा केंद्रों पर भेजा गया था और उन्होंने परीक्षा के सुचारू संचालन की सूचना दी।इस बीच, तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने स्पॉट मूल्यांकन शिविरों में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया।टीजी बीआईई ने 20 मार्च से 10 अप्रैल तक इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए राज्य भर में 19 स्पॉट मूल्यांकन शिविरों का गठन किया।बोर्ड ने तेलंगाना टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड से शिविरों में कर्मियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली उपकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

तेलंगाना आरक्षण विधेयक के संबंध में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पीएम मोदी की होगी मुलाकात

सरकार ने मांगा समय

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में इन दिनों आरक्षण को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। तेलंगाना विधानसभा में आरक्षण को लेकर दो विधेयक पारित हुए है। इसमें शिक्षा, नौकरियों और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव पेश करने वाले दो विधेयकों को पारित किया गया है। वहीं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखा है। रेड्डी ने पीएम मोदी से इन विधेयकों पर चर्चा करने के लिए समय भी मांगा है।तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री शिक्षा, रोजगार क्षेत्रों और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के संबंध में विधानसभा द्वारा पारित दो अलग-अलग विधेयकों पर चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस, भाजपा, एआईएमआईएम और सीपीआई के नेताओं के एक समूह से मिलने का अवसर मांगा, जो तेलंगाना विधानसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इन विधेयकों पर केंद्र सरकार का समर्थन मांगा है। इससे पहले उन्होंने कांग्रेस, बीआरएस, भाजपा, एआईएमआईएम और सीपीआई सहित तेलंगाना के सभी राजनीतिक दलों के नेत-ाओं के साथ बैठक का भी सुझाव दिया है जिससे विधेयक को समर्थन मिल सके।

तेलंगाना सीएमओ ने कहा, सभी दलों ने विधानसभा में इन दो विधेयकों पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा किए गए प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की कि सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात कर पिछड़ों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने में केंद्र सरकार का समर्थन मांगेंगे। मुख्यमंत्री ने पत्र में कहा कि इन दोनों विधेयकों पर केंद्र सरकार का समर्थन मांगने के लिए एक बैठक निर्धारित

की जानी चाहिए।तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि राज्य में ओबीसी आबादी 56.36 प्रतिशत होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, नौकरियों और रोजगार में इस वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना विधानसभा सत्र के दौरान सीएम रेड्डी ने घोषणा की, मुख्यमंत्री के रूप में, मैं गंभीरता से घोषणा करता हूं कि सबसे वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रयासों के आधार पर, हम कह सकते हैं कि तेलंगाना में ओबीसी की आबादी 56.36 प्रतिशत है। अब हम इस वर्ग के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों - शिक्षा, नौकरी और रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का संकल्प ले रहे हैं। इतिहास के सही पक्ष पर रहें और हममें से हर कोई इस ऐतिहासिक कदम का चैंपियन बने। इस बीच, उन्होंने सभी दलों से एकजुट होने और इन विधेयकों को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का आग्रह किया है।

तेलंगाना सरकार के ओबीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण पर गदगद हो गए राहुल गांधी, बोले

पूरे देश को इसी की जरूरत

नई दिल्ली/हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने राज्य में ओबीसी समुदाय के लोगों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐलान किया है। इसको लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बताया कि प्रदेश में नौकरी, शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए ओबीसी जनसंख्या को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना सरकार के इस फैसले की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इसे क्रांतिकारी कदम बताया है।

राहुल गांधी ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार के इस फैसले को लेकर कहा कि उनकी पार्टी के शासन वाले राज्य ने रास्ता दिखाया है और यही पूरे देश की जरूरत है। इसको लेकर राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा,कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा किया है. राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई और शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पारित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है, जिसके जरिए राज्य में आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की दीवार भी गिरा दी गई है. कांग्रेस नेता के अनुसार, जातिगत सर्वेक्षण के डेटा से हर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हालात का विश्लेषण कर ऐसी नीतियां बनाई जाएंगी जिनसे सबकी बेहतरी सुनिश्चित हो।

तेलंगाना विधानसभा ने ऐतिहासिक एससी वर्गीकरण विधेयक पारित किया

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विधानसभा ने मंगलवार, 18 मार्च को आयोजित विशेष विधानसभा सत्र के दौरान तेलंगाना अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) विधेयक, 2025 पारित कर दिया। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने कहा कि अनुसूचित जातियों (एससी) का वर्गीकरण सामाजिक पिछड़ेपन और दशकों से वंचित रहे एससी समुदायों के लिए अधिमान्य उपचार के आधार पर किया जा रहा है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्गीकरण अंतिम समाधान नहीं है, बल्कि वंचित अनुसूचित जाति समुदायों की बेहतरी के लिए एक साधन है। उन्होंने कहा, अनुसूचित जाति समुदायों के सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को खत्म करने के लिए अनुसूचित जातियों के पक्ष में वित्तीय सहायता, शिक्षा और कौशल विकास, आवास स्थल और औद्योगिक नीतियों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि इस वर्गीकरण से 1,78,914 अनुसूचित जातियां प्रभावित हो रही हैं, जिनमें 24 अनुसूचित जाति समुदाय शामिल हैं, जो कुल अनुसूचित जाति आबादी का केवल 3.43 प्रतिशत है।

वर्गीकरण तीन समूहों में किया गया:-

पहला समूह: 15 सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े अनुसूचित जाति समुदाय, जिनमें 1,71,625 लोग शामिल हैं, को 1 प्रतिशत आरक्षण दिया गया।

दूसरा समूह: 18 समुदाय, जिनकी जनसंख्या लगभग 34 लाख है, को 9 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। तीसरा समूह: 26 समुदाय, जिनकी जनसंख्या 17 लाख है, को 5 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। सर्वाधिक पिछड़े वर्गों के लिए तरजीही व्यवहार पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए नरसिम्हा ने कहा कि यद्यपि प्रथम समूह के 1.71 लाख लोगों को उनकी जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सिर्फ 0.5% आरक्षण मिलना था, लेकिन सरकार ने उनके 'गहन पिछड़ेपन' के कारण अतिरिक्त 0.5% आरक्षण आवंटित कर दिया। उन्होंने लोकुर समिति (1965), न्यायमूर्ति रामचंद्र राजू आयोग (1998), उषा मेहरा आयोग और 1 अगस्त, 2024 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सिफारिशों का भी हवाला दिया, जिसने तेलंगाना में एससी वर्गीकरण का मार्ग प्रशस्त किया।

फैसले के छह महीने के भीतर, तेलंगाना सरकार ने एक कैबिनेट उप-समिति का गठन करने और एक सदस्यीय आयोग का नेतृत्व करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति शमीम अख्तर को नियुक्त करने के बाद सुप्रीम कोर्ट वर्गीकरण कानून लागू कर दिया।

जाति पुनर्वर्गीकरण पर चिंताओं को संबोधित करते हुए नरसिम्हा ने बुडिगा जंगा जाति का हवाला दिया, जिसे 1,11,000 की आबादी होने के बावजूद कम साक्षरता दर और हाशिए पर होने के कारण पहले समूह में रखा गया था। उन्होंने बताया कि केवल दो समूह होने से असंतुलन पैदा होगा, जबकि आयोग ने चार समूहों को अनावश्यक माना।

सीपीआई विधायक कुनामनेनी संबाशिवा रेड्डी ने रेला समुदाय के बारे में चिंता जताई, जो पहले ए श्रेणी में था, अब उसे तीसरे समूह में रखा गया है, जबकि वह मैला ढोने और सफाई का काम करता है। उन्होंने सरकार से इस वर्गीकरण पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

एआईएमआईएम विधायक माजिद हुसैन ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने और तीन के बजाय चार श्रेणियां शुरू करने का सुझाव दिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि अनुसूचित जाति वर्गीकरण आंदोलन में शहीद हुए शहीदों के परिवारों को इंदिराम्मा आवास योजना और राजीव युवा विकासम जैसी कल्याणकारी योजनाओं में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार पारदर्शी तरीके से नीतियों को लागू करेगी और पिछली गलतियों को सुधारेगी तथा यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी अनुसूचित जाति समुदाय के साथ कोई अन्याय न हो।

तेलंगाना विधानसभा ने बंदोबस्ती विधेयक पारित किया, यदागिरिगुट्टा मंदिर को मिलेगा ट्रस्ट बोर्ड

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से तेलंगाना धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थान और बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित कर दिया, जिससे यदागिरिगुट्टा लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के लिए एक ट्रस्ट बोर्ड की स्थापना सहित प्रमुख सुधारों का मार्ग प्रशस्त हो गया।

धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने घो-षणा की कि नवगठित यदागिरिगुट्टा मंदिर ट्रस्ट बोर्ड में 18 सदस्य होंगे जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होगा। एक आईएएस अधिकारी मंदिर के कार्यकारी अधिकारी के रूप में काम करेगा, जबकि बोर्ड का बजट सरकार के नियंत्रण में होगा।उन्होंने मंदिर सुविधाओं में सुधार और महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा के माध्यम से तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

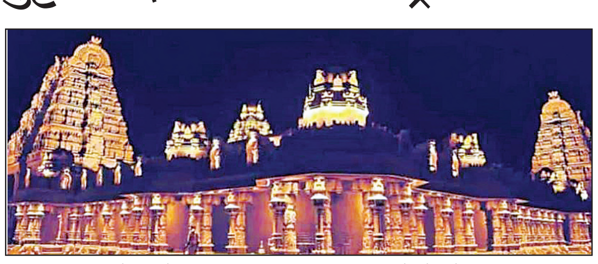

हालांकि, वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह बिना किसी राजनीतिक मंशा के यदाद्री के विकास में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की भूमिका को स्वीकार करने में विफल रही।उन्होंने बोर्ड में विधायकों और एमएलसी की नियुक्ति और आदिवासी समुदायों के लिए प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने सहित संशोधनों का प्रस्ताव रखा। उन्होंने राज्य सरकार से यदाद्री में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक मेडिकल कॉलेज बनाने का भी आग्रह किया।

पूर्व मंत्री ने वेमुलावाड़ा जैसे उच्च आय वाले मंदिरों के लिए ट्रस्ट बोर्ड के गठन की मांग की और सुझाव दिया कि प्रमुख मंदिर अधिकारियों के वेतन का भुगतान सरकारी धन के बजाय तिरुपति की तरह मंदिर के राजस्व से किया जाना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईश्वर से डरने वाले अधिकारी समर्पण के साथ काम करें।उन्होंने कांग्रेस पर धन आवंटन की कमी के कारण पिछले 15 महीनों में मंदिर विकास की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।उन्होंने सरकार से मंदिर सहायता के वादे पूरे करने, रुकी हुई परियोजनाओं को फिर से शुरू करने और मंदिर कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने मंदिर विकास को रोकने, धन जारी करने में विफल रहने और ब्राह्मण कल्याण पहलों की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने न्यायिक प्रक्रिया का 'दुरुपयोग' करने पर याचिकाकर्ता पर एक करोड़ का जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति नागेश भीमपाका ने शुक्रवार को एक याचिकाकर्ता पर 'न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग' करने और सरकारी भूमि के स्वामित्व का दावा करते समय तथ्यों को दबाने के लिए 1 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना लगाया। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता वेंकट रामी रेड्डी ने तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया और निजी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए तुच्छ मुकदमेबाजी में शामिल रहे।

रेड्डी ने हैदराबाद के कंडीकल गांव में स्थित 9.11 एकड़ भूमि के स्वामित्व का दावा करते हुए एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि उनके पिता ने 1980 में एक पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से भूमि हासिल की थी। याचिकाकर्ता के अनुसार, भूमि को मूल रूप से 'आबादी' (आवासीय) के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि के कारण इसे गलत तरीके से दर्ज किया गया था। अभिलेखों में कथित सुधारों के बावजूद, याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि टाउन सर्वे रिकॉर्ड गलत वर्गीकरण दिखाना जारी रखते हैं।रेड्डी के वकील कंडागतला दीराज ने तहसीलदार और राजस्व विभाग पर बिना उचित प्रक्रिया के भूमि को अवैध रूप से जब्त करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। हालांकि, सरकारी अधिकारियों ने याचिकाकर्ता के दावों का विरोध करते हुए तर्क दिया कि विचाराधीन भूमि सरकारी संपत्ति है और भूमि बैंक का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि रेड्डी और उनके पिता का भूमि पर कोई वैध दावा नहीं था और वे जाली दस्तावेजों का उपयोग करके उस पर अतिक्रमण करने का प्रयास कर रहे थे। प्रतिवादियों ने यह भी उल्लेख किया कि एक सिविल सूट और दूसरी अपील सहित कई कानूनी कार्यवाही पहले ही सरकार के पक्ष में तय की जा चुकी हैं।

न्यायमूर्ति भीमपाका ने अपने फैसले में कहा कि याचिकाकर्ता उसी भूमि से जुड़े पिछले मुकदमे के बारे में कई महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा करने में विफल रहा है। यह पता चला कि रेड्डी और उनके पिता दोनों ने कई रिट याचिकाएँ दायर की थीं, जिनमें से सभी को या तो खारिज कर दिया गया था या वापस ले लिया गया था। इसके बावजूद, याचिकाकर्ता ने जानबूझकर वर्तमान याचिका दायर करते समय इन पिछले मामलों का उल्लेख नहीं किया, जिससे अदालत को गुमराह किया जा सके। न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता की फोरम शॉपिंग के लिए भी आलोचना की, एक ऐसी रणनीति जिसमें अनुकूल आदेश प्राप्त करने के लिए अदालत की विभिन्न पीठों से थोड़े बदले हुए याचिकाओं के साथ संपर्क किया जाता है। न्यायमूर्ति भीमपाका ने इसे न्यायिक प्रणाली के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ और कानूनी कार्यवाही का दुरुपयोग बताते हुए इसकी निंदा की।

कानूनी मामलों में सच्चाई और पारदर्शिता के महत्व पर जोर देते हुए, न्यायमूर्ति भीमपाका ने फैसला सुनाया कि रेड्डी ने गंदे हाथों से अदालत का रुख नहीं किया था, और उनका आचरण व्यक्तिगत लाभ के लिए जानबूझकर महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाने के बराबर था। न्यायाधीश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तुच्छ मुकदमेबाजी न्यायिक प्रणाली पर बोझ डालती है और वास्तविक मामलों को तुरंत हल करने में बाधा डालती है।

कानूनी उपायों के इसी तरह के दुरुपयोग को हतोत्साहित करने के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए अदालत ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया, जिसे 10 अप्रैल तक उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण को जमा करना होगा।

सूर्यापेट में कांग्रेस नेता की हत्या अंदरूनी राजनीति का संदेह

हैदराबाद, 18 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सूर्यापेट जिले के नुटंकल मंडल के मिरयाला गांव में सोमवार, 17 मार्च को अज्ञात हमलावरों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सरपंच मेंचू चक्रैया की बेरहमी से हत्या कर दी।स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, मेंचू चक्रया थुंगाथुर्थी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक मंडुला सैमुअल के समर्थक थे। माना जा रहा है कि सैमुअल और कांग्रेस नेता आर दामोदर रेड्डी के बीच अंदरूनी सत्ता संघर्ष चल रहा है।सोमवार को कांग्रेस नेता एक कृषि परियोजना में

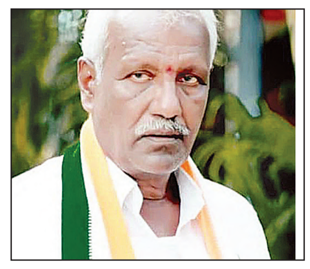

भाग लेने के लिए जा रहे थे, तभी उन पर 10 से अधिक लोगों ने धारदार वस्तुओं से हमला कर दिया, जो कांग्रेस पार्टी के एक हिस्से, कनकटी वेंकन्ना समुदाय से थे।हमलावरों ने मेन्चू चक्रया पर धारदार हथियार से हमला कर उसका सिर, पैर और हाथ तोड़ दिए, उसे बेहोश छोड़कर भाग गए।गंभीर रूप से घायल कांग्रेस नेता को एक चरवाहे ने देखा और तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। खबर फैलते ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अनुयायी उन्हें सूर्यपेट जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।अभी तक कोई गिरफ़्तारी नहीं हुई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता की मौत के कारण सूर्यपेट पुलिस ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिरयाला गांव में सुरक्षा बढ़ा दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.